શુભ લાભ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 08 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-334

13,429 वोट - मतगणना आज

महेश बैंक चुनाव

सौहार्दपूर्ण माहौल ने दिल जीता

एपी महेश कोआपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, हैदराबाद के 2025-2030 के लिए रविवार, 7 दिसंबर को हुए मतदान में 36.16% मतदाताओं ने भाग लेकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। प्रभारी जिलाधीश मनु चौधरी ने मीडिया को यह जानकारी देते हुए बताया कि शांतिपूर्ण वातावरण और सद्भाव के माहौल में कुल 37,142 मतदाताओं में से 13,429 ने एक्जीबिशन ग्राउंड व देशभर में स्थापित 78 मतदान केंद्रों में वोट डाले।

8,342 पुरुषों व 5,087 महिलाओं ने मतदान में हिस्सा लिया। हैदराबाद के अलावा जयपुर, भीलवाड़ा, मुंबई, खम्मम, वरंगल, विजयवाडा, गुंटूर व अन्य जगह 10 केंद्र थे। कमला नेहरू पालिटेक्निक कालेज व सरोजिनी नायुडू वनिता कालेज में मतदान के लिए प्रशासन ने लाजवाब व्यवस्था की, जिसकी हर किसी ने सराहना की। मतगणना आज सुबह 8.00 बजे से एक्जीबिशन ग्राउंड के ही कमला नेहरू पालिटेक्निक कालेज में होगी।

कल तक पैनलों में बँटे प्रत्याशी एक-दूसरे से गले मिलते, हाथ मिलाते नजर आए। पूरा ग्राउंड किसी उत्सव स्थल जैसा दिखाई दिया।

जिधर देखो उधर बडी बडी गाडियाँ, हर कोई एक दूसरे की मदद के लिए हाथ बढा रहा था। शायद महेश बैंक के इतिहास का सबसे सुचारु और व्यवस्थित तथा सौहार्दपूर्ण मतदान था। श्री चौधरी ने बताया कि इतने बडे आयोजन में छिटपुट घटना की भी कोई शिकायत नहीं आई।

जिलाधीश ने रेवेन्यू अधिकारी ई. वेंकटाचारी के साथ मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और शानदार व्यवस्था के लिए बधाई दी।

चप्पे-चप्पे पर तैनात पुलिस बल का पर्यवेक्षण वरिष्ठ अधिकारी अतिरिक्त डीसीपी बी. आनंद, डीसीपी शिल्पापल्ली, एसीपी संजय कुमार व प्रवीण ने किया। अवसर पर हैदराबाद आरडीओ रामकृष्णा, ला आफिसर श्रीधर, डीसीओ प्रसन्ना, स्पेशल एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट ज्योति, नामपल्ली तहसीलदार नयीमुद्दीन सहित पुलिस, रेवेन्यू व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

गोवा में नाइट क्लब में आग लगने से 25 की मौत

पणजी, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।
गोवा के उत्तरी क्षेत्र में स्थित अरपौरा गांव में एक नाइट क्लब में शनिवार देर रात आग लगने से करीब 25 लोगों की मौत हो गयी तथा कुछ घायल हो गये। प्रारंभिक रिपोर्टो के अनुसार आग नाइट क्लब की रसाई में गैस सिलेंडर फटने से लगी। मृतकों में अधिकतर क्लब के कर्मचारी है। दुर्घटना के कुछ देर बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सांवत ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने दुर्घटना की जांच के आदेश दिये है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा के अरपोरा में हुए भयावह अग्निकांड पर रविवार को गहरा दुख और शोक प्रकट किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया पर लिखा, उत्तरी गोवा ज़िले में आग लगने की दुखद घटना से बहुत दुख हुआ। इसमें कई कीमती जानें चली गईं। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। भगवान उन्हें इस मुश्किल समय में हिम्मत दे। मैं घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करती हूं। ▶10पर

राजा सिंह के बाद, आर्मूर विधायक ने भाजपा की रणनीति में बदलाव का आग्रह किया

हैदराबाद, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह के बाद, अब आर्मूर विधायक पी. राकेश रेड्डी ने राज्य भाजपा नेतृत्व के प्रति असंतोष व्यक्त किया है और तेलंगाना में सत्ता जीतने के लिए स्वरूप में बदलाव का सुझाव दिया है। रविवार को यहां पार्टी के विरोध कार्यक्रम में बोलते हुए, राकेश रेड्डी ने महाराष्ट्र और बिहार में पार्टी के प्रदर्शन का हवाला दिया और कहा कि लोग तेलंगाना में भाजपा नेताओं से उनके प्रदर्शन के बारे में सवाल कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नेतृत्व बदल सकता है, लेकिन रणनीति भी बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा, चुनावों के लिए सही उम्मीदवारों की पहचान की जानी चाहिए, और जो छक्के मार सकते हैं, उन्हें मौका दिया जाना चाहिए। ▶10पर

पुंछ में नियंत्रण रेखा पर जंगल की आग से बारूदी सुरंग विस्फोट

जम्मू, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास जंगल में लगी आग के कारण रविवार को कई बारूदी सुरंग विस्फोट हुए। इन बारूदी सुरंगों को सीमा पार से होने वाली घुसपैठ को रोकने के लिए बिछाया गया है। जानकारी के अनुसार, पुंछ के जंगल में लगी आग के कारण आधा दर्जन से ज्यादा बारूदी सुरंगें फट गईं। एक अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे बालाकोट के जंगल में जीरो लाइन के पास आग लग गई, जिससे घुसपैठ रोधी बाधा प्रणाली (एंटी इनफिल्ट्रेशन ऑब्सटेकल सिस्टम) में लगी छह से ज्यादा बारूदी सुरंगें फट गईं। अधिकारी ने आगे कहा कि विस्फोट से किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि आग अभी भी भड़की हुई है और उसे बुझाने के प्रयास जारी हैं। नियंत्रण रेखा पर जीरो लाइन के पास अग्रिम इलाकों में बारूदी सुरंगें बिछा दी गई हैं, जो सीमा पार से घुसपैठ करने से रोकने के लिए एक विस्तृत घुसपैठ रोधी बाधा प्रणाली का हिस्सा हैं।

नियंत्रण रेखा पर 24 घंटे गश्त करने वाले सैन्य जवानों के पास बारूदी सुरंग वाले इलाके से बचने के लिए व्यापक नक्शे मौजूद हैं। ▶10पर

इंडिगो संकट: डीजीसीए ने दी 24 घंटे की मोहलत संसदीय कमेटी भेज सकती है समन

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

इंडिगो की उड़ानों के बड़े पैमाने पर कैंसिलेशन की वजह से बीते छह दिनों से मची अफरा-तफरी के बाद अब हालात सुधर रहे हैं। इंडिगो धीरे-धीरे अपने विमानों का संचालन फिर से बढ़ा रहा है, जिससे जल्दी ही स्थिति सामान्य होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस बीच डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने इंडिगो को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए 24 घंटे की मोहलत दी है।

डीजीसीए ने इंडिगो के अकाउंटेबल मैनेजर और सीईओ पीटर एल्बर्स को बड़े पैमाने पर हुई उड़ान बाधाओं और कई नियमों के उल्लंघन को लेकर शनिवार (6 दिसंबर 2025) को नोटिस जारी किया था। इंडिगो के दोनों जिम्मेदार अधिकारियों ने 07 दिसंबर 2025 को डीजीसीए ए को पत्र लिखकर कहा कि देशभर में ऑपरेशन बहुत बड़े स्तर पर होते हैं और कई अनिवार्य कारणों से उड़ानें बाधित हुईं, इसलिए जवाब तैयार करने के लिए थोड़ा और समय चाहिए।

डीजीसीए ने अब समय सीमा बढ़ाकर 08 दिसंबर 2025 शाम 6 बजे तक कर दी है। साथ ही साफ निर्देश दिया है कि अब और कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। डीजीसीए की ओर से यह चेतावनी भी दी गई है कि अगर इंडिगो इस निर्धारित समय में पूरा और ठोस जवाब नहीं देती है तो उपलब्ध जानकारी के आधार पर एकतरफा कार्रवाई की जाएगी।

इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें रद्द होने की वजह से संसद की परिवहन, पर्यटन और नागरिक उड्डयन समिति जल्दी ही निजी एयरलाइनों और विमानन नियामक के शीर्ष अधिकारियों को तलब कर सकती है। जेडीयू सांसद संजय झा की अध्यक्षता वाली समिति डीजीसीए और नागर विमानन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को भी पेश होने के नोटिस भेजे जाने की तैयारी में है।समिति की कोशिश यह समझने की है कि आखिर इतने बड़े स्तर पर फ्लाइट कैसे और क्यों कैंसिल की गईं और भविष्य में ऐसी नौबत दोबारा न आए, इसके लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। समिति के एक सदस्य ने बताया कि हवाई सेवाओं में व्यवधान के कारण हजारों यात्रियों को हो रही परेशानियों को समिति ने गंभीरता से लिया है।

एक अन्य सदस्य ने कहा कि शीतकालीन सत्र के लिए राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद सांसदों को भी इंडिगो की ओर से उड़ानें रद्द किए जाने और अन्य एयरलाइनों द्वारा देरी किए जाने का खामियाजा भुगतना पड़ा। कई सांसदों को लोगों से शिकायतें भी मिलीं कि इस स्थिति के कारण हवाई किराये में काफी बढ़ोतरी हो गई है।

सीपीएम के राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने उड़ानों में बड़े पैमाने पर व्यवधान की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति गठित करने या न्यायिक जांच कराने की मांग की। ब्रिटास परिवहन संबंधी स्थायी समिति के सदस्य नहीं हैं। इंडिगो वर्तमान में अपनी 2,300 दैनिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में से 1,650 उड़ानों का संचालन कर रही है, ▶10पर

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर आज लोकसभा में 10 घंटे चर्चा, पीएम मोदी करेंगे शुरुआत

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर बहस की शुरुआत करेंगे, जिससे राष्ट्रीय गीत के बारे में कई महत्वपूर्ण और अज्ञात तथ्यों के सामने आने की उम्मीद है।

लोकसभा की कार्यसूची में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा' को सोमवार के लिए सूचीबद्ध किया गया है और बहस के लिए 10 घंटे का समय आवंटित किया गया है। पीएम मोदी इस बहस की शुरुआत करेंगे, जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दूसरे वक्ता होंगे। विपक्ष की ओर से कांग्रेस के लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई और प्रियंका गांधी समेत कई सांसद हिस्सा लेने की उम्मीद हैं।

लोकसभा के बाद राज्यसभा में मंगलवार को 'वंदे मातरम' पर चर्चा होगी, जहां गृह मंत्री अमित शाह चर्चा की शुरुआत करेंगे और स्वास्थ्य मंत्री तथा राज्यसभा में नेता जेपी नड्डा दूसरे वक्ता होंगे। दोनों सदनों में यह चर्चा वंदे मातरम् के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करेगी, जो भारतीय राष्ट्रवाद की प्रतीक है।

वंदे मातरम्को 1870 के दशक में महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चटर्जी ने संस्कृतनिष्ठ बंगाली में लिखा था। यह गीत उनके प्रसिद्ध उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा है, जिसका पहला प्रकाशन 1882 में हुआ था। इस गीत को जदुनाथ भट्टाचार्य ने संगीतबद्ध किया था। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम् एक प्रमुख प्रेरणा स्रोत बना, जिसने लाखों क्रांतिकारियों को एकजुट किया। 1950 में भारत गणराज्य के गठन के साथ इसे राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया।

वहीं, वंदे मातरम् पर बहस के दौरान राजनीतिक हंगामे की भी संभावनाएं हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री ने पहले कांग्रेस पर गीत के छंदों को हटाने का आरोप लगाया है। हालांकि, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में 2 दिसंबर को सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की बैठक में इस विषय पर चर्चा की सहमति बनी थी। बैठक में तय हुआ कि वंदे मातरम् और चुनाव सुधारों पर अगले हफ्ते बहस होगी, जिससे संसद के सुचारू संचालन की संभावना बढ़ गई है। हंगामे की बजाय सकारात्मक चर्चा की उम्मीद की जा रही है।

केंद्र सरकार ने वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया है जो इसकी सांस्कृतिक विरासत को सम्मानित करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे स्वतंत्रता संग्राम की अमर धरोहर बताते हुए कहा था कि यह गीत राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करता है।

वंदे मातरम् पर लोकसभा में विशेष चर्चा होने पर भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर कल संसद में इस विषय पर चर्चा होगी और हम प्रधानमंत्री का संबोधन भी सुन सकेंगे। देश उन्हें सुनने के लिए उत्सुक और उत्साहित है... आज, 21वीं सदी के प्रथम चतुर्थांश में, देश के युवाओं को निस्संदेह वही ऊर्जा और प्रेरणा मिलेगी जो स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मिली थी। उन्होंने कहा, उस समय लड़ाई स्वतंत्रता और राजनीतिक स्वतंत्रता की थी। अब लड़ाई सामाजिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता की है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

हैदराबाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू सहित प्रमुख सड़कों के नामकरण की घोषणा

हैदराबाद, 07 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना सरकार ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के सम्मान में, हैदराबाद में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से सटे एक सड़क खंड का नाम डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू रखने का फैसला किया है। अधिकारियों ने इसे दुनिया में अपनी तरह का पहला कदम बताया, जो वैश्विक ध्यान आकर्षित कर सकता है। राज्य सरकार औपचारिक रूप से इस प्रस्ताव को केंद्रीय विदेश मंत्रालय को भेजेगी।

रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक मीडिया बयान में कहा गया है कि राज्य सरकार ने राज्य को वैश्विक नवाचार और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी के केंद्र के रूप में पेश करने की अपनी योजना के तहत हैदराबाद और उसके आसपास की प्रमुख सड़कों के लिए उच्च-प्रोफाइल नामकरण के प्रस्तावों की इस श्रृंखला को मंजूरी दी है।

प्रमुख नामकरण प्रस्ताव में- 1)डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू : हैदराबाद में संयुक्त राज्य अमेरिका के वाणिज्य दूतावास से सटा हुआ सड़क खंड। 2) रतन टाटा रोड (प्रस्तावित): आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर राविरयाल को प्रस्तावित रीजनल रिंग रोड से जोड़ने वाली आगामी ग्रीनफील्ड रेडियल रोड। 3)टाटा इंटरचेंज : इसी गलियारे पर राविरयाला इंटरचेंज का नाम पहले ही इस रूप में नामित किया जा चुका है। 4)गूगल स्ट्रीट : फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में एक प्रमुख खंड, जो गूगल मैप्स के प्रभाव और हैदराबाद में गूगल की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाता है, जहां यह तकनीकी दिग्गज अमेरिका के बाहर ▶10पर

असदुद्दीन ओवैसी के साथ गठबंधन करेंगे टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर!

कोलकाता, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।
तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने रविवार को राजनीतिक हलचल तेज कर दी। उन्होंने ऐलान किया कि आगामी चुनाव से पहले वह असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम से संभावित गठबंधन को लेकर बातचीत कर रहे हैं। कबीर ने कहा कि यह गठबंधन राज्य में बीजेपी और टीएमसी दोनों को रोकने के मकसद से किया जा रहा है। यह बयान उन्होंने उस कार्यक्रम के तुरंत बाद दिया, जहां बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मस्जिद निर्माण की नींव रखी गई। यह आयोजन 6 दिसंबर, 1992 को बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी के मौके पर भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुआ। दोपहर में कुरान पाठ के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई और इसके बाद नींव रखी गई।

कबीर का दावा है कि इस मौके पर हजारों लोग मौजूद थे, जिनमें सऊदी अरब से आए दो मौलाना भी शामिल थे। समारोह स्थल पर नारा-ए-तकबीर और अल्लाहु अकबर के नारे गूंजते रहे। इस बीच स्थानीय लोग समूह बनाकर मस्जिद के निर्माण के लिए ईंटें लाते रहे।

टीएमसी से निलंबन के बाद भी कबीर ने कहा कि कार्यक्रम में किसी तरह की रुकावट डालने की साजिश रची गई थी, लेकिन पुलिस और प्रशासन ने पूरा सहयोग दिया। मामला कलकत्ता हाई कोर्ट तक पहुंचा, ▶10पर

आऊवा महिला मंडल की दिसंबर माह की मासिक संगोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आऊवा महिला मंडल की दिसंबर माह की मासिक संगोष्ठी उपाध्यक्ष वसंता रायसोनी के नेतृत्व में निर्मला हेमंतजी चंडालिया के कॉक्स टाउन स्थित निवास पर शनिवार को दोपहर में आरंभ हुई। पीले रंग की साड़ी के आकर्षक ड्रेस कोड में पहुंची सभी बहनों ने नए उत्साह के साथ 2026 का स्वागत कैसे करें इस विषय पर सहभागिता की। उपाध्यक्ष वसंता रायसोनी ने अपने सौम्य स्वभाव और आत्मीयता से सभी सदस्याओं का गर्मजोशी से स्वागत किया।

उन्होंने नए वर्ष की सकारात्मक शुरुआत हेतु संगोष्ठी के महत्व को सुंदर शब्दों में उद्घाटित किया। बिन्दु रायसोनी ने कार्यक्रम का संचालन अत्यंत सहजता, स्पष्टता और उत्साहपूर्ण शैली में निभाया। उनके संतुलित मार्गदर्शन ने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित और प्रभावशाली रूप से आगे बढ़ाया। कार्यक्रम में संतोष रायसोनी ने आध्यात्मिक विषय प्रस्तुत करते हुए कहा कि मनुष्य जन्म अत्यंत दुर्लभ है और यह हमारे अच्छे कुल, अच्छे धर्म तथा कर्म उदय के प्रभाव से प्राप्त होता है।

हमें जीवन को आध्यात्मिक दिशा में अग्रसर करना चाहिए। कितनी ही खाइयां पार कर मनुष्य गति मिली है, इसलिए इसका श्रेष्ठ उपयोग करना अनिवार्य है। आने वाले नए वर्ष की तैयारी अच्छे संकल्पों से होनी चाहिए। दिनचर्या में जप, तप और शुभ भावों की बूंदें भरकर जन्म रूपी कलश को पवित्र करना है। मन, वचन और काया से हमें किसी का भी दिल नहीं दुखाना चाहिए। इसके पश्चात शीतल चोपड़ा ने मैनिफेस्टेशन विषय को सरल और प्रभावी शब्दों में समझाया। उन्होंने कहा कि इसका वास्तविक अर्थ है – किसी विचार, भावना या विश्वास को वास्तविकता में बदलना। व्यक्ति जब अपने विचारों, भावनाओं और सकारात्मक कर्मों को एक दिशा देता है, तो मनचाही स्थिति को वास्तविक रूप में पाया जा सकता है। आराधना चण्डालिया ने ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता करवाई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। अध्यक्ष कांता रायसोनी, मंत्री पिंकी इसरानी ने शुभकामनाएं संप्रेषित की। संगोष्ठी का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ। अंत में निर्मला चण्डालिया ने सभी उपस्थित सदस्याओं का आभार व्यक्त किया। बैठक नए विचारों, सकारात्मक ऊर्जा और वर्ष 2026 के स्वागत की सुंदर तैयारियों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

सीएम के दौरे से प्रेरित होकर पंचायत सदस्य ने एक बुजुर्ग महिला के लिए सिद्धू कुटीर घर बनवाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कृतज्ञता और प्रशंसा से भरा एक नेक काम नाडुपदावु, कोन-ाजे की एक बुजुर्ग महिला के लिए नई उम्मीद लेकर आया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के हाल ही में अपने साधारण घर पर आने की खुशी से प्रभावित होकर, कोनाजे ग्राम पंचायत के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान सदस्य, नजर शाह पट्टोरी ने एक दलित महिला के लिए लंबे समय से रुके हुए घर के निर्माण को पूरा करने की पहल की है और मुख्यमंत्री के सम्मान में उसका नाम सिद्धू कुटीर रखा है। हाल ही में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मेंगलूरु यूनिवर्सिटी कैंपस में आयोजित गुरु-गांधी संवाद शताब्दी कार्यक्रम में भाग लिया था। कार्यक्रम के बाद, वे थोड़ी देर चाय पीने के लिए नाडुपदावु में नजर शाह के घर गए। इस पल को अपने जीवन के सबसे यादगार दिनों में से एक मानते हुए, नजर ने किसी और के जीवन में रोशनी लाने में मदद करके इसे यादगार बनाने का फैसला किया। लाभार्थी, कोनाजे की अंबेडकर कॉलोनी की बागी, वित्तीय दिक्कतों के कारण अपने घर का निर्माण केवल लिंटेल स्तर तक ही पूरा कर पाई थीं। कई महीने बीत गए थे और आधी बनी इमारत

ऐसे ही पड़ी थी। उनका साथ देने का पक्का इरादा करके, नजर ने घर को पूरी तरह से पूरा करने और उसका नाम मुख्यमंत्री के नाम पर रखने की जिम्मेदारी ली है, क्योंकि वे सिद्धरामैया को गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और वंचितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाने वाले नेता के रूप में पहचानते हैं। नजर ने मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान एक भावुक पल को याद किया जब सिद्धारमैया, नजर के दिवंगत दोस्त चंद्र की यादों वाली एक एल्बम देखते हुए, उनके कंधे पर हाथ रखकर कहा यह हमारा कर्तव्य है। इंसानियत जाति या धर्म से बड़ी है। नजर ने कहा कि इस भाव से उन्हें गहरी संतुष्टि मिली। मुख्यमंत्री के दौरे को अपने जीवन का सुनहरा दिन बताते हुए, नजर ने कहा कि एक आम पार्टी कार्यकर्ता के घर में मुख्यमंत्री की उपस्थिति उनकी सादगी और लोगों को प्राथमिकता देने वाले दृष्टिकोण को दर्शाती है। कई लोगों ने सवाल किया कि इतना बड़ा नेता मेरे घर कैसे आया, लेकिन सिद्धारमैया लोगों के मुख्यमंत्री हैं, और आम लोगों से मिलना उनके लिए स्वाभाविक है। नजर ने मुख्यमंत्री के दौरे को संभव बनाने के लिए स्पीकर यू टी खादर को भी श्रेय दिया। अपने दिवंगत दोस्त चंद्र, जो अंबेडकर कॉलोनी के निवासी और एक वफादार पार्टी कार्यकर्ता थे, जिन्होंने चार ग्राम पंचायत चुनावों में उनका साथ दिया था, के बारे में भावुक होकर बात करते हुए, नजर ने कहा कि उन्होंने कैंसर से लड़ाई के दौरान उसे बचाने की पूरी कोशिश की थी। उन्होंने आंसुओं के साथ कहा उन्हें इस पल का गवाह बनने के लिए यहां होना चाहिए था। स्पीकर खादर के निर्देश पर, वह सीएम के दौरे के दौरान चंद्रा की पत्नी और बच्चों को अपने घर लाए थे।

कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने कर्नाटक नेतृत्व के मुद्दे पर चर्चा की, फिर होगी बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार के बीच नेतृत्व को लेकर खींचतान जारी है। खींचतान उन प्रमुख मुद्दों में से एक थे जिन पर कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने शनिवार को कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आधिकारिक आवास पर चर्चा की।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व पार्टी प्रमुख और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और संगठन के प्रभारी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल बंद कमरे में हुई बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा हमने कर्नाटक पर भी चर्चा की, लेकिन उससे कोई नतीजा नहीं निकला। हम फिर से चर्चा करेंगे। कर्नाटक पर एक और चर्चा होगी। उन्होंने इसे वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर एक सामान्य चर्चा बताया। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि शनिवार की बैठक विशेष रूप से पार्टी शासित कर्नाटक में खुले नेतृत्व के झगड़े पर चर्चा करने के लिए थी। 26 नवंबर को खड़गे ने कहा था कि सोनिया जी और राहुल गांधी के साथ मिलकर वे समाधान ढूंढेंगे। कर्नाटक में नेतृत्व की लड़ाई तब बढ़ गई जब कांग्रेस सरकार 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंच गई और उपमुख्यमंत्री के समर्थकों ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और शिवकुमार के बीच सत्ता साझेदारी व्यवस्था के बारे में बात करना शुरू कर दिया। यह स्वीकार करते हुए कि उनके और उनके डिप्टी के बीच नेतृत्व को लेकर खींचतान थी सिद्धरामैया ने शीर्ष नेतृत्व से भ्रम को खत्म करने के लिए कहा। कनकपुरा में अपने निर्वाचन क्षेत्र की यात्रा के दौरान शिवकुमार ने भी मुख्यमंत्री पद पर पांच-छह कांग्रेस सदस्यों के बीच एक गुप्त सौदे के बारे में बात की, लेकिन कहा कि वह इस पर सार्वजनिक रूप से बोलना नहीं चाहते थे। हालांकि, पार्टी आलाकमान के निर्देश पर, दोनों नेताओं के बीच नाश्ते पर दो दौर की बैठकें हो चुकी हैं और तब से दोनों ने इस मुद्दे पर अपनी सार्वजनिक बयानबाजी कम कर दी है।

जबकि सिद्धरामैया खेमे का कहना है कि उन्हें पार्टी के 139 विधायकों में से 112 का समर्थन प्राप्त है, जो लोग शिवकुमार का समर्थन कर रहे हैं उनका कहना है कि सत्ता साझेदारी व्यवस्था का सम्मान नहीं करने से गलत संकेत जाएगा।

बेंगलूरु में पुलिस कर्मियों के लिए मोबाइल स्वच्छता वाहन शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की काम करने की स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए, गृह विभाग ने शुक्रवार को 'हाइजीन ऑन गो' लॉन्च किया। यह बेंगलूरु सिटी पुलिस के लिए अपनी तरह का पहला मोबाइल सैनिटेशन वाहन है। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के साथ वाहनों को हरी झंडी दिखाई। इस पहल का उद्देश्य शहर के सबसे व्यस्त गलियारों में तैनात यातायात पुलिस कर्मियों के लिए सुलभ, सुरक्षित और स्वच्छ स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करना है। गृह विभाग ने इस पहल के तहत 2.06 करोड़ की लागत से तीन

वाहनों की खरीद और संशोधन किया है, जो मार्च 2028 तक 27 महीने तक चलेंगे। वाहन सुबह 8.30 बजे से शाम 7 बजे तक चलेंगे। तीन प्रमुख यातायात भारी मार्गों थनिसंद्रा, अदुगोडी और मैसूरु रोड पर, ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के लिए समय पर और विश्वसनीय पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 91 निर्दिष्ट पड़ाव बिंदुओं को कवर किया गया है। वाहनों में पुरुष और महिला पुलिस अधिकारियों के लिए अलग अलग शौचालय की सुविधा होगी। उनके पास बाहरी सीसीटीवी कवरेज, जीपीएस ट्रैकिंग और सड़क सुरक्षा संदेश देने वाला एक एलईडी डिस्प्ले भी होगा। पुलिस ने कहा कि ड्यूटी के घंटों के दौरान सुरक्षित और पर्याप्त स्वच्छता सुविधाओं तक सीमित पहुंच के परिणामस्वरूप स्वास्थ्य समस्याएं, निर्जलीकरण, मूत्र संक्रमण और असुविधा होती है, जिसे पहल संबोधित करती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मोबाइल स्वच्छता व्यवस्था बहुत फायदेमंद है, खासकर महिलाओं के लिए, क्योंकि महिलाओं की तुलना में पुरुषों के लिए शौचालय अधिक आसानी से सुलभ हैं। एक महिला यातायात पुलिस निरीक्षक ने इस कदम का स्वागत किया और कहा कि वाहन पीक आवर्स के दौरान मददगार होंगे जब शौचालय उन स्थानों से बहुत दूर थे जहां पुलिस अधिकारी तैनात थे। हमारे पास ई अटेंडेंस की एक नई प्रणाली है जिसमें हमें अपने प्रतिनियुक्त स्थान पर ड्यूटी शुरू करने पर ध्यान देना होता है। जब हम प्रतिनियुक्त स्थान से 100 मीटर से आगे बढ़ते हैं, तो सिस्टम आंदोलन को रिकॉर्ड करता है, और जब हम कुछ मिनटों के लिए चले जाते हैं तो उच्च अधिकारी अक्सर हमें डांटते हैं। इसलिए, जब भी शौचालय दूर होते हैं, तो फील्ड कर्मियों, विशेष रूप से महिलाओं को समस्याओं का सामना करना पड़ता है और डांट भी पड़ती है। ये मोबाइल स्वच्छता वाहन ऐसे समय में बहुत उपयोगी होंगे। एक अन्य यातायात पुलिसकर्मी ने कहा कि सैनिटरी पैड निपटान और अन्य सुविधाओं की उपस्थिति से महिला कर्मियों को मासिक धर्म के दौरान काफी मदद मिलेगी।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल का भव्य स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अग्रवाल समाज, अग्रवाल विकास ट्रस्ट एवं फाउंडेशन इंडिया द्वारा रविवार को एक होटल में सांसद बृजमोहन अग्रवाल का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता ने सांसद को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल एवं सचिव सतीश गोयल ने माल्यार्पण

कर सम्मान व्यक्त किया। वहीं फाउंडेशन इंडिया के रतन लाल सिंघल ने शाल ओढ़ाकर सांसद का अभिनंदन किया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न उद्यमी, प्रतिष्ठित नागरिक एवं समाज के सभी प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। समाजजनों ने सांसद से आग्रह किया कि वे समाज एवं उद्यमी वर्ग से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को संसद तक पहुंचाकर उनका समाधान सुनिश्चित करें। अपने संबोधन में बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भारत सरकार देश पहले की नीति पर कार्य कर रही है तथा आने वाले वर्षों में भारत को विकासशील से विकसित राष्ट्र बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने समाज के उद्यमियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित चंद्र प्रकाश रामसिसारिया, अशोक हिस्सारिया, सुभाष गोयल, संजय गुप्ता, विनोद अग्रवाल, प्रभात किशनपुरिया, किशन कुमार अग्रवाल एवं सभी संस्थाओं एवं समाजजनों ने सांसद का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कद आवोला सांवरिया म्हारे देश भजन महोत्सव 14 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्थानीय संस्था श्री श्याम सखा परिवार द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष 14 दिसंबर को लालबाग रोड स्थित श्री गोडवाड जैन भवन सभागार में करने वाले श्याम करवाने वाले श्याम के तत्वावधान में षष्ठम प्रस्तुति 'कद आवोला सांवरिया म्हारे देश' भजन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। संस्था के सदस्य सुभाष राजपुरोहित ने बताया कि इस अवसर पर दोपहर 2.15 बजे बाबा के भव्य दरबार में पूजा अर्चना कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। संकीर्तन में मुंबई के सुप्रसिद्ध भजन प्रवाहक राकेश बावलिया, सिद्धि शर्मा लक्ष्मणगढ़, गिरिराज शर्मा जयपुर के साथ ही बेंगलूरु के स्थानीय कलाकार भागवताचार्य पंडित मुरारी दाधीच, रामसुंदर बगड़िया, श्रेया इन्दोरिया, किशन बगड़िया, श्रुति पुरोहित सहित कई भजन गायक अपनी प्रस्तुति देंगे। श्री श्याम सखा परिवार के सदस्य बिमल सुरोलिया ने बताया कि इस महोत्सव में बाबा श्याम का फुलों से भव्य एवं मनमोहक श्रृंगार कर छप्पन भोग अर्पण किया जाएगा। इस महोत्सव को लेकर श्याम भक्त पिछले कई महीनों से तैयारी में जुटे हुए हैं। संकीर्तन में आने वाले भक्तों के लिए प्रवेश द्वार पर ही पादुका सेवा का काउंटर रहेगा, जहां भक्त अपनी पादुका जमा करा कर सेवा का लाभ ले सकते हैं।

हम गाय का पालन नहीं, गाय हमारा पालन करती है: मुणोत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गौ सेवा गतिविधि कर्नाटक द्वारा बेंगलूरु के मैजेस्टिक स्थित परकाला मठ में पंचगव्य से कैंसर चिकित्सा निशुल्क शिविर का आयोजन किया गया।

15 से भी ज्यादा डॉक्टरों ने सेवा प्रदान की। शिविर में सैकड़ों मरीज लाभान्वित हुए। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने गौ सेवा गतिविधि संगठन के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अपने वक्तव्य में कहा गाय पृथ्वी का पोषण है। गोमूत्र संजीवनी औषधि है। गाय से प्राप्त पंचगव्य से तन मन का शुद्धिकरण होता है। गाय से प्राप्त गोबर से धरती उपजाऊ बनती है। गाय से प्राप्त शुद्ध देसी घी के हवन से वाता-वरण का शुद्धिकरण होता है। हम गाय का पालन नहीं करते, गाय हमारा पालन करती है। गौ सेवा गतिविधि कर्नाटक के प्रमुख प्रवीण एवं उपस्थित जनों ने महेंद्र मुणोत को गौ सेवा के लिए गौ सेवा रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया।

अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विभिन्न गंतव्यों के लिए उड़ानें रद्द होने के कारण यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए रेलवे विशेष ट्रेनों का संचालन करेगी। बेंगलूरु और चेन्नई के बीच संचालित होने वाली ट्रेन नंबर 06257 केएसआर बेंगलूरु - पुराच्ची तलैवर एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस स्पेशल केएसआर बेंगलूरु से 8 दिसंबर को सुबह 08.05 बजे रवाना होगी और दोपहर 2:45 बजे पुराच्ची तलैवर एमजीआर चेन्नई सेंट्रल पहुंचेंगे। उसी दिन ट्रेन नंबर 06258

पुराच्ची तलैवर एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - केएसआर बेंगलूरु एक्सप्रेस स्पेशल (टीओडी) एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से शाम 4.10 बजे रवाना होगी और रात 10:45 बजे केएसआर बेंगलूरु पहुंचेगी। रास्ते में, इन ट्रेनों का दोनों दिशाओं में यशवंतपुर, कृष्णराजपुरम, बंगारपेट, जोल-ारपेट्टै, काटपाडी, अर्णाकोनम, तिरुवल्लूर और पेरंबूर स्टेशनों पर ठहराव होगा।

जीवन में साधना तभी सार्थक होगी जब मन पर हमारा नियंत्रण होगा: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि जीवन में साधना तभी सार्थक होगी जब मन पर हमारा नियंत्रण होगा। मन की चंचलता ही कई बार साधना भंग का कारण बन जाती है। चंचल मन पर नियंत्रण किए बिना हम जीवन का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते है। मन हमे भटकाने का प्रयास करता है लेकिन हमे धर्म आराधना के बल पर मन को नियंत्रित रखना होगा। जीवन का एक छोर जन्म तो दूसरा मृत्यु है। जिस दिन मृत्यु क्या है यह समझ गए उस दिन साधना सार्थक हो जाएगी। सत्य, अहिंसा के मार्ग पर चलकर साधना करेंगे तो जीवन सार्थक होगा। महापुरूष कभी मृत्यु से घबराते नहीं बल्कि उसे गले लगाने को तत्पर रहते है। जो मृत्यु से नहीं घबरा अपने कर्म करते है वह जीवन में सफल होते है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कर्म जब उदय में आते है तब पता चलता है कि हमने वो गलती की थी जिसके फल अब भोगने पड़ रहे है। ऐसे में गलत कर्म करने से हमेशा डरना चाहिए। कर्म उदय में आने पर कोई हमारी रक्षा नहीं कर पाएगा। धर्म हमे पाप कर्म का बंध करने से रोक पुण्यार्जन की तरफ ले जाता है। जिनवाणी श्रवण करने से जीवन के सारे कष्ट मिट जाते है और हमारे पाप कर्म का क्षय होता है। उन्होंने कहा कि हम जो समय मौज-मस्ती व पापकर्म बंध करने में बिता देते है वह यदि धर्म के कार्यों में लगा दे तो हमारे इस भव के साथ आने वाला भव भी सुधर जाए। श्री राज भव्य शीतल चैरिटेबल ट्रस्ट मंडल ने सेवा का लाभ लिया।

रणनीति और तिकड़म को लेकर बंटे विधायकों के बीच सहमति नहीं

विपक्षी दलों के लिए मुख्य हथियार मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच खींचतान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सत्ता साझेदारी के भ्रम को कुछ समय के लिए किनारे रखते हुए कांग्रेस विधान मंडल में विधानसभा सत्र को आम सहमति से निपटाने पर गंभीर चर्चा चल रही है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से सत्ता छीनने की कोशिश उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने लगातार जारी रखा है। सिद्धरामैया और उनका गुट सत्ता बरकरार रखने के लिए तरह तरह की रणनीति अपना रहे हैं। शीतकालीन सत्र ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जहां न देने न देने देने के खेल के बीच समझौता अपरिहार्य हो गया है। विपक्षी दलों के लिए मुख्य हथियार मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच खींचतान है। इसे आधार बनाकर विपक्षी दलों ने गंभीरता से यह दिखाने की कोशिश की है कि राज्य में शासन व्यवस्था ध्वस्त हो गयी है। सत्तारूढ़ दल दावा कर रहा है कि पंचखत्री योजनाओं से राज्य की जनता का कल्याण हुआ है। सत्ता पक्ष के विधायकों ने खुलकर आलोचना

की है कि पंचखत्रियों पर अधिक पैसा खर्च कर विकास कार्यों की अनदेखी की जा रही है। हर बार विपक्षी दल आलोचना करते हैं कि पिछले ढाई साल में कोई विकास नहीं हुआ। शीतकालीन सत्र में भी आलोचना जारी रहेगी। सत्ता बंटवारे के दौरान कांग्रेस विधायक दो गुटों में बंट गए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और डी.के.शिवकुमार ने हाईकमान के निर्देश पर दोपहर के भोजन के दौरान दो बैठकें कीं और एक-दूसरे को भाई भाई कहा। लेकिन रणनीति और तिकड़म को लेकर बंटे विधायकों के बीच सहमति नहीं बन पाई। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने स्पष्ट संदेश दिया है कि विधानसभा की चर्चा में विधायकों के बीच गुटबाजी को लेकर बयान और राय व्यक्त नहीं की जानी चाहिए। सिद्धरामैया ने कहा है कि मैं और उपमुख्यमंत्री नेतृत्व के मामले में हाईकमान द्वारा लिए गए निर्णय से बंधे हैं। बताया जा रहा है कि सिद्धरामैया ने अनुरोध किया है कि विधानसभा या विधान परिषद सत्र के दौरान कोई भी विधायक, मंत्री या प्रमुख नेता इस मुद्दे पर बयान न दें। सूत्रों ने कहा कि डीके शिवकुमार ने भी यही बात दोहराई और अपने समर्थकों को विपक्षी दलों की आलोचना करने के लिए हथियार नहीं देने की सलाह दी और अगर मुख्यमंत्री पद या नेतृत्व परिवर्तन के बारे में कोई चर्चा हुई तो उन्हें नोटिस देने की चेतावनी दी गई है। सत्तारूढ़ दल के विधायकों और मंत्रियों को विधानमंडल में विपक्षी दलों की आलोचना का जवाब देना चाहिए। बीजेपी और जेडीएस के पास आलोचना के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। ऐसे में यह संभव है कि सत्ता वितरण की उलझन एक अहम हथियार में तब्दील हो जायेगी। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने संदेश दिया है कि सत्ताधारी दल के विधायक विवादित बयान देकर जलती आग में घी न डालें। विपक्षी दल इस सत्र में सांप्रदायिकता का मुद्दा उठाकर हंगामा करने की कोशिश करेंगे तो वे चिक्कमगलूरु के सखारायपट्टनम में कांग्रेस कार्यकर्ता गणेश की हत्या का मामला सामने लाकर जवाबी कार्रवाई करने की तैयारी में हैं। गणेश हत्याकांड में बजरंग दल कार्यकर्ता के शामिल होने का आरोप है। इसी को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस विपक्षी दलों की आलोचनाओं का जवाब देने के लिए तैयार है। अगर नाश्ते की पार्टी नहीं हुई होती, अगर डीके शिवकुमार और सिद्धरामैया के बीच पहले की तरह जमकर बहस होती, तो विधानमंडल का स्वरूप ही बदल जाता। लेकिन कांग्रेस स्थिति साफ कर विपक्षी दलों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए कमर कस रही है। कुल मिलाकर यह सत्र रणक्षेत्र में तब्दील हो जायेगा।

प्रियांक खड़गे ने सप्ताह में दो बार उपमुख्यमंत्री शिवकुमार से मिलकर उत्सुकता बढ़ा दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने हाईकमान के प्रतिनिधि के तौर पर हफ्ते में दो बार उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मिलकर उत्सुकता बढ़ा दी है। सत्ता सा-झेदारी को लेकर डी.के. शिवकुमार और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बीच पर्दे के पीछे की लड़ाई अभी भी चल रही है। लेकिन पार्टी के फायदे के चलते दोनों नेता ऊपर से दोस्ताना तरीके से पेश आ रहे हैं। कांग्रेस हाईकमान हर स्तर पर राज्य की राजनीति पर कड़ी नजर रख रहा है। वह दोनों नेताओं के बीच सुलह जारी रखने के इरादे से कई तरह के समझौते के फॉर्मूले बना रहा है। वह समय समय पर प्रियांक खड़गे के जरिए उन्हें सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार तक पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। दोनों नेताओं के बीच लंच के जरिए अस्थाई शांति का ऐलान किया गया है। लेकिन डी.के. शिवकुमार ने जोर दिया है कि उन्हें इस समय के अंदर मुख्यमंत्री का पद छोड़ देना चाहिए। सिद्धारमैया ने जोर दिया है कि वह अपना टर्म पूरा करने के बाद ऐसा करेंगे। इसके लिए दोनों के बीच कई तरह के समझौते किए जा रहे हैं। यह वादा किया गया है कि अगला विधानसभा चुनाव डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में होगा और उनके नेतृत्व में सरकार फिर से बनेगी। हालांकि, डी.के. शिवकुमार ने कहा है कि वह अगले दौर में कांग्रेस पार्टी को जिताने की जिम्मेदारी लेंगे। हालांकि, कहा जा रहा है कि वह इस बात पर अड़े हैं कि उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनाव में जो काम किया है, उसका हिसाब लेंगे। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को मनाने की कोशिशें कामयाब नहीं हुई हैं। हाईकमान जो भी फैसला लेगा, वह उसके लिए तैयार हैं। उन्हें सत्ता में बने रहना चाहिए या नहीं, इस बारे में हाईकमान के नेता ही निर्देश दें। कहा जा रहा है कि सिद्धरामैया इस बात पर अड़े हैं कि वह अपनी मर्जी से कोई फैसला नहीं लेंगे। हाईकमान दोनों नेताओं के विचारों में तालमेल बिठाने और सुचारू प्रशासन जारी रखने की कोशिश कर रहा है। दिल्ली में एआईसीसी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल राज्य के मामलों को संभाल रहे हैं। यह बात कि राज्य कांग्रेस के प्रभारी नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला इस पूरे तमाशे में पर्दे के पीछे हैं, इससे कई शक पैदा हुए हैं।

बेंगलूरु में ही होंगे आईपीएल टूर्नामेंट: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ऐसी संभावना है कि 2026 प्रीमियर लीग आईपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट, जिसे शहर के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ के कारण दूसरे राज्यों में स्थगित कर दिया गया था, बेंगलूरु में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले बीसीसीआई ने कुछ तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए 2026 के आरसीबी मैचों को महाराष्ट्र के पुणेनगर में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव दिया था। इस बात से फैंस काफी नाराज हुए और सोशल मीडिया पर आरसीबी प्रीमियर लीग के मैच बेंगलूरु में कराने की मुहिम शुरू कर दी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने कहा कि अगले महीने मार्च अप्रैल में होने वाले आरसीबी के सभी मैच बेंगलूरु में होंगे। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में संबंधितों से बात करेंगे। शहर में केएससीए चुनाव मतदान के दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं एक क्रिकेट प्रेमी हूं, आरसीबी हमारा गौरव है। हम

किसी भी कारण से आईपीएल को मिस नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यह बेंगलूरु में होगा। बेंगलूरु में जो भी आपदा आई है, हम उस सब से बचेंगे और बेंगलूरु का सम्मान बचाएंगे। हम कानूनी दायरे में ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए स्टेडियम का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा कि वे विकल्प के तौर पर एक और बड़ा स्टेडियम बनाएंगे। साथ ही हम किसी भी आईपीएल को बेंगलूरु से स्थानांतरित नहीं होने देंगे। यह बेंगलूरु का सम्मान है, हम इसे बरकरार रखेंगे। कहा जा रहा है कि टूर्नामेंट के स्थानांतरण का मुख्य कारण इसी साल 4 जून को बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ है। 3 जून की रात आईपीएल ट्रॉफी जीतकर 17 साल का वनवास खत्म हुआ। अगले दिन, चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ में 11 प्रशंसकों की जान चली गई। इस घटना ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ा दीं। कर्नाटक सरकार द्वारा नियुक्त जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा समिति ने चिन्नास्वामी स्टेडियम को बड़े पैमाने के आयोजनों के लिए अनुपयुक्त और असुरक्षित बताया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसलिए, बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग बॉडी आगामी संस्करण में आरसीबी के घरेलू मैदान के सभी मैचों को पुणे में स्थानांतरित करने पर चर्चा कर रहे हैं। लेकिन इस बारे में न तो आईपीएल बोर्ड और न ही बीसीसीआई ने कोई आधिकारिक बयान दिया है।

बेलगावी में शीतकालीन सत्र आज से

सुवर्णसौधा के आसपास कड़ी सुरक्षा, 6 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दिल्ली बम विस्फोट के मद्देनजर सोमवार से शुरू हो रहे बेलगावी शीतकालीन सत्र के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने एक चेतावनी संदेश भेजा है कि दिल्ली में हुए बम विस्फोट से देश सदमे में है और इसी तर्ज पर अन्य राज्यों में भी महत्वपूर्ण केंद्रों पर हमले की आशंका है। ऐसे में राज्य सरकार ने जरूरी एहतियाती कदम उठाये हैं। सुरक्षा के लिए करीब छह हजार पुलिसकर्मी और अधिकारी तैनात किए गए हैं और सुवर्णसौधा के आसपास तीन किलोमीटर के दायरे में कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। बेलगावी शहर के पुलिस आयुक्त भूषण गुलाबराव बोरासे की कमान में 146 वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, 3820 पुलिस कर्मी, 500 होम गार्ड, 8 रैपिड एक्शन फोर्स, 10 डीए आर स्काड, 35 केएसआरपी स्काड, 6 एसपी ग्रेड

आईपीएस अधिकारियों की देखरेख में 1 बम दस्ता, 1 गरुड़ पुलिस, 16 तोड़फोड़ निरीक्षण दल तैनात किया गया है। राज्य कानून व्यवस्था विभाग के एडीजीपी, बेलगावी जोन के आईजीपी निगरानी रखेंगे। बेल-गावी के शीतकालीन सत्र के दौरान विभिन्न संगठन विभिन्न मांगों को पूरा करने के लिए विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं और मक्का और गेहूं की कीमतों में गिरावट ने किसानों को परेशान कर दिया है। हालांकि गन्ना उत्प-ादकों का विरोध अस्थायी रूप से कम हो गया है, लेकिन मांग अभी भी पूरी तरह से पूरी नहीं हुई है। इसलिए बागलकोट और अन्य जिलों के गन्ना उत्पादकों के विरोध प्रदर्शन की संभावना है। हाल ही में नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों ने राज्य सरकार में ढाई लाख रिक्त पदों पर भर्ती के लिए कार्रवाई की मांग को लेकर हुब्बल्ली धारवाड़ में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। इसके चलते बेलगावी में फिर से विरोध प्रदर्शन की आशंका है। आंतरिक आरक्षण पर विवाद अभी भी जीवित हैं, इसलिए कुछ अनुसूचित समुदाय संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन की भी संभावना है। बताया जा रहा है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता और ग्राम पंचायतों के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी वेतन पुनरीक्षण और वेतन भुगतान जैसे मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह भी डर है कि महाराष्ट्र समर्थित संगठन फिर से संघर्ष करेंगे। इस पृष्ठभूमि में बेलगावी में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उत्तर कर्नाटक के हिस्से में विकास की कमी के कारण एक बार फिर अलग राज्य की मांग उठने लगी है। इस पृष्ठभूमि में, बेलगावी सत्र के दौरान कुछ संगठनों द्वारा अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरने की उम्मीद है। संगठनों के विरोध प्रदर्शन एक साथ आने पर आतंकी हमले की आशंका से भी सुरक्षा चुनौती बढ़ गई है। इसलिए, राज्य सरकार ने सभी प्रकार के सुरक्षा उपाय किए हैं और बेंगलूरु सहित विभिन्न जिलों के अधिकारियों और कर्मचारियों को सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है।

सरकार ने स्कूलों को 1 मार्च तक छात्रों का आधार बायोमेट्रिक अपडेट पूरा करने का दिया आदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने स्कूल शिक्षा विभाग को निर्देश दिया है कि अगले साल 1 मार्च तक 5 से 15 साल के स्टूडेंट्स के लिए आधार अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (आधार एमबीयू) पूरा किया जाए। इस निर्देश के तहत, जब कोई बच्चा 5 या 15 साल का हो जाता है, तो उसका सारा बायोमेट्रिक डेटा, जिसमें फोटो, फिंगरप्रिंट और दोनों आइरिस के स्कैन शामिल हैं, फिर से रिकॉर्ड किया जाना चाहिए। इस स्टेज पर डी-डुप्लीकेशन प्रोसेस किया जाता है। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के अनुसार, इसे ओरिजिनल आधार नंबर को बनाए रखते हुए एक नया एनरोलमेंट माना जाता है, और यह मुफ्त में दिया जाता है। सरकार ने बताया कि आधार डेटा अपडेट में देरी से स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने, एग्जाम देने या केंद्र और राज्य के अलग अलग फायदों का लाभ उठाने में दिक्कत हो सकती है। आदेश में कहा गया है यह

जरूरी है कि विभाग और स्कूल यह सुनिश्चित करें कि सभी स्टूडेंट्स तय तारीख तक बायोमेट्रिक अपडेट पूरा कर लें। स्कूलों और कॉलेजों को अपने कैंपस में आधार रिन्यूअल कैंप लगाने के निर्देश दिए गए हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए जिला-स्तरीय समितियां बनाई जाएंगी कि स्टूडेंट्स तय तारीखों पर अपडेट कैंप में शामिल हों। स्कूल शिक्षा आयुक्त को यह जानकारी जिला उप निदेशक, सार्वजनिक शिक्षा को भेजनी होगी, जो शेड्यूल बनाने और तय समय के अंदर अपडेट पूरा करने के लिए जिम्मेदार हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को प्रगति की निगरानी करनी होगी और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए साप्ताहिक लक्ष्य तय करने होंगे।

नशा मुक्त कर्नाटक के लिए विंटेज कार रैली आयोजित

जब तक राज्य नशामुक्त नहीं हो जाता, चैन से नहीं बैठेंगे : परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्य को नशीली दवाओं की लत से मुक्त करने के लिए सरकार और पुलिस ने नशीली दवाओं के विक्रेताओं और उपयोगकर्ताओं के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया है और जब तक लक्ष्य हासिल नहीं हो जाता तब तक आराम नहीं किया जाएगा। वह रविवार को बेंगलूरु सिटी पुलिस और फेडरेशन ऑफ हिस्टोरिक व्हीकल्स ऑफ इंडिया (एफएचवीआई) के सहयोग से पॉल जॉन रिसॉर्ट्स एंड होटल्स द्वारा आयोजित नशा मुक्त कर्नाटक के लिए विंटेज कार रैली जागरूकता अभियान का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। कर्नाटक ही नहीं पूरे विश्व में समाज नशे की लत की ओर जा रहा है। जो लोग नशे का समर्थन करते हैं वे इंसान नहीं हैं। वे लोगों की जिंदगी से खेलते हैं। उनके भविष्य, स्वास्थ्य को नष्ट कर देता है।

उन्होंने कहा इस बात को समझते हुए हमारी सरकार ने कर्नाटक को नशा मुक्त राज्य बनाने की घोषणा की थी। इसका मतलब यह नहीं कि घोषणा होते ही कर्नाटक नशा मुक्त हो गया। हमने इसके खिलाफ जंग शुरू कर दी है। सरकार और पुलिस युद्धरत हैं। नतीजा, पिछले साल से अब तक 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की ड्रग्स जब्त की जा चुकी है। हजारों लोग गिरफ्तार किये गये और कुछ अभी भी जेल में हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो लोग विदेश से शिक्षा के लिए आते हैं वे भी ऐसे बुरे कामों में लिप्त हो जाते हैं। नशे के सौदागर इतने निचले स्तर पर आ गए हैं कि वे स्कूलों में जाकर बच्चों को चॉकलेट के जरिए मुफ्त में नशीला पदार्थ बांट रहे हैं। बच्चों को इसका गुलाम बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। परमेश्वर ने छात्र समुदाय और आईटी स्नातकों सहित युवा समुदाय से नशीली दवाओं के उपयोग से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम में राज्य के पुलिस महानिदेशक डॉ. एम.एस. सलीम, बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह, फेडरेशन ऑफ हिस्टोरिकल व्हीकल्स इंडिया के डॉ. रविप्रकाश, फिल्म अभिनेता मदन पटेल और अन्य उपस्थित थे। विधान सौधा के सामने से, हूटा विंटेज कारों का यह प्रभावशाली जुलूस बिग बरगद वाइनयार्ड और रिजॉर्ट की ओर बढ़ा। हजारों लोग सड़क किनारे खड़े होकर जुलूस देखते रहे।

बेंगलूरु में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए विशेषज्ञ समिति का होगा गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य गारंटी योजना कार्यान्वयन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष दिनेश गुलिगौड़ा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने बेंगलूरु में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई की है और इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाने का निर्देश दिया है। नेशनल गार्डन सिटी और सिलिकॉन सिटी के नाम से मशहूर बेंगलूरु में खतरनाक स्तर तक बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर गू-लीगौड़ा के अनुरोध पर डीसीएम ने प्रतिक्रिया दी है और सरकार के मुख्य सचिव को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। दिनेश गूलीगौड़ा ने डीसीएम को एक पत्र लिखकर इस बात पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी कि भविष्य में बेंगलूरु को भी दिल्ली की तरह गंभीर प्रदूषण संकट का सामना करना पड़ सकता है। पत्र का सकारात्मक जवाब देते हुए शिवकुमार ने मुख्य सचिव के माध्यम से संबंधित विभागों को बेंगलूरु में वायु प्रदूषण के खतरे को रोकने के लिए तत्काल उपाय खोजने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम बनाने का निर्देश दिया। शहर

में 1,23,24,919 पंजीकृत मोटर वाहन हैं। इनसे होने वाले प्रदूषण के कारण बच्चे, बुजुर्ग सांस संबंधी समस्या, एलर्जी, अस्थमा और हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। यह अनुरोध किया गया था कि बेंगलूरु महान-गरीय क्षेत्र के लिए एक व्यापक स्वच्छ वायु कार्य योजना विकसित करने के लिए पर्यावरण वैज्ञानिकों, यातायात विशेषज्ञों, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और संबंधित विभागों के अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति तुरंत गठित की जानी चाहिए। इस पृष्ठभूमि में, उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने राजधानी बेंगलूरु में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति के गठन का निर्देश दिया है।

कश्मीर में गंभीर जलसंकट: बारिश की कमी से झेलम का जल स्तर शून्य से नीचे पहुँचा

सुरेश एस. डुग्गर
जम्मू, 7 दिसम्बर।

कश्मीर की जल प्रणाली इस समय गंभीर तनाव से गुजर रही है, क्योंकि घाटी की नदियां, सहायक नदियां और मीठे पानी के झरने लगातार सिकुड़ते जा रहे हैं। क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली झेलम नदी प्रमुख निगरानी स्टेशनों पर शून्य स्तर से नीचे चली गई है, जबकि सिंचाई, पेयजल और भूजल पुनर्भरण को बनाए रखने वाली धाराओं में भी असामान्य कमी दर्ज की जा रही है।संगम गेज स्टेशन पर झेलम का जलस्तर -0.53 फीट तक गिर गया, जो बेहद उथले प्रवाह का संकेत है। डाउनस्ट्रीम में नदी का स्तर राम मुंशी बाग में 3 फीट और आशाम में 1 फीट के करीब दर्ज किया गया, जो डिस्चार्ज में व्यापक गिरावट को दर्शाता है।

कश्मीर की प्रमुख सहायक नदियां-लिद्दर नाला, रामबियारा नाला, फिरोजपोरा नाला और पोहरू नदी-भी सामान्य स्तर से काफी नीचे बह रही हैं। इसका सीधा असर घाटी के कई इलाकों में पीने और कृषि कार्यों के लिए पानी की उपलब्धता पर पड़ रहा है।स्वतंत्र मौसम विश्लेषक फैज़ान आरिफ़ के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में नवंबर माह में 83 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज की गई। जहां औसत वर्षा 35.2 मिमी होती है, वहीं इस बार केवल 6.1 मिमी बारिश हुई। कश्मीर घाटी के सभी दस जिलों को इस माह 'बहुत कम वर्षा' की श्रेणी में रखा गया।मौसम विभाग ने भी शुष्क मौसम के जारी रहने की संभावना जताई है। आरिफ़ के मुताबिक, आने वाले 10 दिनों में कोई बड़ा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है, हालांकि ऊंचाई वाले इलाकों में छिटपुट बर्फबारी संभव है। पूरे क्षेत्र में कुल मिलाकर मौसम सूखा रहने की आशंका है।इस बीच वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी और इसरो के दीर्घकालिक अध्ययनों में सामने आया है कि हाल के दशकों में 18 प्रतिशत से अधिक हिमालयी ग्लेशियर पीछे हट चुके हैं। कम बर्फबारी और लगातार बारिश की कमी से झरने सूख रहे हैं, और लिद्दर व पोहरू जैसी नदियों को पानी देने वाले जलग्रहण क्षेत्र कमजोर होते जा रहे हैं।स्थिति का प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट दिख रहा है। श्रीनगर के कई क्षेत्रों में नगरपालिका जल आपूर्ति में उल्लेखनीय कटौती की शिकायतें बढ़ी हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि तत्काल संरक्षण उपाय नहीं किए गए, विशेषकर कृत्रिम भूजल पुनर्भरण जैसी तकनीकों को लागू न किया गया, तो कश्मीर को लंबे समय तक सूखे जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इससे पेयजल संकट, कृषि और नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र पर भारी दबाव पड़ेगा।

कश्मीर विश्वविद्यालय के एक पर्यावरण शोधकर्ता का कहना है कि घाटी अभूतपूर्व हाइड्रोलॉजिकल तनाव की ओर बढ़ रही है।

यदि इस वर्ष भी पर्याप्त शीतकालीन बर्फबारी नहीं हुई, तो कश्मीर को पिछले दशक की तुलना में कहीं अधिक गंभीर जल संकट झेलना पड़ सकता है।

एडवेंचर टूरिज्म सम्मेलन के लिए तैयार है कश्मीर

जम्मू, 7 दिसम्बर (ब्यूरो)।

जम्मू-कश्मीर भारत के साहसिक पर्यटन कार्यक्रम, अर्थात एडवेंचर टूरिज्म प्रोग्राम, के लिए पूरी तरह तैयार है क्योंकि यह 17 से 20 दिसंबर 2025 तक 17वें वार्षिक एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एटीओएआई) सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है। श्रीनगर की खूबसूरत शीतकालीन पृष्ठभूमि में आयोजित होने वाला यह हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम सुरक्षा, स्थिरता और सामुदायिक सशक्तिकरण पर विशेष जोर के साथ देश भर में जिम्मेदार यात्रा के भविष्य को दिशा देने का प्रयास करेगा।एक ऐसे प्रदेश के लिए जिसने वर्षों तक अनिश्चितता और चुनौतियों का सामना किया है, इस सम्मेलन की मेजबानी का विशेष प्रतीकात्मक महत्व है। अपनी विश्वस्तरीय साहसिक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध जम्मू-कश्मीर का पर्यटन उद्योग लगातार गति पकड़ रहा है। यहां सम्मेलन आयोजित होने का निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि कश्मीर एक प्रमुख साहसिक पर्यटन हॉटस्पॉट के रूप में पुनर्जीवित हो रहा है और पर्यटकों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।चार दिवसीय इस कार्यक्रम में शीर्ष विशेषज्ञ, पर्यटन संचालक, नीति निर्माता और पर्यावरण संरक्षक एकजुट होंगे। मुख्य भाषणों, पैनल चर्चाओं और गहन कार्यशालाओं के माध्यम से यह चर्चा होगी कि कैसे देश में साहसिक यात्रा को और अधिक रोमांचक, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाया जा सकता है। प्रतिभागी सुरक्षा मानकों को मजबूत करने, स्थिरता के मॉडलों को अपनाने और उद्योग की तेजी से बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप व्यापक ढांचे तैयार करने पर विचार-विमर्श करेंगे।

सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण पहलगाम का प्रत्यक्ष दौरा होगा, जहां प्रतिनिधि स्थानीय समुदायों के साथ संवाद करेंगे, पर्यावरण-संवेदनशील पर्यटन पहलों का अवलोकन करेंगे और उन प्राकृतिक सुंदरियों को करीब से महसूस करेंगे, जो दशकों से पर्यटकों को कश्मीर की ओर खींचती रही हैं। बर्फ से ढकी पर्वत-श्रृंखलाएं, राफ्टिंग और शीतकालीन खेलों के लिए उपयुक्त नदियां और शांत घाटियां-यह सब कश्मीर को एक बेजोड़ साहसिक गंतव्य बनाते हैं।ट्रैकिंग, स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, माउंटेन बाइकिंग-इन सभी के लिए जम्मू-कश्मीर ऐसे अनुभव प्रदान करता है, जो रोमांचकारी भी हैं और प्रकृति से गहरे जुड़े भी।महत्वपूर्ण यह भी है कि सम्मेलन का उद्देश्य कश्मीर की समृद्ध साहसिक पर्यटन विरासत को पुनर्जीवित करना और उसका उत्सव मनाना है। एक समय भारत के आउटडोर ट्रैवल सेक्टर का मुकुट रत्न माना जाने वाला यह क्षेत्र अब लचीलेपन, सुरक्षा और पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर जोर देकर अपने पुराने गौरव को पुनः प्राप्त करने को तैयार है। उद्योग जगत के नेताओं को उम्मीद है कि यह आयोजन ऐसे स्थायी सहयोग उत्पन्न करेगा, जो स्थानीय संचालकों को सशक्त बनाएंगे, रोजगार को बढ़ावा देंगे और घाटी की नाजुक पारिस्थितिकी को संरक्षित रखने वाले जिम्मेदार पर्यटन की राह को मजबूत करेंगे।

दिसंबर के पहले सप्ताह एफपीआई ने निकाले 12,055 करोड़

मुंबई, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने दिसंबर के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से 12,055 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की।

इससे पहले नवंबर में एफपीआई ने बाजार में 4,113 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।

दिसंबर में अबतक इक्विटी में एफपीआई ने 11,820 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। इसके अलावा, उन्होंने 531 करोड़ रुपये के डेट बेचे हैं। वहीं, म्यूचुअल फंड में उन्होंने 272 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है।

जिओजीत इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने बताया कि दिसंबर के पहले सप्ताह में सभी पांच दिन विदेशी संस्थागत निवेशक बिकवाल रहे। हालांकि उनकी बिक्री बाजार पर प्रभाव नहीं छोड़ पायी क्योंकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 19,783 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी है।

उन्होंने बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशक डॉलर के मुकाबले रुपये में तेज गिरावट के कारण बिकवाली कर रहे हैं जो सामान्य बात है। वहीं, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मजबूत आंकड़ों से उत्साहित घरेलू निवेशक लिवाली कर रहे हैं।

श्री विजयकुमार ने कहा कि आने वाले समय में बाजार में तेज उतार-चढ़ाव देखा जा सकता है।मौजूदा कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार से 57,306 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। इस दौरान उन्होंने 1,49,313 करोड़ रुपये की इक्विटी की शुद्ध बिकवाली की है। वहीं, डेट और म्यूचुअल फंड में उनका निवेश सकारात्मक रहा है।

सोनिया गांधी पर संबित पात्रा का तंज, झूठे आरोप लगाकर भाजपा को कर रही बदनाम

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने रविवार को एक वीडियो संदेश जारी कर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग झूठे आरोप लगाकर भाजपा को बदनाम करना चाह रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, कुछ दिन पहले, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने कहा था कि भाजपा पंडित जवाहरलाल नेहरू की विरासत को मिटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने भाजपा पर नेहरू को बदनाम करने और लोगों की याद से उनका नाम मिटाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। हालांकि, नेहरू की तथाकथित विरासत को बचाने की कोशिश में, कांग्रेस ने खुद पार्टी के अंदर और बाहर के कई दूसरे महान नेताओं के योगदान को नजरअंदाज किया है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए, कांग्रेस ने सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत को हाशिये पर डाल दिया। अगर देश के पहले प्रधानमंत्री के चुनाव के दौरान कांग्रेस ने अंदरूनी लोकतंत्र का पालन किया गया होता, तो नेहरू की विरासत शायद इतनी हावी नहीं होती।

संबित पात्रा ने कहा कि सोनिया गांधी ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भाजपा नेहरू की परंपरा को मिटाना चाहती है। मैं सोनिया गांधी से ससम्मान कहना चाहूंगा कि केवल ने नेहरू की स्मृति और नेहरू की तथाकथित परंपरा को जीवित रखने के लिए कांग्रेस पार्टी ने न जाने कितने महानुभावों की परंपरा को समाप्त किया है।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार सुभाष चंद्र बोस की उपेक्षा की गई और उन्हें कम करके आंकने की कोशिश की गई। बाबा साहेब अंबेडकर, जिन्होंने संविधान रचा और जो संविधान मसौदा कमेटी के अध्यक्ष रहे, उनके प्रति पंडित नेहरू का जैसा व्यवहार रहा, वह जनता जनार्दन जानती है और मैं धन्यवाद दूंगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिन्होंने भारत के सदन में यह मौका दिया। जब संसद में संविधान पर चर्चा हो रही थी, तब हमें मालूम पड़ा कि अंबेडकर और नेहरू के बीच क्या पत्राचार हुए थे और उनमें नेहरू ने अंबेडकर के बारे में क्या कहा था, यह देश के सामने आया।भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने आगे कहा, सोनिया गांधी ने कहा था कि भाजपा इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश कर रही है। मैं कहूंगा कि भाजपा इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश नहीं कर रही है, बल्कि इतिहास को सुधार रही है और उन लोगों को उनका हक दे रही है, जिन्होंने सच में इस देश की आजादी और देश के अलग-अलग पहलुओं में योगदान दिया है।उन्होंने कहा कि मैं धन्यवाद देना चाहूंगा भाजपा की सरकार को और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को, जिन्होंने नेहरू-गांधी परिवार की वंशवादी राजनीति के कारण पीछे रह गए लोगों को आगे लाने प्रयास हमेशा किया।

अमित शाह ने पीएमएवाई के तहत बने ईडब्ल्यूएस घरों का किया उद्घाटन

गांधीनगर, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत बने 800 से ज्यादा नए ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) घरों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने गरीबों को मुफ्त घर देने के मोदी सरकार के वादे को दोहराया, ताकि सभी को सम्मानजनक और इज्जतदार जिंदगी मिल सके। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अहमदाबाद के थलतेज वार्ड में बने 861 नए ईडब्ल्यूएस घरों के उद्घाटन की तस्वीरें भी शेयर कीं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से मोदी सरकार गरीबों को मुफ्त आवास देकर उन्हें गौरवपूर्ण जीवन देने का काम कर रही है। इसी दिशा में आज अहमदाबाद के थलतेज वार्ड में पीएम आवास योजना के तहत बने 861 नवनिर्मित ईडब्ल्यूएस आवासों का उद्घाटन किया। अहमदाबाद नगर निगम द्वारा निर्मित ये अत्याधुनिक और सुविधा-संपन्न आवास क्षेत्रवासियों के सुगम और सुरक्षित भविष्य के मजबूत आधार बनेंगे।

इस मौके पर कुछ लाभार्थियों ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए अपनी खुशी साझा की।

निखिलेश बेन ने कहा, सरकार ने अच्छे घर और फ्लैट बनाए हैं। इससे हमें समाज में सम्मान मिला है। हमें घर गिफ्ट करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का दिल से शुक्रिया।रंजीत ने केंद्र सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा, हमें झुग्गी से बाहर निकाल दिया गया है। सरकार की कोशिशों की वजह से मुझे अपने सपनों का घर मिल गया है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरे घर पर पक्की छत होगी, लेकिन यह मुमकिन हो गया है। आंगनवाड़ी, आयुष्मान भवन और बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कूल जैसी सभी बेसिक सुविधाएं यहां मौजूद हैं।लाभार्थी शंभू भाई ने कहा कि वह पहले एक झुग्गी में रहते थे, लेकिन अब उनके पास एक सुरक्षित और अच्छी सुविधाओं वाला घर है। उन्होंने कहा कि सरकार का काम सच में तारीफ के काबिल है। घर के अंदर सभी सुविधाएं दी गई हैं, जिसके लिए हम बहुत शुक्रगुजार हैं।नानाजी देसाई ने कहा कि लगभग 25 साल की कड़ी मेहनत के बाद, आखिरकार हमारे पास हमारे घर हैं। घर बहुत अच्छे से बने हैं। हम इसके लिए सरकार के शुक्रगुजार हैं।

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर आज सुनवाई

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की याचिका पर फिर से सुनवाई करेगा। इस याचिका में लेह के क्लाइमेट एक्टिविस्ट की हिरासत को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर पब्लिश कॉजलिस्ट के अनुसार, जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच 8 दिसंबर को मामले की सुनवाई करेगी। पिछली सुनवाई में केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पिटीशनर की ओर से हाल ही में फाइल किए गए जवाब का जवाब देने के लिए और समय मांगा था।न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की बेंच ने उनकी बात को मानते हुए केस को आगे के लिए टाल दिया था। इस मामले की अगली सुनवाई अब 8 दिसंबर को होगी।कोर्ट ने पहले अंगमो को अपनी पिटीशन में बदलाव करने की इजाजत दी थी, जिसमें वांगचुक की हिरासत को 'गैर-कानूनी' और 'उनके फंडामेंटल राइट्स का उल्लंघन करने वाली एक मनमानी कार्रवाई' बताया गया था और केंद्र, यूटी एडमिनिस्ट्रेशन और जेल अथॉरिटीज को अपने एडिशनल जवाब फाइल करने का निर्देश दिया था।29 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ता को एक हफ्ते के अंदर याचिका में संशोधन करके नई याचिका दाखिल करने की इजाजत है। इसके बाद सरकार को 10 दिन में नया जवाब (काउंटर) दाखिल करना होगा। उसके बाद अगर जवाब में कुछ और कहना हो तो एक हफ्ते में जवाब दाखिल किया जा सकता है। केस अब 24 नवंबर को सुनवाई के लिए लगेगा।अपनी नई पिटीशन में अंगमो ने कहा है कि डिटेंशन ऑर्डर बिना सोचे-समझे पास कर दिया गया था और एनएसए के तहत जरूरी प्रोसीजरल सेफगार्ड्स का पालन नहीं किया गया था। उन्होंने यह भी कहा है कि अधिकारियों ने जल्दबाजी में काम किया है, समय पर और सही तरीके से डिटेंशन के सही कारण नहीं बताए, जिससे वांगचुक को अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला।लद्दाख एडमिनिस्ट्रेशन ने अपने पहले के एफिडेविट में कहा था कि लेह में अशांति भड़काने में वांगचुक की कथित भूमिका को देखते हुए हिरासत सही थी।बता दें कि जाने-माने एनवायरनमेंटलिस्ट और एजुकेशन रिफॉर्मर वांगचुक को सितंबर में हिरासत में लिया गया था और बाद में राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल में शिफ्ट कर दिया गया था।

पीएम मोदी ने पुतिन को भेंट की कश्मीरी केसर, लोग बोले- जम्मू-कश्मीर के किसानों की उम्मीदें बढ़ी

अनंतनाग, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक दर्शाने वाले विशेष तोहफे भेंट किए। इन उपहारों में कश्मीर का मशहूर केसर और भगवद्गीता का रूसी संस्करण शामिल रहा। यह उपहार न केवल भारत की कला, आध्यात्मिकता और परंपरा को दर्शाते हैं बल्कि दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को और सुदृढ़ करते हैं। कश्मीर के बुरहान दीन ने आईएएनएस से बातचीत में इस कदम पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को कश्मीरी केसर उपहार में दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को जम्मू-कश्मीर के लोगों से विशेष लगाव है। वह चाहें तो कोई कीमती वस्तु भेंट कर सकते थे, लेकिन उन्होंने कश्मीर की पहचान केसर को चुना। यह हमारे लिए सम्मान की बात है। मैं किसानों से अपील करता हूं कि वे केसर की पैदावार बढ़ाएं, क्योंकि अब यह दुनिया के शीर्ष नेताओं तक पहुंच चुका है।

सामाजिक कार्यकर्ता सईद अख्तर हुसैन ने कहा कि कश्मीर की हर वस्तु अनमोल है और उसी अनमोलता का प्रतीक यहां का केसर है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कश्मीरी केसर को विश्व पटल पर और प्रख्यात कर दिया है। यदि किसान इसकी खेती को बढ़ावा दें तो यह वैश्विक स्तर पर और बड़ी पहचान बना सकता है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और बेरोजगारी कम होगी। जम्मू-कश्मीर में केसर की सबसे अधिक पैदावार होती है और प्रधानमंत्री द्वारा इसका चयन करना हमारे लिए गर्व की बात है।

कश्मीर घूमने आए पर्यटकों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया। एक पर्यटक ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा पुतिन को कश्मीरी केसर भेंट करने से हमारी जिज्ञासा और बढ़ गई है। हम यहां का असली केसर खरीदकर अपने साथ ले जाना चाहते हैं। यहां के किसान मेहनती हैं और केसर की खेती को बढ़ावा देना चाहिए। कश्मीर बेहद खूबसूरत है और यहां के लोग भी बहुत अच्छे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप का नया बवाल: वीजा को लेकर बनाया नया नियम

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने वीजा नियमों में बड़ा और विवादित बदलाव किया है। नए आदेश के अनुसार फैक्ट-चेकिंग, कंटेंट मॉडरेशन, ऑनलाइन सेफ्टी, ट्रस्ट एंड सेफ्टी और कंप्लायंस जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले व्यक्तियों को अब अमेरिका में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यह निर्देश स्टेट डिपार्टमेंट द्वारा जारी एक आंतरिक मेमो के जरिए लागू किया गया है, जिसकी जानकारी रॉयटर्स ने दी है। माना जा रहा है कि इस फैसले का सबसे बड़ा असर टेक सेक्टर के कर्मचारियों, खासकर भारत जैसे देशों से आवेदन करने वालों पर पड़ेगा।

नए नियमों के तहत वीजा अधिकारियों को अब आवेदकों के- पेशेवर बैकग्राउंड, नौकरी की जिम्मेदारियां,

लिंक्डइन प्रोफाइल, सोशल मीडिया गतिविधियों की गहन जांच करनी होगी।

यदि किसी आवेदक का काम ऐसे क्षेत्रों से जुड़ा पाया जाता है जिसे ट्रंप प्रशासन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक या सेंसरशिप मानता है, तो उसका वीजा अस्वीकार कर दिया जाएगा।

हालांकि यह नीति लगभग सभी वीजा कैटेगरी पर लागू होगी-पत्रकार, पर्यटक, कार्य वीजा आदि-लेकिन इसका सबसे बड़ा असर क-1इ वीजा पर पड़ने की संभावना है।

यह वीजा मुख्य रूप से टेक कंपनियों में कार्यरत

इंजीनियरों, एनालिस्ट्स और डिजिटल रोल्स में काम करने वालों को मिलता है, जिनमें भारतीयों की संख्या सबसे अधिक रहती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस नीति का प्रभाव उन पेशेवरों पर भी पड़ेगा जो- ऑनलाइन बच्चों की सुरक्षा,

साइबर बुलिंग रोकने, हेट स्पीच की मॉनिटरिंग, इंटरनेट पर यौन अपराध रोकने जैसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्रों में काम करते हैं।

कई देशों में सरकारें ऑनलाइन सुरक्षा कानून लागू कर रही हैं, जिनमें यह काम सेंसरशिप नहीं बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए होता है। अब ऐसे विशेषज्ञों को अमेरिका यात्रा में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

ट्रंप प्रशासन का दावा है कि यह कदम अमेरिकी नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए उठाया गया है।

स्टेट डिपार्टमेंट के प्रवक्ता ने कहा कि सरकार ऐसे विदेशी प्रोफेशनल्स का स्वागत नहीं करेगी,

जो अमेरिका आकर सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नागरिकों की आवाज दबाने का काम करें। उनके अनुसार, इस तरह का कार्य अमेरिकी समाज के लिए हानिकारक होगा।

टेक कंपनियों की ट्रस्ट एंड सेफ्टी टीमों से जुड़े विशेषज्ञों में इस नियम को लेकर गहरी चिंता है।

विशेषज्ञ ऐलिस गॉगन हंसबर्गर ने कहा कि ट्रस्ट एंड सेफ्टी का काम लोगों की सुरक्षा करना होता है।

इसे सेंसरशिप कहना तथ्यात्मक रूप से गलत है।

उन्होंने बताया कि यह टीम- बच्चों को ऑनलाइन यौन शोषण से बचाने, धोखाधड़ी रोकने, स्कैम व ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग रोकने जैसे अत्यंत जरूरी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस साल ट्रंप प्रशासन ने कई पत्रकारों के वीजा भी रद्द या नवीनीकरण से इनकार किया था। इसके अलावा-सरकारी वेबसाइटों से क्लाइमेट चेंज से जुड़ी जानकारी हटाई गई, कई प्रेस ब्रीफिंग में पत्रकारों की एंट्री रोकी गई, कुछ मीडिया संस्थानों पर कानूनी कार्रवाई भी की गई। यानी ट्रंप प्रशासन की यह नई नीति उसी विवादित क्रम का अगला कदम मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर फ्लैग पिन और स्मारिका का किया विमोचन

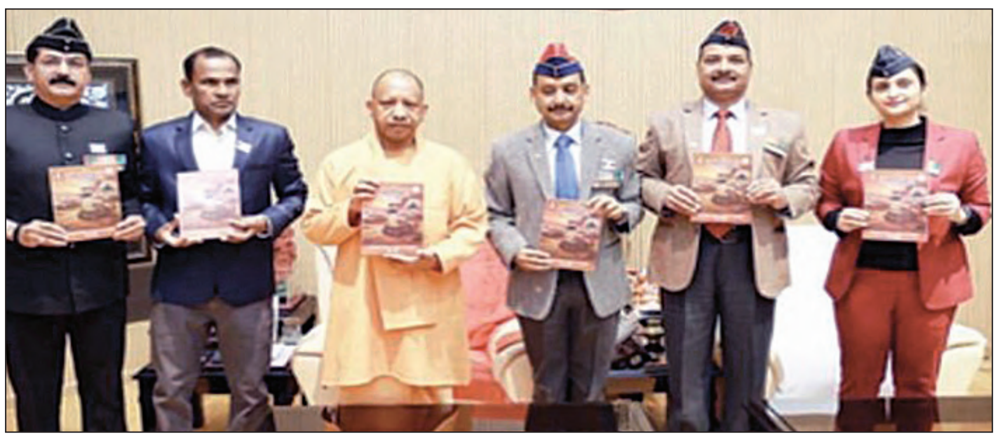

लखनऊ,07 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के मौके पर अपने सरकारी आवास 5-कालिदास मार्ग, लखनऊ उत्तर प्रदेश पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'फ्लैग पिन' और 'स्मारिका' (स्मृति चिन्ह) का विमोचन किया। उन्होंने कहा, यह दिवस देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए वीर जवानों को नमन करने और उनके परिवारों के कल्याण तथा सम्मान के प्रति पूरे राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दोहराने का प्रतीक है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमें अपने सैनिकों और उनके आश्रितों के प्रति हमेशा आभारी रहना चाहिए और उनके सहयोग के लिए योगदान देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, देश के सशस्त्र बलों के वीर जवानों एवं उनके परिजनों को 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम से अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए देश की एकता, अखंडता और सीमाओं की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले सशस्त्र बलों के सभी सैनिकों को नमन। जय हिंद!

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मां भारती की रक्षा हेतु सतत समर्पित भारतीय सेना के वीर जवानों को सशस्त्र सेना झंडा दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! देश की रक्षा में सदैव तत्पर हमारे सशस्त्र बलों के वीर जवानों का साहस, अनुशासन और समर्पण वंदनीय है। मैं प्रत्येक सैनिक को उनके पराक्रम एवं कर्तव्यनिष्ठा के लिए हृदय से नमन करता हूं।

उत्तर प्रदेश सरकार में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, मातृभूमि की सुरक्षा में सतत समर्पित हमारे सशस्त्र बलों के जांबाज जवानों और उनके परिजनों को सशस्त्र सेना झंडा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं व उनके वीरता, साहस, शौर्य व बलिदान को कोटि कोटि नमन। जय हिंद!

भारत 1949 से 7 दिसंबर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मना रहा है ताकि उन शहीदों और सैनिकों को सम्मानित किया जा सके जिन्होंने देश के सम्मान की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ाई लड़ी और लड़ रहे हैं।

यह दिन राष्ट्रीय एकजुटता व्यक्त करने और दान के माध्यम से युद्ध में विकलांग सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए धन जुटाने के लिए मनाया जाता है।

सीबीआई ने ग्रामीण बैंक के ब्रांच मैनेजर समेत दो को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

आजमगढ़,07 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तर प्रदेश में रिश्वतखोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों की गिरफ्तारी की है। जांच एजेंसी ने ग्रामीण बैंक की दुर्वासा शाखा (जिला आजमगढ़) के ब्रांच मैनेजर और एक कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। रिश्वत लेने के दोनों आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई की लखनऊ इकाई को शिकायत मिली थी कि दुर्वासा ब्रांच के ब्रांच मैनेजर ने एक किसान से 2 लाख 52 हजार रुपए के किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) लोन पास करने के बदले 10 प्रतिशत यानी 25 हजार रुपए रिश्वत की मांग की है। बातचीत के बाद रकम 20 हजार रुपए तय हुई। किसान ने इसकी शिकायत सीबीआई से की। शिकायत की पुष्टि होने पर सीबीआई ने 5 दिसंबर 2025 को ब्रांच मैनेजर और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया। अगले ही दिन 6 दिसंबर को सीबीआई की टीम ने सावधानीपूर्वक जाल बिछाया। तय समय पर जब शिकायतकर्ता किसान ब्रांच मैनेजर को 20 हजार रुपए की रिश्वत सौंप रहा था तो सीबीआई ने छापा मारकर दोनों को मौके पर धर दबोचा।

गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों के ठिकानों पर सीबीआई ने छापेमारी की। महत्वपूर्ण दस्तावेज और अन्य साक्ष्य जब्त किए गए हैं। एजेंसी का कहना है कि जांच के दौरान यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या ये आरोपी पहले भी इसी तरह किसानों और ग्राहकों से रिश्वत लेते रहे हैं। बैंक के अन्य कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है।

सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बैंकों में आम जनता विशेषकर किसानों को लोन के नाम पर इस तरह की रिश्वतखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। जल्द ही आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

ग्राम चौपालो में हो रहा ग्रामीणों की समस्याओ का समाधान : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ,07 दिसंबर (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल, गांव की समस्या -गांव में समाधान का आयोजन किया जा रहा है,और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।डबल इन्जन सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है।

ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है।चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जा रहा है।व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है।उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश की 1291 ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 2818 प्रकरणो का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया।इन ग्राम चौपालों मे 2989ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 5336ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और इन चौपालों में 59हजार से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की।प्राप्त जानकारी के अनुसार शुरू से अब तक 1 लाख 74हजार से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है। 5 लाख 87हजार से अधिक समस्याओं, प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

गरीबी-बेरोजगारी से मुक्ति का रास्ता संविधान से ही : मायावती

लखनऊ,07 दिसंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि दिन-प्रतिदिन की परेशानियां-दिक्कतें हैं, उससे पूरा देश चिंतित है, जिसका समाधान, बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान को आमजन के हित में सही से लागू करके ही तलाशा जाना बेहतर होगा। बसपा मुखिया मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि देश के करोड़ों ग़रीबों, दलितों, शोषितों-पीड़ितों आदि इन 'बहुजन समाज' के मसीहा बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को, कल दिनांक 6 दिसम्बर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस (देहांत) पर, बी.एस.पी. के बैनर तले उनके अपार समर्थकों व अनुयायियों ने अम्बेडकर को शत्-शत् नमन् तथा श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के लिए तहेदिल से शुक्रिया एवं आभार। उन्होंने कहा कि विशेषकर लखनऊ के 'डा. भीमराव अम्बेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल' एवं यूपी-दिल्ली सीमा पर गौतम बुद्ध नगर ज़िला में नोएडा के 'राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल एवं ग्रीन गार्डेन' में बड़ी भारी संख्या में एकत्र होकर तथा देश के अन्य राज्यों में भी ज़ोन-

स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया। इसके लिए सभी लोगों का व खासकर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली के छोटे-बड़े सभी पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं आदि की मेरी व पार्टी की ओर से भी जितनी सराहना की जाए वह कम है।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसे मौके पर जब देश भर में व्याप्त गरीबी, बेरोजगारी आदि की विकराल समस्याओं के साथ-साथ ख़ासकर एयरलाइन्स संचालन को लेकर देश भर में व्याप्त अफरातफरी, दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या, विश्व बाजार में रुपये की गिरती कीमत आदि को लेकर देश के जो वर्तमान हालात हैं व लोगों की जो दिन-प्रतिदिन की परेशानियां-दिक्कतें हैं उससे पूरा देश चिंतित है, जिसका समाधान बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान को आमजन के हित में सही से लागू करके ही तलाशा जाना बेहतर होगा।

उन्होंने कहा कि सरकारों को व्यावसायिक दृष्टिकोण त्यागकर विशुद्ध जनहित व जनकल्याण की ईमानदार नीयत से नीति, कानून एवं कार्यक्रम आदि बनाने होंगे, तभी समस्याओं से छुटकारा तथा देश व जनहित संभव है। बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने व्यापक देश व जनहित को मद्देनजर रखकर ही आजीवन कड़ा संघर्ष करते रहे और अंततः देश के करोड़ों बहुजनों के हित, कल्याण एवं उत्थान हेतु यहां संविधान में अनेकों अधिकार देकर कानून बनवाये, जिन पर सही से अमल बहुत जरूरी है।

सड़क परिवहन ढांचे का किया जा रहा है आधुनिकीकरण, कई योजनाओं को मिली स्वीकृति

लखनऊ,07 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने सड़क सुरक्षा, आधुनिक परिवहन ढांचे और तकनीकी सुदृढ़ीकरण को गति देने के लिए कई जरूरी कदम उठाए हैं। यूपी परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए की कई महत्त्वपूर्ण पूंजीगत एवं राजस्व योजनाओं के प्रस्ताव को मुख्य सचिव की बैठक में स्वीकृति मिली है। इन योजनाओं के तहत अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट डिवाइसेस, सीसीटीवी नेटवर्क का विस्तार, बीटीटीई इकाइयों के लिए उपकरण, के-इन-मोशन सेंसर, इंटरसेप्टर वाहनों की खरीद और यातायात जागरूकता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया गया है। यूपी परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय की ओर से सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से वर्ष 2025-26 के लिए मुख्य सचिव की बैठक में जरूरी प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत राजधानी, लखनऊ के प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना के लिए 4.96 करोड़ रुपये की राशि को स्वीकृति दी गई है। साथ ही मुरादाबाद और बलिया जनपद में प्रमुख चौराहों पर इंटीग्रेटेड सीसीटीवी इंस्टालेशन के लिए लगभग 3.10 करोड़ रुपए की राशि को स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही बीटीटीई ईकाइयों के लिए ट्रक सिमुलेटर और अन्य तकनीकी उपकरणों की खरीद के लिए 1.28 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा बीटीटीई हांसी इकाई के लिए वाहन खरीद को

भी मंजूरी मिली है।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में सड़क दुर्घटना में कमी लाने के उद्देश्य से राज्य के 25 हाई-रिस्क वाले जिलों में डीआरएससी के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट डिवाइस लगाने की योजना तेजगति से आगे बढ़ाई जा रही है। परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय की ओर से हाई-रिस्क वाले जिलों में 1करोड़ प्रति जनपद की दर से 25 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। साथ ही शेष जनपदों के लिए 50 लाख रुपए प्रति जिले की दर से अतिरिक्त 25 करोड़ रुपये की राशि को भी मंजूरी दी गई है।

समीक्षा बैठक में परिवहन विभाग के संबंधित अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2024-25 में इंटरसेप्टर वाहनों एवं अन्य उपकरणों के लिए 19.95 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से लगभग 17.15 करोड़ रुपए से 70 इंटरसेप्टर वाहनों की खरीद की जा चुकी है। साथ ही उन्होंने बताया कि 18 के-इन-मोशन सेंसरों के लिए 14.05 करोड़ रुपए स्वीकृत किए जा चुके हैं। विभाग ने सेंसरों को अधिक प्रभावी बनाने हेतु प्लेटफार्म और अतिरिक्त संरचना निर्माण के लिए भी नए प्रस्ताव भेजे हैं।

प्रदेश में सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए यातायात नियमों के प्रचार-प्रसार, ई-चालान प्रणाली, साइनेज बोर्ड, इंटरनेट सेवाएं, उपकरणों की मरम्मत, मोबाइल रिचार्ज और अभियानों के संचालन के लिए 2.10 करोड़ से अधिक की राजस्व योजनओं को मंजूरी मिली है। इसके साथ ही यातायात निदेशालय द्वारा 25 करोड़ रुपये की लागत से 4,500 आयरन बैरियर, 4,525 फोल्डिंग बैरियर, 7,200 सेफ्टी हेलमेट, 8,000 फ्लोरोसेन्ट जैकेट, 270 ब्रेथ एनालाइजर, 85 स्पीड लेजर गन, 15 चार-पहिया एवं 62 दो-पहिया इंटरसेप्टर वाहनों की खरीद भी की जाएगी।

इसमें सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने वाले अन्य जरूरी आधुनिक उपकरणों की खरीद भी शामिल हैं। यूपी परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय प्रदेश में सड़क सुरक्षा में आधुनिक तकनीक का उपयोग और यातायात प्रबंधन को अत्याधुनिक बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जो प्रदेश में सड़क दुर्घटना के मामलों में उल्लेखनीय कमी लाने के साथ, लोगों को सुरक्षित परिवहन की सुविधा भी उपलब्ध करवाएगा।

मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले में लाभान्वित हुए 194219 रोगी

लखनऊ,07 दिसंबर (एजेंसियां)। स्वास्थ्य सुविधायें एवं सेवायें जनसामान्य, विशेषकर समाज के अन्तिम पायदान पर स्थित लोगों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा 2 फरवरी 2020 से शुभारम्भ किये गये मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले के 230 वां मेला आज पूरे प्रदेश में आयोजित किया गया। मेलों के प्रारम्भ से ही स्वास्थ्य सुविधाओं यथा जाँच-उपचार, गोल्डेन कार्ड के वितरण के साथ स्वास्थ्य योजनाओं की उपलब्धता के कारण मेला लोकप्रिय है।आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में आगन्तुकों, रोगियों को स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराने के अतिरिक्त व्यक्तिगत व पर्यावरणीय स्वच्छता की स्वास्थ्य के सन्दर्भ में महत्ता के विषय में अवगत कराया गया। जल-जनित रोगों से बचाव के विषय में चर्चा की गयी। मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचने के लिये सोते समय मच्छरदानी लगाने एवं आस-पास पानी न जमा होने देने की सलाह दी गयी। मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार मेले में किया गया। शुद्ध पेयजल तथा मरीजों के बैठने की समुचित व्यवस्था की गयी। तम्बाकू प्रयोग के कारण होने वाली हानि एवं गैर संचारी रोगों से सुरक्षित रहने के सन्दर्भ में भी स्वस्थ जीवन शैली का अनुसरण करने के विषय में संवेदीकृत किया गया। संतुलित आहार तथा व्यायाम की आवश्यकता के साथ मानसिक स्वास्थ्य के विषय में लोगों की जिज्ञासाओं का निराकरण किया गया। गम्भीर रोगियों को निःशुल्क एम्बुलेंस से उच्चतर चिकित्सा केन्द्रों पर संदर्भित किया गया। मेले में गोल्डेन कार्ड भी वितरित किये गये।आज 230 वां मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलें में कुल 194219 रोगी जिनमें 81186 पुरूष 81771 महिलाये 31262 बच्चे लाभान्वित हुए एवं 1045 गम्भीर रोगियों का उच्च चिकित्सालयों में उपचारार्थ संदर्भन किया गया। 4893 गोल्डेन कार्ड वितरित किये गये। मेले में 5323 चिकित्सक तथा 15269 पैरामेडिकल स्टाफ एवं 2337 आईसीडीएस0 स्टाफ ने सेवायें दीं। आज के मेले में 14337 फीवर केसेज आये। डेंगू के 1890 टेस्ट किये गये, जिसमें 05 मरीज धनात्मक पाये गये। आज के आरोग्य स्वास्थ्य मेले में 185 कोविड एन्टीजन टेस्ट किये गये जिनमें 00 कोविड के लिए धनात्मक पाये गये अब तक आयोजित कुल मेलों में 142020208 रोगी लाभान्वित हुये, 368399 गम्भीर रोगियों को उच्च केन्द्रों पर संदर्भित किया गया तथा 1979229 गोल्डेन कार्ड बने।

यहियागंज गुरूद्वारे का होगा कायाकल्प खर्च होंगे 2 करोड़ : जयवीर

लखनऊ,07 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग लखनऊ स्थित यहियागंज गुरुद्वारे का पर्यटन विकास करायेगा। गुरुद्वारे के ऐतिहासिक महत्व, सामुदायिक आस्था और शहर की सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए पर्यटन विकास पर 2 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च की जाएगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर और दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह की स्मृतियों से जुड़े गुरुद्वारे का पर्यटन विकास हमारी प्राथमिकता है। राज्य सरकार सभी धर्मों की आस्था का समान रूप से सम्मान करती है। सिख गुरुओं के ऐतिहासिक पदचिह्नों से जुड़े लखनऊ के यहियागंज गुरुद्वारे को पर्यटन मानचित्र पर विशेष रूप से विकसित किया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ियां इस पवित्र विरासत को करीब से जान सकें और श्रद्धा पूर्वक

देख सकें। यहियागंज गुरुद्वारे के पर्यटन विकास हेतु राज्य सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास मद से 2 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। यह धनराशि गुरुद्वारे के ऐतिहासिक स्वरूप को संरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं, सौंदर्यीकरण, आगंतुक सुविधाओं और सुगम पहुंच व्यवस्था के लिए उपयोग की जाएगी। यहियागंज गुरुद्वारे के अंदर एक आर्ट गैलरी भी है, जिसमें सिख इतिहास और गुरुओं से जुड़ी घटनाओं को दर्शाया गया है। यह आगंतुकों को खासा आकर्षित करता है। यहां गुरु तेग बहादुर और गुरु गोविंद सिंह द्वारा हस्ताक्षरित दो हुक्मनामे व श्री गुरु ग्रंथ साहब की हस्तलिखित प्रति मौजूद है, जिसके आरम्भ में गुरु तेग बहादुर साहिब द्वारा मूल मंत्र लिखा है। यह अनमोल संग्रह दर्शनार्थियों और विशेषकर सिख इतिहास में रुचि रखने वालों को गहराई से जोड़ता है। यहियागंज गुरुद्वारा तक पहुंचना बेहद आसान है। लखनऊ आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक चारबाग रेलवे स्टेशन, चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा या शहर के किसी भी हिस्से से सड़क मार्ग द्वारा आराम से यहां पहुंच सकते हैं। प्रकाशोत्सव जैसे विशेष अवसरों पर बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग यहां पहुंचते हैं और भजन-कीर्तन, लंगर का हिस्सा बनते हैं।

स्टार्टअप इंडिया की नई धड़कन बना उत्तर प्रदेश, सरकारी नीतियों से आईटी सेक्टर में त्वरित वृद्धि

लखनऊ,07 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज स्टार्टअप इंडिया की नई धड़कन बनकर उभर रहा है। प्रदेश सरकार के संकल्पित प्रयासों और उद्योग अनुकूल नीतियों ने राज्य में एक नई स्टार्टअप संस्कृति को जन्म दिया है। पिछले कुछ वर्षों में स्टार्टअप इकोसिस्टम में गुणात्मक और परिमाणात्मक वृद्धि देखने को मिली है। स्टार्टअप इकोसिस्टम के मामले में उत्तर प्रदेश, देश में अपना विशेष स्थान रखता है। यह बदलाव न केवल प्रदेश की आर्थिक प्रगति को रफ्तार दे रहा है बल्कि युवा ऊर्जा को सही दिशा भी प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार का विजन प्रदेश के युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बनाना है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में स्टार्टअप की मौजूदगी है, जो एग्री-टेक, एआई, ड्रोन और फिनटेक आदि क्षेत्रों से हैं। योगी सरकार के समर्थन से उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप की संख्या तेजी से बढ़ी है। वर्तमान में प्रदेश में 18,568 स्टार्टअप सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश अब उद्यमिता का मजबूत गढ़ बन चुका है। इन स्टार्टअप्स में से लगभग आठ हजार स्टार्टअप्स का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। सरकार की नीतियों में यह दृष्टिकोण साफ झलकती है। स्टार्टअप नीति ने युवाओं को न केवल उद्यम आरंभ करने का अवसर दिया है, बल्कि उन्हें आवश्यक मेंटरशिप, वित्तीय सहयोग और तकनीकी सहयोग भी उपलब्ध कराया है। इनक्यूबेशन सेंटरों की संख्या में तेजी से हुई वृद्धि ने नए उद्यमियों को जमीन स्तर से लेकर उद्योग स्थापना को मजबूत आधार दिया है। प्रदेश के कई विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान नवाचार के केंद्र बन चुके हैं। यहां से निकलने वाले नए विचार और प्रयोग पूरे देश के स्टार्टअप परिदृश्य में अपनी पहचान बना रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ सरकार की आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधी नीतियों ने भी स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। प्रदेश में आईटी सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर जैसे शहर अब आईटी और टेक आधारित स्टार्टअप के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। सरकार द्वारा आईटी पार्कों का विकास तेज गति से किया जा रहा है। यही कारण है कि विश्व की कई बड़ी कंपनियां भी उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए उपयुक्त स्थान मान रही हैं।

स्टार्टअप सेक्टर के विशेषज्ञ रजत श्रीवास्तव का कहना है कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की प्रभावी और ठोस स्टार्टअप नीति के कारण स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से सुदृढ़ हो रहा है। इनका कहना है कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप का बहुत बड़ा केंद्र बनेगा।

आज उत्तर प्रदेश में सरकार की पारदर्शी नीतियां, मजबूत कानून-व्यवस्था और उद्योग-अनुकूल वातावरण के कारण उद्यमिता एक नई ऊंचाई पर पहुंच रही है। महिला उद्यमियों की भागीदारी भी तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अब नवाचार और उद्यमिता का विस्तार हो रहा है जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अपने स्टार्टअप इकोसिस्टम को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश की नई पहचान एक विकसित नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित हो रही है, जहां युवा अपने सपनों को जमीन पर उतार रहे हैं और उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर कर रहे हैं।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

खाने के बाद इसलिए खाना चाहिए मीठा

घर में, पार्टी में या फिर किसी फेस्टिवल पर या रेस्टोरेंट में आप सबसे पहले नमकीन खाना जैसे- चपाती, दाल, सब्जी या चावल आदि खाते हैं और उसके बाद ही कुछ मीठा खाते हैं। पूर्वजों का भी यही मानना है कि भोजन की शुरुआत हमेशा मसालेदार खाने से करनी चाहिए और मीठा खाकर समाप्त करना चाहिए।

क्या आप जानते हैं कि खाने के बाद मीठा खाने से क्या होता है? लेकिन आपने कभी सोचा है कि खाने की शुरुआत में सबसे पहले मीठा क्यों नहीं खाना चाहिए या पहले मसालेदार चीजें ही क्यों खाने चाहिए? जाहिर है यह एक ऐसा सवाल है, जिसका जवाब सभी लोग जानना चाहेंगे। वास्तव में कई लोग ऐसा मानते हैं कि यह सालों से चली आ रही एक परंपरा है। लेकिन आपको बता दें कि इसके पीछे वैज्ञानिक तथ्य है।

जब आप स्पाइसी फूड खाते हैं, तो आपका शरीर पाचक रस और एसिड जारी करता है, जो पाचन प्रक्रिया को बढ़ाते हैं। स्पाइसी फूड्स खाने से यह भी सुनिश्चित होता है कि आपका पाचन सही तरह हो रहा है। दूसरी ओर मीठी चीजों में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा अधिक होती है, जिससे पाचन धीमा हो सकता है। इसके अलावा मीठे का सेवन एमिनो एसिड ट्रिप्टोफैन के अवशोषण को बढ़ाता है। ट्रिप्टोफैन को सेरोटोनिन लेवल बढ़ाने के लिए जाना जाता है। सेरोटोनिन एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो खुशी की भावना से जुड़ा है यानि मीठा खाने से आपको खुशी होती है। यही कारण है कि आप भोजन करने के बाद मीठा खाते हैं।

हालांकि वाइट शुगर से बनने वाली मीठी चीजों को हेल्दी नहीं माना जाता है। चीनी से तैयार चीजों का लंबे समय तक सेवन करने से आपको मोटापे और अन्य स्वास्थ्य जटिलताओं का खतरा हो सकता है। इसके बजाय आपको गुड़ या ब्राउन शुगर से तैयार चीजें ही खानी चाहिए। वास्तव में आर्गेनिक गुड़ आपके लिए सबसे बेहतर विकल्प हो सकता है।

योग से पुराने से पुराने पीठ दर्द में मिलता है फायदा

नियमित योग से कमर में होने वाले दर्द को ठीक करने में काफी मदद मिलती है। भारत, ब्रिटेन और अमेरिका में हुए शोध की हाल में हुई समीक्षा में ये बात सामने आई।

कमर में दर्द सेहत से जुड़ी आम समस्या है और इसे लोग आम तौर पर खुद ही दुकान से दवा खरीदकर या फिर खुद देखभाल कर ठीक करते हैं।

कुछ लोगों में ये तीन महीने या इससे ज्यादा समय तक बना रहता है, और तब इसे ''गंभीर'' माना जाता है। पीठ का दर्द कई बार किसी बीमारी या स्थिति की वजह से भी होता है लेकिन अधिकतर मामलों में कमर दर्द की वजह का पता नहीं होता और यही वजह है कि इन्हें अनिर्दिष्ट भी कहा जाता है। मौजूदा दिशानिर्देश बताते हैं कि व्यायाम चिकित्सा इसमें लाभदायक है और खास तौर पर योग को भी कई बार इलाज के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। अमेरिका के मेरीलैंड विश्वविद्यालय की सूसन वीलैंड ने कहा, ''हमारे नतीजे बताते हैं कि योगा5यास कमर दर्द के लक्षणों को कुछ मात्रा में कम कर देता है।'' दिल दिमाग के व्यायाम के तौर पर योग को दुनियाभर में लोकप्रियता मिली है जिससे आम जीवन शैली में फायदा भी होता है

होंठ देखकर जानिए किसी का भी व्यवहार

होंठों का मुख्य काम है, बोलते समय ध्वनि का नियंत्रण करना। होंठ शब्दों को स्पष्ट तरीके से बोलने में मदद करते हैं। लेकिन होंठ किसी भी व्यक्ति का व्यक्तित्व भी बता सकते हैं। समुद्रशास्त्र के अनुसार होंठो को देख-कर किसी भी स्त्री या पुरुष के व्यवहार के बारे में आसानी से पता किया जा सकता है।

■ जिनके होंठ उभरे हुए होते हैं, ऐसे लोग छोटी बुद्धि के और डरपोक होते हैं।

■ होंठ यदि पतले होते हैं तो वह पुरुष का स्वभाव और प्रकृति काफी हद तक महिलाओं से मेल खाती है।

■ ऐसे लोग जिनके होंठ छोटे, पतले और बिना रंग के होते हैं। यह लोग दिखावा करने वाले होते हैं।

■ मोट होंठ वाले लोग क्रोधी स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग भावुक और जिद्दी भी होते हैं।

■ चिकने और लाल रंग के होंठ वाले लोग जीवन में हर सुख प्राप्त करते हैं। ऐसे लोग कामुक होते हैं। और जिंदगी में उपलब्धियां अर्जित करते हैं।

■ गुलाबी होंठो वाले लोग व्यवहार कुशल होते हैं। ये दोस्ती निभाने में विश्वास रखते हैं। इनके जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं होती। अमूमन ऐसे होंठ महिलाओं के ही होते हैं।

घर के पूर्वोत्तर कोण में शुभ होता है फव्वारा लगाना

फेंग यानि वायु और शुई यानि जल अर्थात फेंगशुई शास्त्र जल व वायु पर आधारित है। अन्य देशों में भी यह बेहद लोकप्रिय है। भारत में भी फेंगशुई का चलन दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। इसका प्रमुख कारण है इसके आसान टिप्स।

यह टिप्स इतने सरल होते हैं जो आसानी से किए जा सकते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में सुख-समृद्धि बनी रहे तो आप भी फेंगशुई के आसान टिप्स अपना सकते हैं। उन्हीं में से कुछ इस प्रकार हैं।

■ घर के पूर्वोत्तर कोण में तालाब या फव्वारा शुभ होता है। फेंगशुई के अनुसार, इसके पानी का बहाव घर की ओर होना चाहिए न की बाहर की ओर।

■ फेंगशुई में बांस के पौधे सुख-समृद्धि का प्रतीक माने गए हैं। इनसे परिवार के सदस्यों को पूर्ण आयु व अच्छी सेहत मिलती है। घर की बैठक में जहां घरके सदस्य आमतौर पर एकत्र होते हैं, वहां बांस का पौधा लगाना चाहिए। पौधे को बैठक के पूर्वी कोने में रखें।

■ फेंगशुई के अनुसार, घर की रक्षा ड्रैगन करता है। इसलिए घर में ड्रैगन की मूर्ति या चित्र रखना चाहिए।

■ फेंगशुई के अनुसार, ची

ऊर्जा जिसे कॉस्मिक ब्रेथ या लाइफ फोर्स एनर्जी भी कह सकते हैं, हर घर में मुख्य द्वार से प्रवेश करती है। इसलिए घर के मुख्य द्वार के आगे या आसपास कोई सामान नहीं होना चाहिए।

■ घर को नेगेटिव एनर्जी से मुक्त रखने के लिए पूर्व दिशा में मिट्टी के एकछोटे से पात्र (बर्तन) में नमक भर कर रखें और हर चौबीस घंटे के बाद नमक बदलते रहें।

■ यदि आपके ऑफिस में कान्फ्रें स हॉल है तो वहां धातु की सुंदर मूर्ति रखना अच्छा होता है।

■ घर में झरने, नदी आदि के चित्र उत्तर दिशा में लगाने चाहिए। घर में हिंसक तस्वीर कभी नहीं लगाएं, इससे घर में नेगेटिव एनर्जी आ सकती है।

■ लव बर्ड, मेंडारिन डक जैसे पक्षी प्रेम के प्रतीक हैं। इनकी छोटी मूर्तियों काजोड़ा अपने बेडरूम में रखें। इनसे दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

■ भारतीय बाजारों में विंड चाइम (हवा से हिलने वाली घंटी) उपलब्ध है. हवा चलने से जब यह टकराती हैं तो बहुत ही मधुर ध्वनि उत्पन्न करती है, जिससे घर में पॉजीटिव एनर्जी फैलती है.

■ फेंगशुई के अनुसार, घर के बाहर काला कछुआ, लाल पक्षी, सफेद बाघया हरा ड्रैगन हो तो घर में नेगेटिव एनर्जी प्रवेश नहीं कर पाती. काला कछुआ उत्तर दिशा का, लाल पक्षी दक्षिण दिशा का, सफेद बाग पश्चिम दिशा का तथा हरा ड्रैगन पूर्व दिशा का प्रतिनिधित्व करता है।

■ घर में खुशहाली रहे, इसके लिए तीन हरे पौधे मिट्टी के बर्तनों में घरके अंदर पूर्व दिशा में रखना चाहिए। ध्यान रहे कि फेंगशुई में बोनसाई और कैक्टस को हानिकारक माना जाता है।

सर्वाइकल से बचने के लिए करें ये उपाय!

आज के टेक्नोलॉजी के जमाने में सर्वाइकल होना आम बात हो गया है और इसका मुख्य कारण है कंप्यूटर्स, लैपटॉप, मोबाइल और अन्य गैजेट्स. आमतौर पर लोग सोचते हैं कि जो लोग डेस्क जॉब करते हैं उन्हें ही सर्वाइकल होता है लेकिन अब ये सिर्फ एक भ्रम मात्र है. बच्चों से लेकर बड़ों तक को सर्वाइकल की दिक्कतें होने लगी है. अगर ये कहें कि टेक्नोलॉजी सर्वाइकल प्रॉब्लम के लिए बहुत हद तक जिम्मेदार है तो गलत नहीं होगा. लेकिन क्या आप जानते हैं सर्वाइकल को आप आसानी से मात दे सकते हैं. जी हां, आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे जिसे अपनाकर आप सर्वाइकल से दूर रह सकते हैं.

गर्दन का पोश्चर रखें ठीक-

ये बहुत जरूरी है कि आपकी गर्दन का पोश्चर ठीक हो. स्कल आपकी बॉडी का सबसे हैवी पार्ट होता है. ऐसे में कंप्यूटर पर काम के दौरान, मोबाइल टैक्टिंग के दौरान या अन्य गैजेट इस्तेमाल करने के दौरान गर्दन का पोश्चर ठीक रखें. गर्दन पर लगातार प्रेशर से गर्दन की मसल्स थक जाती है जिससे की सर्वाइकल पेन होने लगता है.

लंबे समय तक सीट पर ना बैठें-

हर 20 मिनट बाद टहलें. कंप्यूटर पर काम करते हुए बीच-बीच में हाथों को पीछे की ओर स्ट्रेच करें और गर्दन को पीछे की ओर ले जाएं. इससे बॉडी को भी आराम मिलेगा.

योगा करें

दिन में 2 बार मकरासन करें. इससे गर्दन में तनाव होगा और मसल्स रिलैक्स होंगी. साथ ही इससे मसल्स फ्लैक्सिबल होंगी. शुरूआत में इस आसन को 20 सेकेंड के लिए करें और इसे 2 मिनट तक ले जाएं.

भुजंगासन: ये आसन स्पाइन को स्ट्रेट करने में मदद करेगा. साथ ही लोअर स्पाइन की स्टिफनेस भी दूर होगी. अगर आपको सवाईकल प्रॉब्लम बहुत ज्यादा है तो पहले डॉक्टर से कंसल्ट करें.

गर्दन और शोल्डर की करें ये एक्सरसाइज-

रिस्ट रोटेशन- दोनों हाथों को सामने लाएं और होल्ड करें. फिर धीरे-धीरे हथेलियों को सर्कल में राइट और फिर लेफ्ट साइड से धुमाएं.एंजेल विंग्स- दीवार के सामने खड़े हो जाएं. हाथों को 90 डिग्री पर लाकर हथेलियों से शोल्डर पकड़ें और आगे की तरफ और पीछे की तरफ मूव करें.इंटरलॉक फिंगर- फिंगर्स को इंटरलॉक करके सिर के पीछे रखें और प्रेशर के साथ सिर को हाथों की तरफ पुश करें. रोजाना इसे करने से मसल्स को आराम मिलेगा.झुकें नहीं- झुककर ना बैठें. कमर सीधी रखें.

इन सब टिप्स से आप खुद को सर्वाइकल की प्रॉब्लम्स से बचा सकते हैं.

इन आसान घरेलू उपायों से तुरंत रुक जाएंगी हिचकियां

हिचकी क्यों आती है इसके सही कारणों का पता नहीं चल पाया है लेकिन विशेषज्ञों का मनना है कि फेफड़ों के नीचे मौजूद डायाफ्राम की मसल्स के अचानक सिकुड़ने से हिचकी आती हैं। अमूमन लोग ऐसा मानते हैं कि जब कोई किसी को याद करता है तो उसे हिचकियां आती हैं लेकिन ये अंधविश्वास के अलावा कुछ भी नहीं है। अक्सर हिचकियां जल्दी-जल्दी भोजन निगलने, अधिक तेल मिर्च मसाले वाला भोजन करने से और शराब का सेवन करने से आने लगती हैं। वैसे तो हिचकी कुछ समय में ही खत्म भी हो जाती है लेकिन आपको यदि लंबी हिचकी आने की शिकायत है तो कुछ घरेलु नुस्खों से उसका इलाज कर सकते हैं। आगे बता रहें हैं हिचकी को रोकने कुछ घरेलू उपाय जो प्रभावी होने के साथ ही आसान भी हैं।

ठंडा पानी : हिचकियां आने पर कोई भी आपको पहला उपाय पानी पीने का देता है। ठंडे पानी में एक चम्मच शहद डालकर पिएं इससे आपको हिचकी में आराम मिलेगा। इसके आलावा आप ठंडे पानी से गरारा कर सकते हैं या बर्फ टुकड़ा मुंह में रखकर चूसने से भी फायदा होता है।

नीचे झुककर पिएं पानी : साधारण तरीके से पानी पीने से भी हिचकी आना बंद हो सकती है लेकिन अगर आपको हिचकी आना बंद नहीं हो रही है तो एक गिलास ठंडा पानी लें, आगे लगभग 90 डिग्री झुकें और फिर पानी पिएं और फिर सीधे हो जाएं।

सांस रोकें : हिचकी रोकने का सबसे आसान तरीका है कुछ देर तक सांस को रोके रखें। इससे आपके खून में कार्बनडाई ऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है जिससे आपका दिमाग हिचकियों पर ध्यान देने से भटक जाता है और आपको हिचकियां आना बंद हो जाती हैं। यह भी पढ़ें- इन चीजों से कोहनी और घुटनों का कालापन झट से हो जाएगा दूर

शक्कर या चीनी : हिचकी रोकने के लिए शक्कर एक अच्छा घरेलू नुस्खा है। शक्कर वेगस नर्वस को उत्तेजित कर देती है और हम हिचकी के बारे में भूल जाते हैं। 1 चम्मच शक्कर को मुंह में रखकर उसे घुलने दें और ऊपर से 1 गिलास पानी पीने से आपकी हिचकी तुरंत गायब हो जाएगी।

सिरका : सिरका का प्रयोग कई बीमारियों में किया जाता है। एक चम्मच सिरके का सेवन हिचकी की समस्या से तुरंत राहत दिला सकता है। इसका खट्टा स्वाद हिचकी बंद करने में मदद करता है।

पीनट बटर : पीनट बटर का स्वाद में तो अच्छा होता ही है बल्कि इसे खाने से हिचकियों में भी आराम होता है। एक चम्मच पीनट बटर को कुछ देर के लिए मुंह में रखें और इसे सीधे निगल लें अगर जरूरत हो तो ऊपर से एक गिलास पानी पी सकते हैं। पीनट बटर की जगह आलमंड बटर भी इस्तमाल कर सकते हैं।

थैले या लिफाफे के भीतर सांस लें : किसी थैले या लिफाफे से मुंह को चारों ओर ढंग से ढक लें और इसके भीतर कई बार सांस लें और छोड़ें। इससे आपके शरीर में कार्बनडाई आक्साइड का स्तर बढ़ जाएगा जिससे आपके फेफड़े अधिक आक्सीजन लेने के लिए तेजी से फैलेंगे और डायाफ्राम भी फैलेगा और आपकी हिचकियां रुक जाएंगी। ध्यान दें ये उपाय दिल और सांस के मरीजों को नहीं करना चाहिए साथ ही इस उपाय को तब तक ही करें जब तक आप कंफर्टेबल हों। यह भी पढ़ेंन्नीम के औषधीय गुण कई रोगों में हैं कारगर

नींबू : नींबू का खट्टा स्वाद भी हिचकियों को रोकने में मददगार होता है। हिचकी आने पर थोड़ी थोड़ी देर में आधा चम्मच नींबू का रस पिएं या नींबू की शिकंजी पीने से भी हिचकी आना बंद हो जाएंगी।

क्या आपने ट्राई किया है रिबन आईलाइनर?

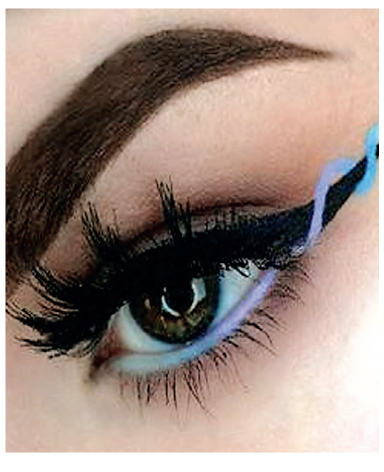

अगर आपको आई मेकअप करना पसंद है और आप चाहती हैं कि लोग आपके आई मेकअप को नोटिस करें तो यह रिबन आईलाइनर ट्रेंड आपको जरूर पसंद आएगा। इसमें कैट फ्लिक को कलरफुल रिबन आर्ट से सजाया जाता है।

हालांकि इसे बना पाना थोड़ा मुश्किल है लेकिन थोड़े अभ्यास से आप रिबन आई लाइनर लगाना सीख सकती हैं। इसे लगाने में हड़बड़ी नहीं करें और न ही भारी हाथ का इस्तेमाल करें। एक बार आपको रिबन आईलाइनर लगाना आ गया तो आप जहां जाएंगी, लोग आपकी तारीफ किए बिन नहीं रह पाएंगे।

सबसे पहले लाइनर लगाना। लाइनर को थोड़ा लंबा खींचे और गाढ़ा रखें। इसके बाद किसी भी ब्राइट कलर से इस पर लिपटे हुए रिबन की तरह आर्ट बनाएं। आप चाहें तो अपनी ड्रेस से मैच करता हुआ कलर चुन सकते हैं। यूं तो एक रंग का इस्तेमाल करना ही ज्यादा अच्छा रहेगा लेकिन प्रयोग के लिए आप दो कलर भी यूज़ कर सकती हैं।

संपादकीय

महाकुंभ में घड़ियाल

शीतकालीन सत्र के दौरान कई महाकुंभ और कई घड़ियाल भी देखे गए। किसी का गुस्सा और किसी की आंखों का सुरमा निकल गया। सीमाओं के बाहर उत्साह को पहली बार देखा गया, लेकिन तपोवन क्या अब इंकलाब हो गया। कहना न होगा कि मौजूदा सियासत में आम आदमी का हाल बुरा हो गया। सदन का चरित्र सड़क पर या अब सड़क ही सदन तक आ गई। यह इसलिए कि सदन के बाहर तख्तियां पक्ष की थीं और विपक्ष की भी थीं, बस फर्क यह कि दोनों की निगाह एक दूसरे के खिलाफ खड़ी थी। नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का यह कौनसा मुकाबला राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी से होता रहा कि सदन की तहजीब बदल गई। राजनीति शास्त्र के किसी विद्यार्थी को क्या मिला या प्रदेश को ऐसा भी क्या मिला कि सदन के बाहर जोरावर स्टेडियम की गूंज आसमान बन गई। गुस्से की गीतांजलि में जोरावर स्टेडियम में नए गीत, नए नारे बताते हैं कि भाजपा करने पर उतर आए, तो कारवां बनाना जानती है। भाजपा ने कांग्रेस की तीन साल की हुकूमत को चिकोटी काटी है, अपनी शक्ति अपनी धरती बांटी है। वो सामने सत्ता का महल और इधर हमने भी दीये जलाए हैं। ईंधन बहुत है विपक्ष के पास, इसे साबित कर गई रैली। परिवार को एकछत्र भाजपा ने साझी छत के नीचे बैठाया, तो वे सारे चेहरे मिल गए जिन्हें अगले चुनाव की सूरत में छवि बनानी है। इसे आलोचना का महाकुंभ कहें, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर बिहार की जीत पार्टी को गुदगुदाने लगी है। मंडी से कंगना रणौत की हाजिरी भले ही संसद में लगी, लेकिन प्रदेश से बाकी सभी सांसद विपक्ष के विरोध में अपनी भागीदारी का अक्स दिखाते रहे। वहां व्यक्तित्व के पहाड़, अस्तित्व के समुद्र और राज्य की उम्मीदों के दरबार सजे मिले। बावजूद इसके हम भाजपा के किसी एक पहलवान का नाम नहीं ले सकते। सुनवाई सुक्खू सरकार की थी, इसलिए नेता प्रतिपक्ष सत्ता में आई कांग्रेस के हर व्यवहार को पकड़ते रहे। सारे विवाद एक तरफ, लेकिन मुर्गा बनाम दाल दूसरी तरफ। रैली की उमंगों में भाजपा की बांग सुनी, तो समोसे की एक टांग उछल गई। उसी स्टेडियम में डा. राजीव बिंदल के संगठन की ताकत जब लहराई, तो नारेबाजों की जुबान शिखर से टकराई। बहुत सारे मुद्दे एकत्रित थे, सियासत के सारे घड़े भरे थे, इसलिए पानी पी-पी कर भाजपा ने कोसने का मंसूबा जाहिर रखा। वहां नारी संसार भारी था, तो गारंटियों में पंद्रह सौ का हक पूछा गया। कोसने में पानी भाजपा ने कितना इज़ जाया किया, इससे इतर बात यह कि कांग्रेस अब नए प्रदेशाध्यक्ष की कमान में भाजपा के सामने कितना जोश भर पाती है। मंडी की प्रस्तावित रैली में तीन साल की सत्ता का सारांश और मिशन रिपीट के अपने दो साल कितना चलना चाहते हैं संकल्प, यह बताने की बारी है। भाजपा ने प्रश्नों की अंजुलि विधानसभा के भीतर और बाहर एक साथ भरी है। एक मुकदमा लोकतंत्र की आवाज और दूसरा जनता की आवाज में ढेरों प्रश्न पूछ रहा है। जमावड़ा विपक्ष का सदन के बाहर तक पहुंच गया, अब देखना यह है कि कांग्रेस के सिपाही कितना समय तक कदमताल करते हैं। जाहिर तौर पर इस बार केवल विधानसभा का शीतकालीन सत्र नहीं था, तपोवन परिसर के बहुत नजदीक कहने का हर क्षण, एक अवसर था। यह हिमाचल की लोकतांत्रिक छवि में इजाफा है कि यहां विपक्ष, सत्ता के सामने प्रदेश की माटी का कर्ज उतार कर पूछता है कि कितना उधार चुकाओगे, बतौर सरकार कितना फर्ज निभाओगे।

नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का यह कौनसा मुकाबला राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी से होता रहा कि सदन की तहजीब बदल गई। राजनीति शास्त्र के किसी विद्यार्थी को क्या मिला या प्रदेश को ऐसा भी क्या मिला कि सदन के बाहर जोरावर स्टेडियम की गूंज आसमान बन गई। गुस्से की गीतांजलि में जोरावर स्टेडियम में नए गीत, नए नारे बताते हैं कि भाजपा करने पर उतर आए, तो कारवां बनाना जानती है। भाजपा ने कांग्रेस की तीन साल की हुकूमत को चिकोटी काटी है, अपनी शक्ति अपनी धरती बांटी है। वो सामने सत्ता का महल और इधर हमने भी दीये जलाए हैं। ईंधन बहुत है विपक्ष के पास, इसे साबित कर गई रैली। परिवार को एकछत्र भाजपा ने साझी छत के नीचे बैठाया, तो वे सारे चेहरे मिल गए जिन्हें अगले चुनाव की सूरत में छवि बनानी है। इसे आलोचना का महाकुंभ कहें, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर बिहार की जीत पार्टी को गुदगुदाने लगी है। मंडी से कंगना रणौत की हाजिरी भले ही संसद में लगी, लेकिन प्रदेश से बाकी सभी सांसद विपक्ष के विरोध में अपनी भागीदारी का अक्स दिखाते रहे। वहां व्यक्तित्व के पहाड़, अस्तित्व के समुद्र और राज्य की उम्मीदों के दरबार सजे मिले। बावजूद इसके हम भाजपा के किसी एक पहलवान का नाम नहीं ले सकते। सुनवाई सुक्खू सरकार की थी, इसलिए नेता प्रतिपक्ष सत्ता में आई कांग्रेस के हर व्यवहार को पकड़ते रहे।

जब बचपन बन गया ब्रांड: भारत में बच्चों की डिजिटल सुरक्षा

बचपन की ऑनलाइन बंदी: सुधा मूर्ति जी की चेतावनी

कभी समाज को झकझोरने के लिए सिर्फ एक आवाज़ काफी होती है, और इस बार वह आवाज़ राज्यसभा में गूंजी, जब सुधा मूर्ति जी ने बच्चों के डिजिटल शोषण पर सवाल उठाया। उनका वक्तव्य सिर्फ टिप्पणी नहीं था, बल्कि चेतावनी की तरह था जो हमें आईने के सामने खड़ा कर देती है। ऐसे समय में, जब सोशल मीडिया हमारे विचारों और आदतों पर हावी है, यह प्रश्न जरूरी हो गया था कि क्या हम अपने बच्चों को 'कंटेंट' बनाकर उनकी मासूमियत, स्वतंत्रता और बचपन कुर्बान कर रहे हैं? यह मुद्दा अब केवल संसद तक सीमित नहीं, बल्कि हर घर, हर परिवार और हर अभिभावक की दहलीज़ पर दस्तक दे रहा है। आज की डिजिटल दुनिया में 'किडफ्लुएंसर' का उभार जितना आकर्षक लगता है, उतना ही भीतर से चुनौतीपूर्ण और चिंताजनक है। माता-पिता अपने बच्चों को सजाकर, नचाकर, नृत्य कराकर और उत्पादों का प्रचार कराकर लाखों फॉलोअर्स और आर्थिक लाभ जुटाने में लगे रहते हैं। कैमरे के सामने मुस्कुराते ये बच्चे जितने प्यारे दिखते हैं, उतनी ही गहरी चिंता उनके मानसिक और भावनात्मक विकास को लेकर होती है। यह दृश्य भले ही चमकदार और खुशहाल लगे, लेकिन असल में यह शोषण का नया रूप है—जहां बचपन अब 'लाइक' और 'व्यूज़' की आर्थिक कीमत से मापा जाने लगा है। इस चमक-दमक की दुनिया का सबसे गहरा और खतरनाक असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। लगातार परफॉर्म करने का दबाव, माता-पिता की उम्मीदें, ट्रोलिंग और तुलना—ये सब मिलकर बच्चों को तनाव, चिंता और आत्म-पहचान के संकट की ओर धकेलते हैं। जब किसी बच्चे को यह समझ नहीं होता कि उसे क्यों फिल्माया जा रहा है या उसके वीडियो क्यों वायरल हो रहे हैं, तब भी वह अनजाने में एक ऐसे वातावरण का हिस्सा बन जाता है, जहां उसकी मासूमियत, भावनाएँ और निजता उत्पाद की तरह इस्तेमाल होने लगती हैं। स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब बच्चों के खेलने, सीखने और सामाजिक कौशल विकसित करने का समय कैमरे और शूटिंग द्वारा घिर जाता है। वह उम्र, जो खुली हवा में दौड़ने,

आज की डिजिटल दुनिया में 'किडफ्लुएंसर' का उभार जितना आकर्षक लगता है, उतना ही भीतर से चुनौतीपूर्ण और चिंताजनक है। माता-पिता अपने बच्चों को सजाकर, नचाकर, नृत्य कराकर और उत्पादों का प्रचार कराकर लाखों फॉलोअर्स और आर्थिक लाभ जुटाने में लगे रहते हैं। कैमरे के सामने मुस्कुराते ये बच्चे जितने प्यारे दिखते हैं, उतनी ही गहरी चिंता उनके मानसिक और भावनात्मक विकास को लेकर होती है। यह दृश्य भले ही चमकदार और खुशहाल लगे, लेकिन असल में यह शोषण का नया रूप है—जहां बचपन अब 'लाइक' और 'व्यूज़' की आर्थिक कीमत से मापा जाने लगा है। इस चमक-दमक की दुनिया का सबसे गहरा और खतरनाक असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। लगातार परफॉर्म करने का दबाव, माता-पिता की उम्मीदें, ट्रोलिंग और तुलना—ये सब मिलकर बच्चों को तनाव, चिंता और आत्म-पहचान के संकट की ओर धकेलते हैं।

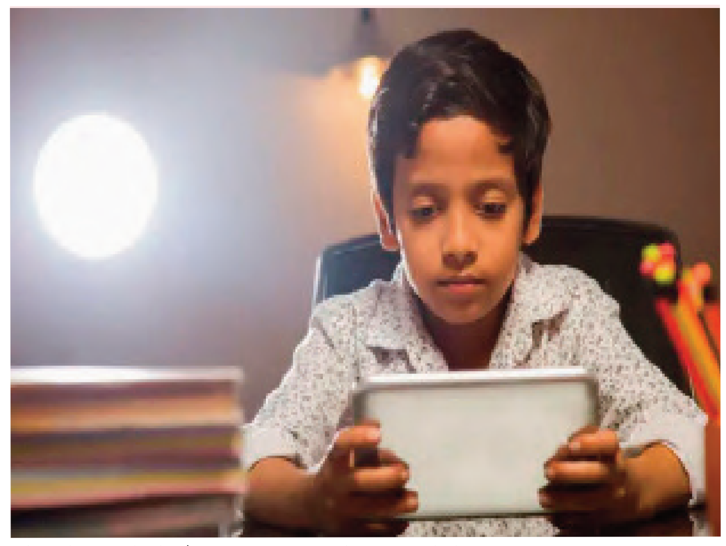

दोस्तों के साथ खेलने और अपनी कल्पनाओं को उड़ान देने के लिए होती है, अब कंटेंट कैलेंडर और शूट शेड्यूल में उलझती जा रही है। कई बच्चे यह मानने लगते हैं कि उनकी असली पहचान वही है जो सोशल मीडिया पर दिखाई देती है—और यह संकेत है कि वास्तविकता और डिजिटल छवि के बीच खाई बढ़ने लगी है। दूसरे देशों की तरह भारत में बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर अभी तक कोई व्यापक और ठोस कानून मौजूद नहीं है। फ्रांस जैसे देशों में बच्चों के ऑनलाइन काम के घंटे नियोजित हैं, उनकी कमाई पर सख्त निगरानी है, और 15–16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए विशेष सुरक्षा नियम लागू हैं। ये मॉडल स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि विकसित समाज बच्चों को 'डिजिटल श्रम' और शोषण से बचाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। इसके विपरीत, भारत में लाखों परिवारों के बच्चे सोशल मीडिया पर एक 'ब्रांड' की तरह प्रस्तुत किए जा रहे हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा का कोई ठोस ढांचा नहीं है। यह समस्या केवल बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे समाज की नींव को प्रभावित करती है। जब माता-पिता अपने बच्चों को व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रखते हैं, तो अनजाने में सामाजिक असमानता भी बढ़ती है। संपन्न परिवारों के बच्चे स्टार बन जाते हैं, जबकि अन्य केवल दर्शक बने रहते हैं। इससे बच्चों में ईर्ष्या, अवसाद और असंतोष की भावनाएँ पैदा होती हैं, और सफलता की गलत परिभाषा स्थापित होती है—जहां पढ़ाई, खेल या रचनात्मक कौशल नहीं, बल्कि 'फ़ॉलोअर्स' और 'लाइक' को उपलब्धि माना जाने लगता है। साथ ही, बच्चों की निजता पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। इंटरनेट पर डाली गई एक तस्वीर या वीडियो हमेशा के लिए वहां बनी रहती है, और भविष्य में साइबर बुलिंग, पहचान चोरी या अन्य अनुचित उपयोग की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। यह खतरा लड़कियों के लिए और भी गहरा है, क्योंकि डिजिटल दुनिया में उनका मार्ग तेजी से जटिल होता जा रहा है। सोचकर ही सिहरन होती है कि एक मासूम बच्ची की ऑनलाइन उपस्थिति का नियंत्रण उसके अपने हाथों में नहीं, बल्कि किसी और के आर्थिक हितों में बंधा है। सुधा मूर्ति जी का तर्क बिल्कुल स्पष्ट और गंभीर है कि बच्चे अनुमति नहीं दे सकते, वे व्यावसायिक परिणाम को समझने में सक्षम नहीं हैं और अपने अधिकारों की रक्षा खुद नहीं कर सकते। यही कारण है कि यह जिम्मेदारी सिर्फ माता-पिता की नहीं, बल्कि पूरे समाज और सरकार की है कि वे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षित विकास और भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। भारत जैसे देश में, जहां बच्चे परिवार की अमूल्य धरोहर माने जाते हैं, उनका व्यावसायिक इस्तेमाल न केवल व्यक्तिगत हानि है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और नैतिक जड़ों को भी कमजोर करता है। आज की जरूरत है कि भारत एक व्यापक राष्ट्रीय नीति बनाए, जो बच्चों की सोशल मीडिया उपस्थिति को स्पष्ट और प्रभावी रूप से नियंत्रित करे। इसमें उम्र सीमा, अभिभावकीय सहमति, बच्चों की कमाई और काम के घंटों पर कड़ाई, डिजिटल गोपनीयता और व्यावसायिक मुद्रीकरण पर सख्त प्रतिबंध जैसे कदम शामिल होने चाहिए। जैसे विज्ञापनों में बच्चों के उपयोग को लेकर नियम बनाए गए हैं, उसी तरह सोशल मीडिया पर भी कानूनी ढांचा तैयार करना अब अपरिहार्य हो गया है। यह बहस अब संसद तक सीमित नहीं रह सकती। विशेषज्ञों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षकों, तकनीक कंपनियों और अभिभावकों को मिलकर बच्चों के लिए एक सुरक्षित और संतुलित डिजिटल भविष्य की दिशा तय करनी होगी। हमें स्पष्ट करना होगा कि बच्चे केवल 'कंटेंट' नहीं हैं—वे संवेदनशील, जिज्ञासु और भावनात्मक प्राणी हैं, जिनके सपने, अधिकार और भावनाएँ किसी भी डिजिटल मंच से कहीं अधिक मूल्यवान हैं। यदि हम अभी कदम नहीं उठाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमसे पूछेंगी कि हमने उनके बचपन को क्यों बाजार के हवाले कर दिया। सुधा मूर्ति की आवाज़ दरअसल हमारी चेतना को जगाने का अवसर है—हमें याद दिलाने का कि तकनीक तभी प्रगति है जब वह मानवीय मूल्यों और नैतिकता के साथ संतुलित हो। बच्चों को इस डिजिटल चमक-दमक से मुक्त कर हम न केवल उन्हें सुरक्षित और संपूर्ण विकास का अवसर दे सकते हैं, बल्कि एक मजबूत, संवेदनशील और मूल्यवान समाज का निर्माण भी कर सकते हैं। अब समय आ गया है कि यह बदलाव संसद से सड़क तक, और सड़क से हर घर तक पहुंचे—क्योंकि बच्चों की सुरक्षा और उनका बचपन ही किसी सभ्यता की असली पहचान और उसकी प्रगति की असली कसौटी है।

देश दुनिया से

देश की राजधानी बुरे सपने से कम नहीं

देश में वोट बैंक की राजनीति के समक्ष पर्यावरण प्रदूषण जैसे मुद्दे हाशिए पर धकेले जाते रहे हैं। राजनीतिक दल इसे समस्या तो मानते हैं, किन्तु इसके स्थायी निदान के लिए न तो कोई कार्ययोजना है और न ही इच्छाशक्ति। देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र भीषण प्रदूषण की मार झेल रहा है। यही वजह है कि प्रदूषण की भयावहता तमाम क्षेत्रों में तरक्की को मुंह चिढ़ा रही है। सरकारों और राजनीतिक दलों की बला से प्रदूषण प्रभावित इन क्षेत्रों के करोड़ों लोगों बेशक तिल-तिल करके मरते रहें। इसके विपरीत नेताओं का सरोकार सिर्फ चुनाव जीतने भर तक सीमित रह गया है। सत्तारूढ़ और विपक्षी दल इस मुद्दे पर चिंता जताने तक सीमित हैं। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में विपक्ष के कुछ सांसदों ने अपने चेहरों पर मॉस्क लगाया और प्रदूषण के खिलाफ नारे लिखे तख्तियां और बैनर लेकर प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों का नेतृत्व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने किया। एक बैनर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर थी जिस पर लिखा था 'मौसम का मजा लीजिए'। सरकारी नजरिए से देखें तो राजधानी दिल्ली और आस-पास के क्षेत्रों में प्रदूषण लाइलाज समस्या बन चुका है। हर साल सर्दी का मौसम आते ही दिल्ली का इलाका गैस चैंबर बन जाता है। इस बात से सत्तारूढ़ और विपक्षी दल अनजान नहीं हैं। इसके बावजूद कोरी बयानबाजी के अलावा लोगों को उनके हाल पर छोड़ रखा है। दिल्ली का औसत एक्यूआई लेवल 377 तक दर्ज हो चुका है। ऐसे में लोगों को सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन की समस्या देखने को मिल रही है। आनंद विहार, बवाना, चांदनी चौक, जहांगीर पुरी, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम और नेहरू नगर में एक्यूआई लेवल 400 के पार तक पहुंच गया। दिल्ली की हवा में घुला जहर कम कब होगा, इस सवाल का जवाब इस समय शायद किसी के पास नहीं है। शायद इसीलिए डॉक्टरों ने साफ कह दिया है कि बच्चों की सेहत ठीक रखना चाहते हैं, तो कुछ दिनों के लिए दिल्ली छोड़ दीजिए। दिल्ली में एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट के लिए डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में प्रदूषण के बड़े कारण ट्रांसपोर्ट, पराली हैं। गाडियों से फैले प्रदूषण का हिस्सा 18.42 फीसदी था। आंकड़ों के हिसाब से 16.31 फीसदी प्रदूषण के अन्य सोर्स हैं, जिसमें आतिशबाजी, डीजल जनरेटर जैसे सोर्स शामिल हैं। शादियों के सीजन की वजह से आतिशबाजी हो भी रही है। अगले तीन दिन इन अन्य सोर्स का प्रदूषण का हिस्सा और बढक़र 43.4 फीसदी तक जाने का अनुमान है। दिल्ली में एक्यूआई 400 तक के खतरनाक स्तर को छू चुका है, जो वायु प्रदूषण की गंभीर हालत दिखाता है। वहीं मुंबई में भी ये 200 के करीब पहुंच गया था, जिसके बाद वहां ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप-4) लागू किया गया। हालांकि दिल्ली में अभी ग्रैप-4 लागू नहीं किया गया। उल्टे दिल्ली एनसीआर में 26 नवंबर को ग्रैप-3 की पाबंदियां भी वापस ले ली गई थीं। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने शहर में निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी थी। देवनार, मलाड, बोरीवली, अंधेरी ईस्ट, नेवी नगर, पवई और मुलुंड जैसे इलाकों में प्रदूषण की खराब स्थिति के बाद ये फैसला लिया गया था। दिल्ली में प्रदूषण के लिए पराली जलने, वाहनों के धुएं और कारखानों से निकलने वाला कार्बन उत्सर्जन जिम्मेदार है। हवाओं की रफ्तार धीमी पडऩे से हालात और खराब हो जाते हैं। हालांकि मुंबई और अन्य समुद्री इलाकों में प्रदूषण की स्थिति बेहतर रहती है, क्योंकि वहां हवा चलने के कारण प्रदूषणकारी तत्व शहर से दूर चले जाते हैं। मुंबई में मेट्रो, फ्लाईओवर जैसे बड़े निर्माण कार्य, वाहनों की बढ़ती तादाद और कचरा जलाने जैसी वजहों से हालत बिगड़ी है। मुंबई जैसे समुद्री इलाकों में एक्यूआई बढऩा खतरे की घंटी है। मुंबई में ग्रैप-4 की पाबंदियों के बाद एक्यूआई 150 से नीचे आ गया, जबकि दिल्ली की हवा में अब भी दम घुट रहा है। मुंबई की हवा अब सांस लेने लायक हो गई है। यहां कई जगह एक्यूआई लेवल 100 के आसपास हो गई। हालांकि, दिल्ली में एक्यूआई लेवल अब भी कई जगह 400 के पार है। हवा की गति बढने और पानी छिडक़ाव जैसे उपायों से मुंबई में हवा की गति बढऩे और पानी छिडक़ाव जैसे उपायों से मुंबई में एक्यूआई स्तर 150 से नीचे आने में मदद मिली। दुनिया भर में वायु प्रदूषण को मापने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था आईक्यूएआईआर की नवीनतम लाइव रैंकिंग में भारत की राजधानी दिल्ली इस सूची में पहले स्थान पर रही। जबकि दूसरे स्थान पर उज़्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद 251 के एक्यूआई के साथ दर्ज है। तीसरे नंबर पर पाकिस्तान का लाहौर (एक्यूआई 215), चौथे पायदान पर बांग्लादेश की राजधानी ढाका 211 एक्यूआई के साथ है। भारत का कोलकाता भी 211 के एक्यूआई के साथ पांचवें स्थान पर है। देश की राजधानी दिल्ली में एयर इमरजेंसी है। राजधानी दिल्ली गैस चैंबर बन गई है। राजधानी दिल्ली हांफ रही है, खांस रही है। दिल्ली की हवा जहरीली हो गई है। दिल्ली में हर व्यक्ति हर पल अपने फेफड़ों में जहर भर रहा है। दिल्ली को डिटॉक्स करने की जरूरत है। दिल्ली-एनसीआर इलाके की इन दिनों जैसे बस यही पहचान बन गई है। देश ही नहीं दुनिया भर के अखबारों-समाचार चैनलों, वेबसाइट्स में दिल्ली की हवा सुर्खियों में है। दिल्ली एनसीआर में इस समय धुंध नहीं बल्कि हवा में मौजूद धूल के कारण है, वो धूल जो कभी कंस्ट्रक्शन की वजह से कभी पोल्यूशन की वजह से कभी पराली की वजह से घटना हो रही है। ये लटके हुए कण जो धूल के हैं ये पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण इसमें शामिल हैं। इसका मतलब यह है कि एक दिन की दिल्ली की हवा में सांस लेना करीब 50 सिगरेट के पीने के बराबर है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि दिल्ली की हवा का क्या हाल है। रोज पीने उपयोग करने वाला भूजल भी अब दिल्ली में सुरक्षित नहीं बचा है। केंद्रीय भूमिजल बोर्ड की नई रिपोर्ट बताती है कि इस पानी में यूरेनियम जैसे खतरनाक तत्वों के साथ नाइट्रेट, फ्लोराइड, लेड और ज्यादा नमक तक मिला हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि राजधानी के कई हिस्सों से लिए गए भूजल के नमूनों में यूरेनियम की मात्रा सामान्य सीमा से कहीं अधिक पाई गई। यूरेनियम धीरे-धीरे शरीर में जमा होता है और गुर्दों, हड्डियों और अन्य अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है। रिपोर्ट में साफ हुआ कि पानी में नाइट्रेट, फ्लोराइड, लेड और ज्यादा नमक भी पाया गया है। नाइट्रेट ज्यादातर गंदे पानी और खाद से जमीन में रिसकर आता है। फ्लोराइड बढने से दांत और हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। लेड शरीर के दिमागी विकास पर भारी असर डालता है और बच्चों व गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद खतरनाक है। नमक और घुले पदार्थ ज्यादा होने से पानी पीने लायक नहीं रह जाता और पाचन व गुर्दों पर दबाव पड़ता है। दिल्ली में लगातार ज्यादा गहराई तक बोरिंग होने लगी है, जिससे ऐसे हिस्सों का पानी ऊपर आ रहा है जहां मिट्टी में खुद ही खनिज और भारी तत्व मौजूद रहते हैं।

आप का नजरिया

भारतीय रोजगार का करार

भारतीय कामगारों के लिए एक सुखद खबर है। रूस 10 लाख भारतीय कामगारों, कुशल और अद्र्धकुशल, को रोजगार देगा। भारत भी रूसी कामगारों को रोजगार के अवसर मुहैया कराएगा, लेकिन यह रूस की विकराल समस्या है। दोनों देशों के बीच 'श्रम गतिशीलता समझौता' तय हुआ है, उसी के तहत रूस भारतीयों को नौकरियां देगा। विदेश और श्रम मंत्रालयों ने इस करार की पुष्टि की है। मंत्री और मंत्रालय के स्तर पर शिखर संवाद हो चुका था। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच संवाद होने के बाद करार को हरी झंडी दे दी गई। अब यह यथाशीघ्र लागू हो जाएगा। रूस भारत के राजमिस्त्री, वेल्डर, आईटी इंजीनियर, नर्स के अलावा, निर्माण, तेल-गैस, कृषि, वस्त्र, बैंकिंग और स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में भी भारतीयों की सेवाएं लेगा। भारतीयों के रोजगार, नौकरियां सुरक्षित और कानूनन होंगी। कामगार एक देश से दूसरे देश में सहजता, सुगमता से आवाजाही कर सकेंगे। यही इस समझौते का मकसद और मर्म है। रूस अविलंब इस करार को लागू इसलिए करना चाहता है, क्योंकि यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों की पाबंदियों के कारण रूस में श्रम-संकट विकराल है। रोजमर्रा के काम भी ठप पड़े हैं। दूसरी ओर भारत में 65 फीसदी आबादी ऐसी है, जिसकी औसत उम्र 35 साल या उससे कम है। भारत में बेरोजगारी एक विकट और संवेदनशील समस्या है। रूस में ये नियुक्तियां और अनुबंध सरकार के स्तर पर किए जाएंगे। दरअसल इन नियुक्तियों को इमिग्रेशन, अर्थात अप्रवास, समझने की गलती न की जाए। नियुक्तियां जरूरत के मुताबिक अस्थायी अथवा दीर्घकालिक हो सकती हैं। रूस में भारतीय कामगार को सामाजिक सुरक्षा के अलावा बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं और कानूनी सुरक्षा एवं संरक्षण आदि भी दिए जाएंगे। रूस भारत की आईटीआई, इंजीनियरिंग की डिग्री और डिप्लोमा के अलावा पेशेवर कुशलता को भी मान्यता देगा, ताकि कामगारों को उचित रोजगार और मेहनताना आदि मिल सके। इस करार से भारत को कई फायदे होंगे। रोजगार तो उपलब्ध होगा ही। फिलहाल रूस में 1 लाख से अधिक भारतीय बसे हैं और वे विभिन्न व्यवसायों में काम कर रहे हैं। रूस के साइबेरिया वाले क्षेत्र में चीन के 3 लाख से अधिक कामगार और कारोबारी सक्रिय हैं। उन्होंने रूसी युवतियों से शादियां भी की हैं। रूस नहीं चाहता कि उसके एक सूबे में कोई विदेशी आबादी बढ़ती रहे और वह कुंडली मार कर जम जाए। रूस अपनी नस्ल भी खराब नहीं होने देना चाहता। हालांकि चीन रूस के 'परम मित्रों' में है, लेकिन नस्ल के आधार पर रूसी और चीनी में काफी फर्क हैं। यह भी एक कारण है कि रूस ने भारतीय कामगारों को रोजगार देने का निर्णय लिया है। ये कामगार रूस के कई इलाकों में फैले होंगे, लिहाजा आबादी के मद्देनजर वे एक बेहतर संतुलन साबित हो सकते हैं। दरअसल भारत के लिए रूस एक सार्थक बाजार बनकर उभरेगा। इस करार से हमारे देश के विदेशी मुद्रा भंडार को भी मजबूती मिलेगी, क्योंकि भारतीय कामगार रूस से पैसा कमा कर भारत भेजेंगे। रूस में भारत की अपेक्षा वेतनमान काफी अधिक है। करार के बाद भर्ती की प्रक्रिया बिल्कुल पारदर्शी होगी। एक आधिकारिक पोर्टल होगा। उसमें अवैध एजेंटों का धंधा बंद हो जाएगा और भारतीय युवाओं की जान जोखिम में नहीं पड़ेगी। सिर्फ यही नहीं, रूस में 'मेक इन इंडिया' के लिए भी बाजार मिलेगा। जब भारतीय कामगार रूस जाएंगे, तो भारतीय उत्पादों की मांग भी बढ़ेगी, लिहाजा हमारे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। हमारे कामगारों को राजमिस्त्री, बिजलीवाले, वेल्डर, पेंटर के काम खूब मिलेंगे, क्योंकि रूस में इनकी मांग बहुत है। तेल और गैस क्षेत्रों में काम करने के मौके मिलेंगे। आईटी और बैंकिंग में रूस को काफी प्रतिभाओं की जरूरत है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर भी रूस को काफी चाहिए। कुल मिला कर भारतीय कामगारों और पेशेवरों के लिए रूस 'नया अमरीका' साबित हो सकता है। खाड़ी देशों की भयंकर गर्मी और वहां की सामंती संस्कृति की तुलना में रूस एक बेहतर मंच साबित हो सकता है। यह करार लागू होने के बाद रूस का वीजा प्राप्त करने की प्रक्रिया अपेक्षाकृत आसान और सरल हो जाएगी। भारत और रूस के संबंध विश्व राजनीति में उस स्थिर मित्रता का उदाहरण है, जो समय, परिस्थितियों एवं वैश्विक दबावों के बावजूद कभी कमजोर नहीं हुई। मोदी ने स्वयं पुतिन का स्वागत किया, तो इसका मतलब है कि इस रिश्ते और दोस्ती में गहराई है। भारत और रूस को आपसी व्यापार भी बढ़ाना है तथा इसे भारत की दृष्टि से संतुलित भी करना है।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच संवाद होने के बाद करार को हरी झंडी दे दी गई। अब यह यथाशीघ्र लागू हो जाएगा। रूस भारत के राजमिस्त्री, वेल्डर, आईटी इंजीनियर, नर्स के अलावा, निर्माण, तेल-गैस, कृषि, वस्त्र, बैंकिंग और स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में भी भारतीयों की सेवाएं लेगा। भारतीयों के रोजगार, नौकरियां सुरक्षित और कानूनन होंगी। कामगार एक देश से दूसरे देश में सहजता, सुगमता से आवाजाही कर सकेंगे। यही इस समझौते का मकसद और मर्म है। रूस अविलंब इस करार को लागू इसलिए करना चाहता है, क्योंकि यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों की पाबंदियों के कारण रूस में श्रम-संकट विकराल है। रोजमर्रा के काम भी ठप पड़े हैं। दूसरी ओर भारत में 65 फीसदी आबादी ऐसी है, जिसकी औसत उम्र 35 साल या उससे कम है। भारत में बेरोजगारी एक विकट और संवेदनशील समस्या है। रूस में ये नियुक्तियां और अनुबंध सरकार के स्तर पर किए जाएंगे।

कुछ अलग

साहब की नींद...

साहब को नींद बहुत प्रिय है। बिस्तर पर तो सोते ही हैं, कई बार जरूरी मीटिंग में भी सो जाते हैं। अफसर बेचारे परेशान होते रहते हैं कि कितने ज्वलंत मुद्दे पर चर्चा के लिए साहब ने मीटिंग बुलाई थी और साहब खर्राटे भर रहे हैं। अफसरों को यह भी परेशानी है कि साहब उनकी जरूरी फाइलों पर साइन करने की बजाय पहले घर पर ले जाते हैं और फाइलों पर ही सो जाते हैं। महीना तक फाइलें घर से बाहर नहीं आती। सारी की सारी योजनाएं पेंडिंग रह जाती हैं, साहब की नींद इतनी गहरी और पवित्र है कि किसी को जगाने की हिम्मत नहीं। कोशिश भी की जाए तो साहब के पीए पहले ही हाथ जोडक़र संकेत दे देते हैं- 'शांत...साहब स्वप्नलोक में नीति-निर्माण कर रहे हैं।' शायद इसी स्वप्न में ही पुल बनते होंगे, सडक़ें चौड़ी होती होंगी, नए अस्पताल खुल जाते होंगे। हकीकत में तो फाइलें उठाने वाले चपरासी तक को पता नहीं कि आखिरी सिग्नेचर कब हुए थे। दफ्तर के बाहर लगी योजनाओं की सूची कई साल पहले की है, मगर साहब सो रहे हैं, इसलिए किसी को अपडेट करने की हिम्मत नहीं। कई बार तो ऐसा भी हुआ कि मीडिया वाले पूछने पहुंच गए, साहब विकास पर क्या कहना चाहते हैं? पीआरओ ने मुस्कुराकर कहा- 'अभी फिलहाल साहब आराम में हैं, कल बताएंगे।' कल आया, पर साहब नहीं। सुना है उस दिन दोपहर के भाषण से पहले भी झपकी में कुछ सुधारात्मक नीतियों के सपने देख रहे थे। अफसरों ने सोचा साहब को पेप्सी-कॉफी देकर जगाया जाए, पर कॉफी पीते-पीते भी साहब को नींद आ गई। लोगों ने कहा ये प्रतिभा जन्मजात है। आम आदमी तो बिस्तर पर डालो तब सो पाता है, हमारे साहब बैठक टेबल से लेकर प्रेसवार्ता तक कहीं भी अपनी निद्रा-योग साध लेते हैं।

दृष्टि कोण

बाढ़ व सूखा संकट से रक्षा के अभिनव प्रयास

किसी भी क्षेत्र में बाढ़ या सूखे के संकट के पीछे अनेक कारक होते है। वर्षा बहुत होगी या कम, अचानक बहुत तेजी से बरसेगी या ऐन मौके पर रूठ जाएगी, इस पर लोगों का नियंत्रण नहीं है। पर इतना जरूर है कि वे यदि जल व मिट्टी संरक्षण के सतत प्रयास करते रहें तो यह दोनों ही संकट व उपजी क्षति को बहुत कम अवश्य किया जा सकता है। यदि एक क्षेत्र के सैकड़ों गांव अपने प्राकृतिक वर्षा जल के बहाव के क्षेत्रों को गंदगी व अवरोधों से मुक्त रखते हैं व इनमें गड्ढे कर इनमें अधिक वर्षा के जल को रोक लेते हैं; चेक डैम आदि निर्माण करते हैं; अधिक वृक्षों व मेढ़बंदी से मिट्टी व पानी को रोकते हैं। तालाबों जैसे जलस्रोतों की नियमित सफाई कर इनकी वर्षा के जल ग्रहण करने की क्षमता को बनाए रखते हैं या बढ़ाते हैं तो इस क्षेत्र में अधिक वर्षा होने पर अधिकांश पानी भली-भांति समा जाएगा। इससे बाढ़ उत्पन्न करने की समस्या कम होगी। दूसरी ओर बाद के महीनों में जल संकट भी कम होगा क्योंकि विभिन्न स्रोतों से अधिक जल एकत्र हो चुका होगा। इस कारण जल-स्तर भी ठीक बना रहेगा, हैंडपंप व कुएं आदि में जल उपलब्ध रहेगा। इस तरह जल-स्रोतों व छोटी-बड़ी नदियों की रक्षा के अनुकूल भी स्थितियां उत्पन्न होंगी। वहीं दूसरी ओर इन सभी कार्यों की उपेक्षा से मामूली वर्षा तेजी से बहुत सी मिट्टी को भी बहा ले जाएगी और बाढ़ का संकट उत्पन्न करेगी। दूसरी ओर चूंकि विभिन्न स्रोतों व भूजल के रूप में बहुत कम जल संरक्षित हुआ है, अतः मानसून के बाद के महीनों में जल-संकट उपस्थित हो जाएगा। सूख रहे तालाबों पर अतिक्रमण भी होने लगेगा। छोटी नदियां भी संकटग्रस्त हो जाएंगी। अतः स्पष्ट है कि वर्षा की मात्रा, बांध, तटबंध आदि चर्चित कारकों से अलग आपदाओं से रक्षा में एक बड़ी भूमिका आम लोगों, विशेषकर गांववासियों के जल-संरक्षण से जुड़े प्रयासों की है। जहां ये काम निरंतरता-निष्ठा व सूझबूझ से होंगे, वहां आपदाओं का प्रकोप भी कम हो सकेगा। मरखेड़ा गांव (जिला टीकमगढ़, मध्य प्रदेश) एक समय जल संकट से बहुत परेशान था। हैंडपंप, कुएं सभी स्रोतों में पानी

बहुत कम मिल रहा था। पानी जुटाने में महिलाओं की कठिनाइयां बहुत बढ़ गई थीं। तब सामाजिक कार्यकर्ता मंगल सिंह ने उपाय सुझाया कि प्राकृतिक जल बहाव मार्ग में सावधानी से स्थान चुनकर निर्धारित गहराई व आकार के गड्ढे बना दिए जाएंगे तो भू-जल स्तर सुधारा जा सकता है। गांववासियों ने उत्साह से यही किया व जो मिट्टी खोदी गई उसका उपयोग मेढ़ बनाने में किया। इसका बहुत सार्थक परिणाम मिला तो गांववासियों ने टूट-फूट रहे चेक डैम की मरम्मत भी कर ली। बहुत सा वृक्षारोपण भी किया। अतः बहुत कम खर्च पर ही गांव का जल-संकट दूर करने में उल्लेखनीय सफलता मिली। कुछ किसानों की उत्पादकता 50 प्रतिशत तक बढ़ गई।

इसी राज्य के जल संकटग्रस्त नदना गांव (जिला शिवपुरी) में ढलानदार भूमि में वर्षा का जल और भी तेजी से बह जाता था और मिट्टी भी अधिक काटता था। खेती की उत्पादकता कम हो गई थी व प्रवासी मजदूरी पर निर्भरता बढ़ रही थी। यहां भी जल-संरक्षण के प्रयास आरंभ हुए व जल प्रवाह के नाले में लगभग 80 स्थानों पर गड्ढे बनाए गए। खेत-तालाब, गेवियन किस्म के चेक डैक बनाए गए। इससे भू-जल स्तर में बहुत सुधार हुआ, लोगों को कुओं व हैंडपंप में पर्याप्त पानी मिलने लगा। पशु-पक्षियों को जल-स्रोतों में वर्ष भर पर्याप्त पानी मिलने लगा। घास-चारा भी अधिक उपलब्ध होने लगा। कृषि उत्पादकता भी बढ़ी। भूमि कटाव रुका व मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर हुई है। राजस्थान के करौली जिले के मकनपुर स्वामी गांव में जल-संकट से त्रस्त गांववासियों के प्रयासों के बाद जब जल-स्रोतों की सफाई से प्राप्त उपजाऊ मिट्टी किसानों को उनके खेतों के लिए प्राप्त हुई तो पथरीली, खनन-प्रभावित भूमि पर भी फसल लहलहाने लगी।

मसूद अजहर की बहन सईदा संभाल रहीं 5,000 महिला फिदायीन आंतकी ब्रिगेड की जिम्मेदारी

करांची, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत के ऑपरेशन सिंदूर में गंवा चुका है सब कुछ

भारत के ऑपरेशन सिंदूर में अपना सब कुछ गंवा चुके आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना ने हाल ही में जैश की महिला विंग को लेकर कई बड़े दावे किए हैं। आंतकी मसूद अजहर का दावा है कि इस महिला विंग में अब तक 5,000 महिलाओं की भर्ती हो चुकी है। अजहर ने कहा, इन महिलाओं को कथित तौर पर सुसाइड मिशन के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे पहले आतंकी अजहर ने अक्टूबर में जैश की महिला ब्रिगेड, जमात-उल-मोमिनात तैयार करने की घोषणा की थी। बताया जा रहा है कि महिला ब्रिगेड की जिम्मेदारी मसूद अजहर की बहन सईदा देख रही है। मसूद अजहर ने हाल ही में सोशल मीडिया पोस्ट में खुलासा किया है कि जमात-उल-मोमिनात का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। इसी के साथ मसूद अजहर ने बताया कि बीते कुछ हफ्तों में 5,000 से अधिक महिलाएं इस समूह में शामिल हो चुकी हैं। अजहर ने कहा है कि भर्ती और ट्रेनिंग को सुविधाजनक बनाने के लिए पाक अधिकृत कश्मीर के कई जिलों में समूह का विस्तार किया गया है। मसूद अजहर के मुताबिक हर जिले में एक महिला प्रमुख, जिस मुंतजिमा कहा जाएगा के नेतृत्व में एक दफ्तर बनाया जाएगा, जो विंग की गतिविधियों पर नजर रखेगी।

ऑन लाइन हो रही महिलाओं की भर्ती - इससे पहले जैश-ए-मोहम्मद ने महिलाओं की भर्ती के लिए ऑनलाइन जिहादी कोर्स भी शुरू किया था जिसका नाम तुफात अल-मुमिनात रखा गया है। जैश ने इस कोर्स के हर महिला के लिए 500 रुपये की फीस भी निर्धारित की है। जानकारी अनुसार पाकिस्तान में चरमपंथी गुट महिलाओं का सिर्फ बाहर जाना ठीक नहीं माना जाता इसलिए जैश अब महिलाओं की भर्ती के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहा है ताकि वह आईएसआईएस, हमास और लिट्टे की तर्ज पर महिला आतंकी ब्रिगेड बना सके और फिदायीन हमलों के लिए उनका इस्तेमाल कर सके।

न्यूज ब्रीफ

यूक्रेन संकट पर अहम बैठक : 8 दिसंबर को लंदन में जेलेंस्की, स्टार्मर और मर्ज से मिलेंगे मैक्रों

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की है कि वह 8 दिसंबर को लंदन की यात्रा करेंगे, जहां उनकी मुलाकात यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर और जर्मनी के चांसलर फ्रेड्रिक मर्ज से होगी। बैठक का उद्देश्य यूक्रेन की स्थिति, अमेरिकी मध्यस्थता में जारी वार्ताओं और सुरक्षा गारंटी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना है। मैक्रों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि यूक्रेन फ्रांस पर 'अटूट समर्थन' के लिए भरोसा कर सकता है। उन्होंने बताया कि यह सहयोग 'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' के प्रयासों का हिस्सा है, जिसके तहत अमेरिका के साथ मिलकर यूक्रेन को दीर्घकालिक सुरक्षा गारंटी प्रदान करने की दिशा में काम किया जा रहा है। उनके अनुसार, यूक्रेन में शांति केवल तभी संभव है जब उसके लिए मजबूत और विश्वसनीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, क्योंकि यह पूरे यूरोप की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। रूस द्वारा हाल ही में यूक्रेन की ऊर्जा और रेल संरचना पर किए गए हमलों की मैक्रों ने कठोर शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि रूस 'तनाव बढ़ाने की राह पर है' और शांति की कोशिश नहीं कर रहा, इसलिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाए रखना आवश्यक है। उधर, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के अनुसार, रूस की सैन्य गतिविधियों के चलते यूक्रेन के कई क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई है। यहां तक कि ज़ापोरिज़्झिया परमाणु संयंत्र को भी रात में कुछ समय के लिए बाहरी बिजली आपूर्ति से कट जाना पड़ा।

यूएसएसआर के बंटवारे के बाद भी कैसे ताकतवर रहा रुस.........अमेरिका के अरमानों पर किस तरह फिरा पानी

लंउन। दूसरे विश्व युद्ध के बाद दुनिया में दो ही ताकतें बची थी, अमेरिका और सोवियत संघ (यूएसएसआर)। लेकिन एक-दूसरे के पछाड़ने के लिए दोनों परमाणु हथियार बनाने लगे, जासूसी करने लगे, और देशों को अपने-अपने पाले में लाने में जुट गए। ये शीत युद्ध का दौर था। इसके खत्म होते-होते सोवियत संघ 15 आजाद देशों में बांटा। अब अमेरिका के सामने कमजोर प्रतिद्वंद्वी होना था, लेकिन बंटवारे के बाद भी रूस उस हद तक कमजोर नहीं पड़ा, बल्कि यूएस को आंख दिखाता रहा। यूगोस्लाविया को ही लें, तब नब्बे के दौर में यह देश टूटकर 7 छोटे देशों में बंट गया। बंटवारे से पहले यूगोस्लाविया एक मजबूत सैन्य शक्ति था, जिसकी यूरोप में पूछ थी। लेकिन विभाजन के बाद सारे ही देशों की इकनॉमी सिकुड़ गई। गृह जंग चलने लगा और अंतरराष्ट्रीय असर कई गुना कम हो गया। 35 साल से ज्यादा वक्त बाद भी टूटे हुए देशों की ताकत वैसी नहीं, जैसी यूगोस्लाविया की थी। लेकिन माना गया था कि सोवियत का बंटवारा भी यही करेगा। 15 हिस्सों में बड़े देश में रूस सबसे बड़ा था और यही विरासत संभाल रहा था। अमेरिका की नजर थी कि अब ये भी मुकाबले से जाएगा और वहां दुनिया की अकेली ताकत बनकर रहेगा। यही वहां वक्त था जिसे यूनिपोलर मूमेंट कहा गया। इसके बावजूद रूस पूरी तरह नहीं टूटा, बल्कि आने वाले दशकों में वह मजूबत आर्थिक और सैन्य शक्ति ही दिखा।

चीन का तीन पतवारों वाले जहाज ने चौंकाया, यह सतह और पानी में लगा सकता है गोता

बीजिंग। दुनिया ने पहली बार चीन की एक रहस्यमय ट्राइमारन यानी तीन पतवारों वाला जहाज देखा। इस

तस्वीर में जहाज पानी में तैरता दिख रहा है और विशेषज्ञों के मुताबिक इसे ग्वांगझोउ प्रांत के हुआंग पु शिपयार्ड में देखा गया है। हालांकि इसका उद्देश्य अभी भी साफ नहीं है, लेकिन डिजाइन और विशेषताओं से इसे सामान्य सतही जहाज नहीं कहा जा सकता। यह जहाज सतह पर भी जा सकता है और जरूरत पड़ने पर पानी के अंदर भी गोता लगा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्राइमारन की काली पेंटेड बॉडी में सतही जहाज और सबमरीन दोनों के संकेत हैं। पीछे मौजूद प्रॉपल्सर पम्प जेट सिस्टम जैसा दिखता है, जो लंबी दूरी तय करते समय कम आवाज करता है।

बलूचिस्तान में प्रतिबंधित संगठन बीआरए के 100 से ज्यादा विद्रोहियों का आत्मसमर्पण

क्वेटा, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में आजादी की मांग कर रहे एक प्रतिबंधित संगठन के 100 से ज्यादा विद्रोहियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इस संगठन का नाम बलोचिस्तान रिपब्लिकन आर्मी (बीआरए) है। बीआरए राज्य में बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे अन्य समूहों के साथ मिलकर अलग राष्ट्र बनाने की मांग का समर्थन करता है। पाकिस्तान की सेना ने शनिवार को बताया कि हथियार डालने वालों में वरिष्ठ कमांडर भी शामिल है। इस घटचना को अशांत प्रांत में सुरक्षा और सुलह की कोशिश के लिए एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि इसके अलावा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खात्मे के लिए जारी अभियान के तहत पांच दिसंबर को डेरा बुगती में पांच विद्रोहियों को मार गिराया गया। पाकिस्तान की सेना का आरोप है कि टीटीपी को भारत मदद करता है। आईएसपीआर ने साफ किया है कि डेरा बुगती के सुई में आत्मसमर्पण करने वालों में बीआरए के ब्राहमदाग बुगती गुट के कमांडर वडेरा नूर अली चकरानी ने 100 से ज्यादा पूर्व आतंकवादियों के साथ अपने हथियार डाल दिए। इस समूह ने राष्ट्रीय झंडा फहराया और मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लिया।

रिपोर्ट के अनुसार, इस अवसर पर बुगती ने आसपास के पहाड़ी इलाकों में छिपे हुए अन्य आतंकवादियों से हिंसा छोड़ने और राज्य की मुख्यधारा में लौटने की अपील की। सुई टाउन के चेयरमैन इज्जतुल्लाहअमन बुगती ने बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री के नजरिए की तारीफ की। अधिकारियों का कहना है कि चक रानी जनजाति के सदस्यों को मुख्यधारा में लाना बीआरए के लिए मनोवैज्ञानिक झटका है। बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने कमांडर और उन सभी लोगों को बधाई दी, जिन्होंने शांतिपूर्ण जीवन में लौटने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि वडेरा नूर अली चकरानी और उनके 100 से अधिक साथियों का यह फैसला सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह एक साफ संदेश है कि राज्य ने बातचीत के दरवाजे कभी बंद नहीं किए हैं। इस बीच द बलोचिस्तान पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए जाफर एक्सप्रेस और बोलन मेल एक बार फिर रद्द कर दिया गया है। दोनों ट्रेनों को जैकबाबाद पहुंचते ही रद्द किया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। स्थिति की समीक्षा की जा रही है। स्थिति सामान्य होते ही वे रेल सेवा बहाल होने की जानकारी दी जाएगी।

तुर्किये के दक्षिण-पूर्वी उस्मानिये प्रांत में भीषण सड़क दुर्घटना में कम से कम 7 लोगों की मौत

अंकारा। तुर्किये के दक्षिण-पूर्वी उस्मानिये प्रांत में शनिवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गयी और 11 घायल हो गए। यह हादसा बहचे जिले के पास उस समय हुआ जब एक यात्री बस सड़क किनारे पंक्चर होने के कारण खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई। अधिकारियों के अनुसार, टक्कर के बाद हाईवे को बंद करना पड़ा। ट्रक चालक को हिरासत में लिया गया है, जबकि राहत दल हादसे में क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने में जुटे हैं। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। तुर्किये में सड़क हादसे आम हैं। 2024 में अब तक 2,713 लोगों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं इस्तांबुल, अंकारा और इज़मिर में हुईं। हाल के महीनों में भी कई गंभीर बस दुर्घटनाएँ हुईं जुलाई में सिवास प्रांत में 4 मौतें और 33 घायल, वहीं अक्टूबर में अक्साराय प्रांत में एक बस पलटने से 7 लोगों की मौत हुई थी।

भारत से लौटते ही पुतिन के खिलाफ साजिश करने लगे यूरोपीय देश

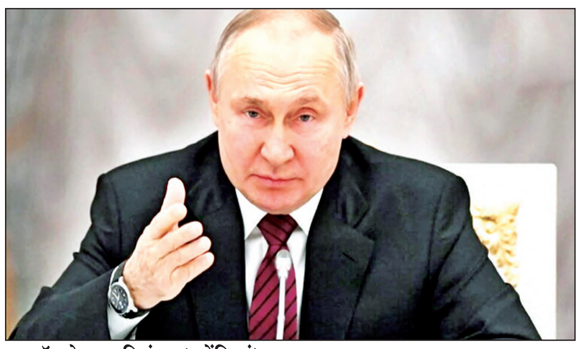

मॉस्को, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत की यात्रा से लौटते ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ यूरोपीय देश साजिश में जुट गए हैं। दुनिया की सबसे संपन्न लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्थाएं रूस के समुद्री तेल व्यापार पर अपने अब तक के सबसे कठोर कदम की तैयारी में लग गई हैं। दरअसल यूरोपीय संघ (ईयू) और जी7 देश रूस के खिलाफ एक नई महासाजिश रच रहे हैं जिसके तहत ये देश रूसी तेल निर्यात पर पूर्ण समुद्री बैन लगाने की योजना बना रहे हैं। यह कदम रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था को सीधा निशाना बनाएगा, क्योंकि तेल रूस के केंद्रीय बजट का लगभग एक-चौथाई हिस्सा मुहैया कराता है। एक विशेष रिपोर्ट के अनुसार, यह योजना रूसी तेल की कीमत सीमा (प्राइस कैप) को पूरी तरह समाप्त कर देगी और पश्चिमी टैंकरों, बीमा तथा झंडियों के उपयोग पर रोक लगा देगी। क्या यह वैश्विक तेल बाजार में भूचाल लाएगा आइए पूरे घटनाक्रम को विस्तार से समझते हैं। रिपोर्टस में दावे किए जा रहे हैं कि जी7 देशों और यूरोपीय संघ ने रूसी कच्चे तेल के लिए समुद्री सेवाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने पर विचार शुरू कर दिया है। यह कदम पश्चिमी जहाजों और बीमा सेवाओं को रोक देगा, जो अभी भी रूस के तेल निर्यात का बड़ा हिस्सा ढो रहे हैं। 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद जी7 देशों (अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान) और ईयू ने रूसी तेल आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। लेकिन पूरी तरह बंद करने के बजाय, उन्होंने एक चालाक तंत्र अपनाया- प्राइस कैप। इसके तहत रूसी कच्चे तेल की कीमत 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रखने पर पश्चिमी शिपिंग और बीमा सेवाएं उपलब्ध रहती हैं। इससे रूस को तेल बेचने में दिक्कत तो हुई, लेकिन पूरी तरह रुकावट नहीं लगी। समय के साथ रूस ने इसे चकमा दिया। मॉस्को ने शैडो फ्लीट नामक एक गुप्त जहाजी बेड़ा विकसित किया- पुराने, बिना पश्चिमी नियमन वाले टैंकर जो ईरान और वेनेजुएला जैसे देशों से प्रेरित हैं। सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि जी7 और ईयू अब प्राइस कैप को ताक पर रखकर पूर्ण समुद्री सेवाओं प्रतिबंध (फुल मारिटाइम सर्विसेज बैन) लाने की बात कर रहे हैं। इसका मतलब रूसी तेल या ईंधन को ले जाने वाले किसी भी जहाज को पश्चिमी टैंकर, बीमा या पंजीकरण सेवाएं नहीं मिलेंगी - चाहे वह कहीं भी जा रहा हो।

महात्मा गांधी की प्रतिमा के शुरुआती डिज़ाइन का एक 27 सेंटीमीटर ऊँचा कांस्य मिनिएचर होगा नीलाम

लंदन। ब्रिटेन में लंदन के प्रतिष्ठित टैविस्टॉक स्क्वायर में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा के शुरुआती डिज़ाइन का एक 27 सेंटीमीटर ऊँचा कांस्य मिनिएचर मॉडल अगले सप्ताह इंग्लैंड में नीलामी के लिए रखा जाएगा। इसकी अनुमानित कीमत 6,000 से 8,000 पाउंड तय की गई है ।यह मॉडल पोलिश मूर्तिकार फ्रेडा ब्रिलिएंट द्वारा तैयार उस मूल विज़न का पहला और पूरा रूप माना जाता है, जिसके आधार पर 1968 में ब्लूम्सबरी स्थित टैविस्टॉक स्क्वायर में गांधी प्रतिमा स्थापित की गई थी। सितंबर 2024 में इसी प्रतिमा के प्लिंथ पर 'रेस-एग्रेवेटेड' ग्रैफिटी से निशाना बनाया गया था, जिसे गांधी जयंती (2 अक्टूबर) से पहले साफ किया गया। वूली एंड वालिस नीलामी घर के अनुसार, फ्रेडा ब्रिलिएंट ने 1949 में गांधी की मूर्ति बनाने का विचार रखा था, लेकिन उन्हें टैविस्टॉक स्क्वायर के स्मारक के लिए 1960 के दशक में नियुक्त किया गया। उन्होंने गांधी की तीन मुद्राओं खड़े हुए, चलते हुए और बैठी हुई पर काम किया। अंतत: ध्यानमग्न पद्मासन मुद्रा को 'परंपरागत और अंतरंग' बताते हुए चुना गया।

जकार्ता बना दुनिया का सबसे बड़ा शहर, टोक्यो को छोड़ा पीछे

टोक्यों, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता अब दुनिया का सबसे बड़ा शहर बन गया है। संयुक्त राष्ट्र की ताज़ा रिपोर्ट वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 ने वैश्विक शहरी आबादी की एक नई तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 4 करोड़ 19 लाख की आबादी के साथ जकार्ता ने दशकों तक पहले स्थान पर रहे जापान के टोक्यो को पीछे छोड़ दिया है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका 3 करोड़ 66 लाख आबादी के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि टोक्यो अब तीसरे नंबर पर खिसक गया है। भारत की राजधानी नई दिल्ली लगभग 3 करोड़ 2 लाख लोगों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गई है और टॉप-3 से बाहर हो गई है।

यह बदलाव वैश्विक शहरीकरण की तेज रफ्तार और एशिया के बढ़ते प्रभुत्व का संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार 2025 में दुनिया की 8.2 अरब आबादी में से 80 प्रतिशत लोग शहरों में रहेंगे, जो 1950 की तुलना में कई गुना अधिक है। 1975 में जहां दुनिया में केवल 8 मेगासिटी थीं, वहीं आज यह संख्या बढ़कर 33 हो गई है और इनमें से 19 एशिया में हैं। रिपोर्ट का यह विश्लेषण नई भू-आधारित तकनीक डिग्री ऑफ अर्बनाइजेशन पर आधारित है, जो राष्ट्रीय सीमाओं के बजाय 1,500 से अधिक घनत्व वाली बस्तियों को वास्तविक शहरी क्षेत्र मानकर मापन करती है। इसी नई पद्धति के कारण टोक्यो, जो पुराने मानदंडों के अनुसार वर्षों तक सबसे बड़ा शहर माना जाता था, अब तीसरे स्थान पर आ गया है। जकार्ता का तेजी से बढ़ना आर्थिक विकास, ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर प्रवास और जन्म दर में वृद्धि का परिणाम है, हालांकि यह शहर बाढ़, समुद्र स्तर बढ़ने और अवसंरचनात्मक दबाव जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है।

इंडोनेशिया सरकार राजधानी को बोरनियो स्थित नुसंतारा में स्थानांतरित करने की योजना पर काम कर रही है, ताकि जकार्ता पर बोझ कम किया जा सके। ढाका का विकास भी उतना ही उल्लेखनीय है। 1971 में स्वतंत्रता के बाद, कपड़ा उद्योग और बड़ी मात्रा में प्रवास ने इसे दुनिया के सबसे घने शहरों में बदल दिया। अनुमान है कि 2050 तक इसकी आबादी 5 करोड़ के पार जा सकती है। वहीं, टोक्यो की गिरावट जापान में घटती जन्मदर और वृद्ध आबादी का परिणाम है, जिसके कारण आने वाले वर्षों में इसकी जनसंख्या और कम होने का अनुमान है। यह शहर द्वितीय विश्व युद्ध के विनाश से उभरकर आर्थिक चमत्कार बना था, लेकिन अब जनसांख्यिकीय गिरावट उसके भविष्य को चुनौती दे रही है।

जंगली या फेरल बिल्लियों के बढ़ते खतरे से जूझ रहा न्यूजीलैंड

वैलिग्टन, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

आजकल न्यूजीलैंड जंगली या फेरल बिल्लियों के बढ़ते खतरे से जूझ रहा है। इसकी गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सरकार ने इन शिकारी बिल्लियों को खत्म करने की राष्ट्रीय योजना बनाई है। लक्ष्य है कि अगले ढाई दशक यानी वर्ष 2050 तक देश से इन जंगली बिल्लियों का पूरी तरह सफाया कर दिया जाए।

संरक्षण मंत्री तमा पोटाका ने इन बिल्लियों को 'स्टोन कोल्ड किलर्स' बताया और स्पष्ट किया कि अभियान में केवल फेरल कैट्स को निशाना बनाया जाएगा, घरेलू पालतू बिल्लियों को कोई खतरा नहीं है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार न्यूजीलैंड में इस समय 25 लाख से अधिक फेरल बिल्लियां मौजूद हैं। ये सामान्य पालतू बिल्लियों से अलग होती हैं और मनुष्यों से दूरी बनाकर रखती हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक ये अत्यधिक आक्रामक और शिकारी स्वभाव की होती हैं तथा भोजन की आवश्यकता से कहीं अधिक शिकार करती हैं। यही कारण है कि इन्हें जैव विविधता के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जा रहा है।

पोटाका ने बताया कि इन बिल्लियों ने देश की कई दुर्लभ प्रजातियों को लगभग समाप्ति की कगार पर पहुंचा दिया है। उदाहरण के तौर पर स्टुअर्ट द्वीप पर दक्षिणी डॉटरेल नामक पक्षी लगभग खत्म हो चुका है। वहीं, उत्तरी द्वीप के ओहाकुने इलाके में पिछले एक हफ्ते में 100 से ज्यादा चमगादड़ों को इन बिल्लियों ने मौत के घाट उतार दिया। न्यूजीलैंड की बेहद अनोखी जलवायु और पर्यावरण के कारण यहां ऐसे जीव पाए जाते हैं जो दुनिया में कहीं और नहीं मिलते।

इसी कारण सरकार ने 'प्रिडेटर फ्री 2050' नामक कार्यक्रम चलाया था, जिसके तहत आक्रामक और बाहरी शिकारी प्रजातियों को खत्म करने की योजना बनाई गई थी। अब फेरल बिल्लियों को भी इसी सूची में शामिल कर लिया गया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि ये जंगली बिल्लियां आकार में बड़ी होती हैं और इनका वजन 7 किलो तक हो सकता है। जंगलों, पहाड़ियों और कृषि क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ये आसानी से दिखाई देती हैं। पर्यावरणीय खतरे के अलावा इन्हें इंसानों और पशुओं के लिए स्वास्थ्य जोखिम भी माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार ये बिल्लियां टॉक्सोप्लाजमोसिस नामक बीमारी फैलाती हैं, जिससे मनुष्यों की प्रतिरक्षा प्रणाली प्रभावित होती है और दुधारू पशुओं के उत्पादन पर भी बुरा असर पड़ता है।

एशेज का रोमांच और बॉक्सिंग डे टेस्ट की परंपरा : 26 दिसंबर को क्यों होता है दुनिया का सबसे खास मुकाबला

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट मुकाबला ब्रिस्बेन में पिंक बॉल के साथ खेला जा रहा है, और मैच का रोमांच चरम पर है। पर्थ में हुआ पहला टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीतकर पांच मैचों की इस प्रतिष्ठित सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की थी। दोनों टीमों के बीच यह ऐतिहासिक मुकाबला अब मेलबर्न की ओर बढ़ रहा है, जहां 26 दिसंबर से चौथा टेस्ट मैच खेला जाएगा, जिसे क्रिकेट जगत में 'बॉक्सिंग डे टेस्ट' के नाम से जाना जाता है। क्रिकेट प्रेमियों के बीच यह मुकाबला केवल एक टेस्ट मैच नहीं, बल्कि एक परंपरा, एक उत्सव और खेल संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। हालांकि नाम सुनकर कई लोगों के मन में आता है कि इसका संबंध मुक्केबाजी से है, लेकिन बॉक्सिंग डे का संबंध बिल्कुल अलग और भावनात्मक परंपरा से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि क्रिसमस के अगले दिन यानी 26 दिसंबर को ब्रिटेन में उन लोगों को छुट्टी दी जाती थी जो पूरे त्योहारी दिन काम करते थे जैसे घरेलू सहायक, पोस्टमैन, डिलीवरी कर्मचारी या जरूरतमंद कामगार। उन्हें एक बॉक्स में गिफ्ट या बोनस दिया जाता था, इसलिए इसे 'बॉक्सिंग डे' कहा गया। वहीं दूसरी मान्यता यह बताती है कि क्रिसमस पर चर्च में गरीबों के लिए दान का एक बॉक्स रखा जाता था जिसे अगले दिन खोला जाता था और इसकी सामग्री जरूरतमंदों में वितरित की जाती थी। इस परंपरा में 'गिफ्ट बॉक्स' का भाव महत्वपूर्ण था मुक्केबाजी का कोई संबंध नहीं। यही कारण है कि जब 26 दिसंबर से शुरू होने वाले टेस्ट मैच खेले जाने लगे तो उन्हें 'बॉक्सिंग डे टेस्ट' का नाम दिया गया। बॉक्सिंग डे टेस्ट की शुरुआत 1892 में मेलबर्न में खेले गए शेफील्ड शील्ड मुकाबले से हुई थी। बाद में ऑस्ट्रेलिया ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाया और यूके, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने भी इस तारीख को टेस्ट मैच आयोजित करने की परंपरा अपनाई। हालांकि नियमित रूप से हर साल बॉक्सिंग डे टेस्ट आयोजित करने की परंपरा आज भी सबसे दृढ़ता से ऑस्ट्रेलिया ही निभा रहा है। बॉक्सिंग डे टेस्ट की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हर साल मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में रिकॉर्ड दर्शक जुटते हैं। पिछले वर्ष भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए बॉक्सिंग डे टेस्ट में दर्शकों की उपस्थिति ने नया रिकॉर्ड बनाया था।

न्यूज ब्रीफ

साड़ी में मैदान पर उतरकर फुटबॉल को नई उड़ान दे रही बांकुड़ा की कोच भारती

बांकुड़ा। बांकुड़ा के छातनार दुमदुम इलाके की विवाहिता भारती मुदी ने ग्रामीण समाज की परंपरागत सोच को चुनौती देते हुए फुटबॉल में नया मुकाम स्थापित किया है। पहले समाज ने उनके फुटबॉल खेलने के जुनून पर रोक लगा दी थी, लेकिन आज भारती मुदी आदिवासी लड़कियों को प्रशिक्षित कर उनके फुटबॉल के सपनों को पंख दे रही हैं। भारती मुदी अब गोवा, चंडीगढ़ और भुवनेश्वर तक अपनी टीम के साथ जीत की गूंज फैला चुकी हैं। रसोई से कोचिंग ग्राउंड तक का उनका सफर अनोखा और प्रेरणादायक है, जिसने दूर दराज के गांवों में रहने वाली लड़कियों के सपनों को भी नई दिशा दी है। रविवार सुबह इलाके के ही एक मैदान में फुटबॉल खेलते हुईं भारती मुदी नजर आईं। उन्होंने बताया कि 'मेरी कोशिश है कि गाँव की लड़कियों को खेल के प्रति प्रेरित किया जाए और उनके सपनों को पंख दिए जाएं।' बांकुड़ा की इस साड़ी पहनने वाली 'कोच भारती' ने साबित कर दिया कि अगर जूनून हो तो कोई भी सीमा बाधा नहीं बन सकती। आज वह बंगाल के फुटबॉल को नए सिरे से जीवित कर रही हैं और ग्रामीण लड़कियों को खेल में आगे बढ़ने का मौका दे रही हैं।

शक्ति और संकल्प का खेलः वेटलिफ्टिंग में भारत की बढ़ती ताकत

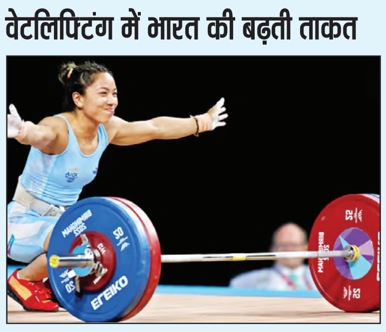

नई दिल्ली। वेटलिफ्टिंग सिर्फ वजन उठाने का खेल नहीं, बल्कि यह ताकत, संतुलन और मानसिक दृढ़ता की गहरी परीक्षा है। इसमें मुख्य रूप से स्नैच और क्लीन एंड जर्क दो तकनीकें शामिल होती हैं, जिनके लिए मजबूत मांसपेशियां, लचीला शरीर और आत्मविश्वास जरूरी होता है। आज यह खेल ओलंपिक का एक प्रतिष्ठित हिस्सा है, लेकिन इसकी शुरुआत प्राचीन काल में ताकत मापने की परंपरा से हुई थी। पुराने समय में योद्धा और सैनिक अपनी क्षमता साबित करने के लिए भारी पत्थरों और वस्तुओं को उठाते थे। धीरे-धीरे यह प्रतियोगिता का रूप लेकर ग्रीस, चीन, मिस्र और मेसोपोटामिया सहित कई देशों में लोकप्रिय हो गई। 19वीं शताब्दी के अंत तक यह एक अंतरराष्ट्रीय खेल के रूप में स्थापित हो चुका था। 1896 के एथेंस ओलंपिक में पहली बार वेटलिफ्टिंग को शामिल किया गया। हालांकि कुछ वर्षों 1900, 1908 और 1912 के दौरान इसे जगह नहीं मिली, लेकिन बाकी सभी ओलंपिक में यह लगातार खेला जाता रहा है। भारत ने इस खेल में आधिकारिक रूप से 1936 बर्लिन ओलंपिक में कदम रखा, जब एक साल पहले 1935 में भारतीय भारोत्तोलन महासंघ की स्थापना हुई थी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने इस खेल में अपनी पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए। महिलाओं ने वेटलिफ्टिंग में 2000 सिडनी ओलंपिक के बाद हिस्सा लेना शुरू किया, और इसी ओलंपिक में भारत की कर्णम मल्लेश्वरी ने 54 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज जीतकर इतिहास रच दिया। उनके बाद 2020 टोक्यो ओलंपिक में मीराबाई चानू ने 49 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया और वेटलिफ्टिंग के प्रति नई प्रेरणा जगाई।

अलग-अलग कोच की मांग रखने वालों पर बरसे गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट और सीमित ओवरों के प्रारुप में

अलग-अलग कोच रखने की बात करने वालों को आड़े हाथों लिया है। गंभीर ने एकदिवसीय प्रारुप में टीम की जीत के बाद लाल और सफेद गेंद के प्रारुपों में अलग-अलग कोच रखे जाने की बातों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि इस प्रकार के बचान देने वाले अपनी सीमा में रहें। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद कुछ लोगों ने कहा था कि दोनो ही प्रारुपों में अलग-अलग कोच होने चाहिये। इसपर गंभीर ने नाराजगी जतायी है। गंभीर ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को 2-1 से जीतने के बाद कहा, टेस्ट में परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि किसी भी मीडिया कर्मी ने एक बार भी यह नहीं कहा कि हमें पहले टेस्ट में कप्तान शुभमन गिल की गर्दन में अकड़न के बाद दूसरी पारी में उनके बिना उतरना पड़ा था। गंभीर ने कहा, कुछ टीम मालिकों ने भी अलग-अलग कोच बनाये जाने की राय रखी है।

भारतीय टीम से माफी मांगने से दक्षिण अफ्रीकी कोच का इंकार, अपने बयान पर है पछतावा

विशाखापट्टनम, 07 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के मुख्य कोच शुकरी कोनराड ने कहा है भारतीय टीम के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के बाद दिये गये अपने विवादास्पद बयान पर उन्हें खेद है पर वह माफी नहीं मांगेंगे। पहले टेस्ट में मिली जीत के बाद कोनराड ने अति उत्साहित होकर भारतीय टीम के लिए ग्रोवेल शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसका मतलब किसी को घुटने के बल लाना होता है जिससे दोनो ही देशों के दिग्गजों ने कड़ी आजोचना की थी। वहीं इस पर अब उन्होंने अपनी ओर से सफाई देते हुए कहा है कि उनको इस शब्द का प्रयोग नहीं करना चाहिये था पर इसके लिए वह भारतीय टीम से माफी नहीं मांगेगे।

तीसरे वनडे मैच के बाद उन्होने कहा, 'मेरा इरादा कभी भी किसी की आलोचना करने या किसी बात पर घमंड करने का नहीं था। मुझे लगा कि मैं कोई अच्छी बात कह सकता था। मेरा कहने का आशय था कि भारतीय टीम मैदान पर ज्यादा समय बिताए और उनके लिए इसे बहुत कठिन बना देना था। अब मुझे यहां यह ध्यान रखना होगा कि मैं कौन सा शब्द इस्तेमाल करूं, क्योंकि लोग कई प्रकार के मतलब निकालने लगते हैं।'

गुवाहाटी टेस्ट में जब कोनराड से पूछा गया कि उनकी टीम ने भारतीय टीम को फॉलोआन क्यों नहीं दिया और दूसरे पारी में बल्लेबाजी कर जीत के लिए लक्ष्य दिया। कोनराड ने तब कहा, हम चाहते थे कि भारतीय खिलाड़ी मैदान पर ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं। हम चाहते थे कि वे सच में परेशान हों, जैसा कि एक कहावत है। उन्हें खेल से पूरी तरह बाहर कर दें, और फिर कहें कि आओ और आज शाम आखिरी दिन और एक घंटे तक टिके रहो।

डी कॉक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 13,000 रन बनाने वाले सातवें बल्लेबाज बने

विशाखापत्तनम। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 13,000 रन बनाने वाले अपने देश के सातवें बल्लेबाज बन गये हैं। डीकॉ ने भारतीय टीम के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में अपनी अपनी शतकीय पारी के दौरान ही 13000 रन पूरे किये। उनसे पहले ये उपलब्धि दक्षिण अफ्रीका के ही जैक कैलिस ,एबी डिविलियर्स , हाशिम अमला, ग्रीम स्मिथ,मार्क बाउचर और गैरी कर्स्टन के नाम थी। डी कॉक भारतीय टीम के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय में असफल रहे थे पर तीसरे में उन्होंने 89 गेंदों में 8 चौकों और 6 छक्कों की सहायता से 119.10 के स्ट्राइक रेट से 106 रन बनाए। अब उनके नाम 311 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 40.24 के औसत और 93.71 के स्ट्राइक रेट से 13,088 रन हो गये हैं। जिसमें 347 पारियों में 30 शतक और 70 अर्धशतक शामिल हैं। इस दौरान उनका सबसे अधिक स्कोर 178 रन रहा है। इस शतक के साथ एकदिवसीय में उनके अर्धशतक को शतक में बदलने का रेट बढ़कर 41.81 फीसदी हो गया है। इस बल्लेबाज के नाम एकदिवसीय में 55 बार पचास से अधिक रन बनाने का रिकार्ड है। उन्होंने श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा के बराबार 23 शतक लगाये हैं। कॉक ने भार के खिलाफ सबसे ज़्यादा शतक बनाने के मामले में श्रीलंका के पूर्व कप्तान, सनथ जयसूर्या की बराबरी कर ली है। उन्होंने 23 पारियों में अपना अपना सातवां शतक बनाया है, जबकि जयसूर्या ने ये सात शतक 85 पारियों में बनाए थे। भारत के खिलाफ 23 वनडे में उन्होंने 51.78 के औसत से 1,191 रन बनाए हैं।

इंटर मियामी ने जीता एमएलएस कप का खिताब, वैंकूवर वाइटकैप्स को 3-1 से हराया

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

फुटबॉल क्लब इंटर मियामी ने अपना पहला मेजर लीग सॉकर (एमएएस) खिताब जीत लिया है। टीम ने फाइनल में वैंकूवर वाइटकैप्स को 3-1 से हराया। अमेरिका के फ्लोरिडा के फोर्ट लॉडरडेल स्थित चेस स्टेडियम में भारतीय समयानुसार आधी रात बाद खेले गए फाइनल में दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी ने शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि मेसी ने फाइनल में कोई गोल नहीं किया, लेकिन मियामी की जीत में उनकी अहम भूमिका रही।

फाइनल में इंटर मियामी की शुरुआत अच्छी रही। शुरुआती मिनटों में ही वैंकूवर टीम के खिलाड़ी की गलती से एक आत्मघाती गोल मिला और मियामी 1-0 से आगे हो गई। दूसरे हाफ में दोनों टीम की ओर से कड़ी टक्कर देखने को मिली। वैंकूवर ने वापसी की कोशिश करते हुए 60वें मिनट में बराबरी का गोल कर दिया।

इसके बाद मुकाबला पूरी तरह इंटर मियामी के कंट्रोल में चला गया। मियामी के मेसी ने शानदार खेल दिखाते हुए दो बेहतरीन असिस्ट किए। पहले 71वें मिनट में मेसी ने आर. डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम (90+6) में टी. अलेनडे के गोल में मदद की। इन दो मौकों ने मैच का रुख मियामी की तरफ कर दिया। इससे मियामी पहली बार एमएएस खिताब जीतने में सफल रही।

एमएलएस डॉट कॉम के अनुसार, मेसी ने मैच के बाद कहा कि तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे, लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।

मेसी ने आगे कहा कि टीम ने बहुत मेहनत की, यह एक बहुत लंबा साल था। कई मैच हुए और हम पूरे सीजन में अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करते रहे। यह वो पल है जिसका मुझे इंतजार था और जिसका हम एक टीम के रूप में, इंतजार कर रहे थे। यह हम सभी के लिए बहुत खूबसूरत है। वे इसके हकदार थे। एलए गैलेक्सी ने जीते सबसे ज्यादा खिताबएमएलस की सबसे सफल टीम एलए गैलेक्सी है।

अब 9 दिसंबर से टी20 सीरीज में आमने-सामने होंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

मुम्बई । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब 9 दिसंबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। दोने के बीच अब तक टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज सीरीज हुई है। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट जबकि भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज जीती है। ऐसे में अब दोनो ही टीमों के बीच टी20 सीरीज में रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। भारतीय टीम टी20 सीरीज में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 9 दिसंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में जबकि दूसरा मुकाबला 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। तीसरा मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा। चौथा मुकाबला 17 दिसंबर को लखनऊ जबकि अंतिम मुकाबला 19 दिसंबर को अहमदाबाद में होगा। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 31 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 18 मैचों में भारतीय टीम जबकि 12 मैचों में दक्षिण अफ्रीका जीती है। वहीं एक मुकाबला बराबरी पर रहा है।

शुभमन गिल फिट, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में खेलने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले बड़ी राहत मिली है। टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। गिल कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे, जहां उनकी गर्दन में अचानक तेज अकड़न आ गई थी। चोट के बाद उन्हें दो दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा और उपचार के दौरान इंजेक्शन भी दिया गया। इसी कारण वह मौजूदा वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाए।

गिल को टी20 टीम में फिटनेस के आधार पर चुना गया था और इसके लिए उन्हें लंबी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। उन्होंने सीओई में निर्धारित सभी रिकवरी प्रोटोकॉल पूरे किए, जिसमें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, फिजियोथैरेपी, फंक्शनल फिटनेस टेस्ट और प्रदर्शन मूल्यांकन शामिल थे। इन सभी चरणों में सफल होने के बाद विशेषज्ञों ने उन्हें खेल में वापसी (आरटीपी) के लिए पूरी तरह उपयुक्त पाया। सीओई की ओर से टीम प्रबंधन को भेजे पत्र में कहा गया है कि शुभमन गिल ने रिहैबिलिटेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और वह खेल के सभी प्रारूपों में खेलने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा करते हैं। गिल की फिटनेस बहाली में फिजियो कमलेश जैन, स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच एड्रियन ली रॉ और खेल चिकित्सक डॉ. चार्ल्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ये सभी विशेषज्ञ उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए थे। गिल के उपलब्ध होने से भारतीय टीम मजबूत संयोजन के साथ टी20 श्रृंखला की शुरुआत कर सकेगी। टी20 स्क्वॉड के खिलाड़ी रविवार से कटक में अभ्यास शुरू करेंगे, जहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मुकाबले की तैयारी तेज होगी। गिल की वापसी न केवल बल्लेबाजी क्रम को मजबूती देगी, बल्कि नेतृत्व में भी टीम को अतिरिक्त समर्थन मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय स्क्वॉडः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह,कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह।

रिटेंशन पर्स की वजह से केकेआर ने आंद्रे रसेल को किया रिलीज

रिटायरमेंट और कोचिंग भूमिका पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की मिनी नीलामी से ठीक पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने अपने सबसे बड़े मैच-विजेताओं में से एक आंद्रे रसेल को रिलीज करने का बड़ा फैसला किया। इस निर्णय ने क्रिकेट जगत और फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि रसेल सालों से केकेआर के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में गिने जाते रहे हैं। फ्रैंचाइज़ी के सीईओ वेंकी मैसूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस फैसले के पीछे की पूरी कहानी और उससे जुड़े भावनात्मक पल साझा किए।

मैसूर ने बताया कि रसेल को रिलीज करने की सबसे बड़ी वजह रिटेंशन स्लैब्स से जुड़ा वित्तीय ढांचा था। भले ही रसेल का कॉन्ट्रैक्ट मूल्य 12

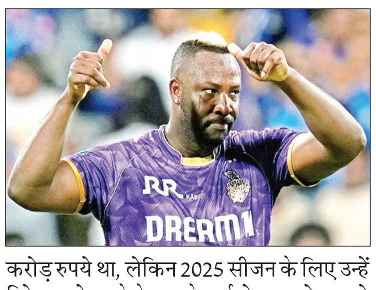

करोड़ रुपये था, लेकिन 2025 सीजन के लिए उन्हें रिटेन करने पर केकेआर के पर्स से 18 करोड़ रुपये कटने थे। उन्होंने कहा कि यह राशि नीलामी रणनीति के लिहाज से बेहद भारी थी और टीम को बाकी संयोजन मजबूत करने में मुश्किल पैदा कर सकती थी। उन्होंने कहा, 'कई लोग समझ नहीं पाए कि असल कटौती 18 करोड़ की थी, 12 करोड़ की नहीं। लोग सोच रहे थे कि केकेआर 12 करोड़ के खिलाड़ी को क्यों छोड़ेगी, लेकिन नीलामी के संदर्भ में 18 करोड़ बहुत बड़ी रकम है। यही मुख्य कारण था।'

मैसूर ने आगे बताया कि जब यह निर्णय रसेल के साथ साझा किया गया, तो वह भावुक हो गए। 2014 में केकेआर से जुड़ने के बाद रसेल कभी भी नीलामी पूल में नहीं गए थे। उन्होंने स्वीकार किया कि अचानक नीलामी का हिस्सा बनने का विचार उनके लिए मानसिक रूप से बहुत भारी था। मैसूर के अनुसार, रसेल ने उनसे कहा, 'मैंने कई रातें बिना सोए बिताईं, सोचता रहा कि आगे क्या होगा। मैं पर्पल-गोल्ड जर्सी और नाइटराइडर्स परिवार से बहुत जुड़ गया हूं।'

बातचीत के दौरान एक और अहम मुद्दा सामने आया रसेल के आईपीएल से रिटायरमेंट का विकल्प। मैसूर के अनुसार, यह विचार गंभीरता से उठा जब फ्रैंचाइज़ी के को-ओनर शाहरुख खान ने रसेल के लिए केकेआर सेटअप में कोचिंग भूमिका का सुझाव दिया। कई कारणों से रसेल को यह विकल्प व्यवहारिक लगा और उन्होंने कहा कि भविष्य में इस दिशा में सोच संभव है। मैसूर के शब्दों में, 'एसआरके ने सुझाव दिया कि अगर रसेल खेल छोड़ते हैं, तो कोचिंग रोल उनके लिए शानदार रहेगा।' हालांकि रसेल अभी अन्य लीग्स में खेलना जारी रखेंगे, लेकिन केकेआर से अलग होना उनके करियर का एक भावनात्मक अध्याय रहा। प्रशंसकों के लिए यह फैसला भले ही चौंकाने वाला हो, पर टीम मैनेजमेंट की रणनीति इसकी वजह समझाती है।

2026 विश्व कप में खेल पाना मुश्किल, मेसी के बयान से फैंस निराश

नई दिल्ली। फीफा फुटबॉल विश्व कप 2026 को लेकर दुनिया भर के प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी के हालिया बयान ने उनके फैंस को बड़ा झटका दिया है। मेसी ने संकेत दिया है कि संभव है वह अगला विश्व कप न खेल पाएं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि वह जरूर विश्व कप खेलना चाहेंगे, लेकिन यह भी हो सकता है कि वह टीम का हिस्सा न हों। मेसी ने कहा कि यदि वह मैदान पर नहीं उतर सके, तो वह एक दर्शक के रूप में स्टेडियम में मौजूद रहकर मैच देखना चाहेंगे और यह अनुभव उनके लिए खास होगा। मेसी ने बताया कि विश्व कप उनके और उनकी टीम के लिए बेहद खास टूर्नामेंट है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना ने वर्षों में अपनी टीम को मजबूत बनाया है और कोच लियोनेल स्कालोनी के आने के बाद पूरी टीम की सोच और प्रदर्शन में बड़ा बदलाव आया है। मेसी के अनुसार, टीम में ऐसे खिलाड़ी हैं जो हमेशा जीत के लिए खेलते हैं और प्रशिक्षण के दौरान हर खिलाड़ी पूरी ताकत झोंक देता है। यही मानसिकता और एकजुटता अर्जेंटीना की सबसे बड़ी ताकत है। मैसी ने यह भी कहा कि पिछला विश्व कप जीतने से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब खिलाड़ी खिताब की रक्षा के इरादे के साथ उतरने के लिए तैयार हैं।

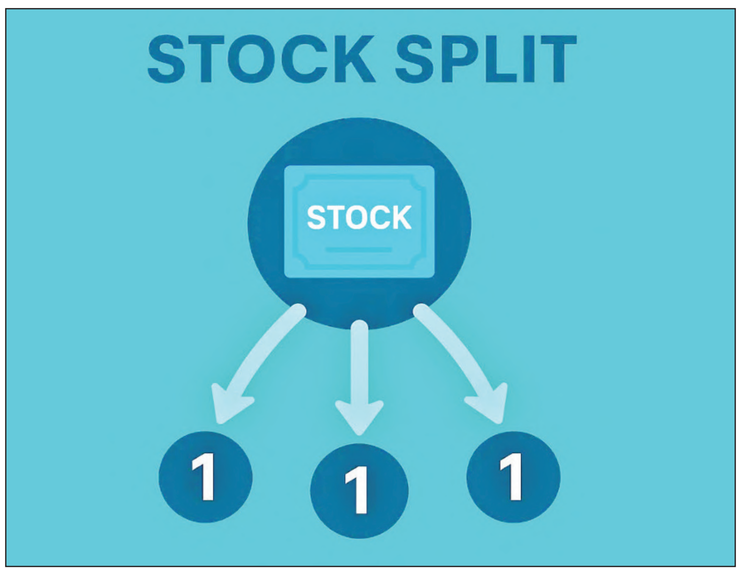

अगले हफ्ते शेयर बाजार में होगी बड़ी हलचल, दो कंपनियां करेंगी स्टॉक स्प्लिट

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां) । आने वाला हफ्ता शेयर बाजार के निवेशकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं रहने वाला है। कई कंपनियां अपने कॉर्पोरेट एक्शंस के जरिए निवेशकों को लाभ पहुंचाने की तैयारी में हैं। जहां कुछ कंपनियां अपने शेयरों को छोटे हिस्सों में बांटकर निवेशकों के लिए खरीद आसान बनाने जा रही हैं, वहीं कुछ कंपनियां डिविडेंड और बोनस शेयर देकर पोर्टफोलियो में अतिरिक्त मूल्य जोड़ने के लिए तैयार हैं। इन घोषणाओं से बाजार में गतिविधि बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि ऐसे फैसलों का अक्सर स्टॉक के

स्टॉक स्प्लिट, डिविडेंड और बोनस शेयर से बाजार में बढ़ेगी रौनक

मूल्य और निवेशकों के मूड दोनों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अगले हफ्ते दो कंपनियां अपने शेयरों का स्टॉक स्प्लिट करने जा रही हैं। एमआरएस बेक्टर्स फूड स्पेसिएलिटीज लिमिटेड ने अपने शेयरों को 10 रुपए फेस वैल्यू से घटाकर 2 रुपए फेस वैल्यू करने का फैसला किया है। स्टॉक स्प्लिट के बाद प्रति शेयर कीमत भी समायोजित हो जाती है, जिससे यह छोटे निवेशकों के लिए अधिक सुलभ हो जाता है। दूसरी ओर भारत रसायन लिमिटेड ने 10 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयरों को 5 रुपए में विभाजित करने की घोषणा की है। केमिकल सेक्टर की इस दिग्गज कंपनी का शेयर ऊंचे प्राइस बैंड में ट्रेड करता है, इसलिए स्प्लिट के बाद इसमें ट्रेडिंग वॉल्यूम बढ़ने की संभावना है। स्मॉलकैप कंपनी मोदीसन लिमिटेड ने निवेशकों को 8 दिसंबर को इंटरिम डिविडेंड देने की घोषणा की है। कंपनी प्रति शेयर 2.50 रुपए का डिविडेंड देगी, जो कि इसके 1 रुपए फेस वैल्यू के मुकाबले 250 फीसदी बैठता है। यह डिविडेंड उन्हीं निवेशकों को मिलेगा जिनका नाम रिकॉर्ड डेट पर कंपनी के रजिस्टर में दर्ज होगा। स्टॉक स्प्लिट के बाद भारत रसायन ने अपने शेयरधारकों के लिए एक और बड़ा ऐलान किया है। कंपनी 1:1 बोनस शेयर देने जा रही है। यानी निवेशकों को जितने शेयर हैं, उतने ही अतिरिक्त शेयर मुफ्त मिलेंगे। इसके लिए एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट 12 दिसंबर तय की गई है। इन घोषणाओं से अगले हफ्ते बाजार में उत्साह बने रहने की उम्मीद है।

न्यूज़ ब्रीफ

वर्लपूल इंडिया की हिस्सेदारी बिक्री पर ब्रेक , 1 अरब डॉलर की डील वैल्यूएशन विवाद में फेल

नई दिल्ली। अमेरिकी घरेलू उपकरण निर्माता वर्लपूल की भारतीय इकाई की बिक्री को लेकर चल रही बड़ी डील अचानक ठंडे बस्ते में चली गई है। ग्लोबल प्राइवेट इक्विटी दिग्गज एडवेंट इंटरनेशनल इस सौदे में प्रमुख दावेदार था, लेकिन वैल्यूएशन पर सहमति न बनने के कारण बातचीत आगे नहीं बढ़ सकी। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्षों ने इस पर चुप्पी साध ली है, जबकि एडवेंट ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और वर्लपूल ने रॉयटर्स के सवालों का जवाब नहीं दिया। वर्लपूल कॉर्प अपनी भारतीय सहायक कंपनी में 51 फीसदी हिस्सेदारी रखती है और जनवरी में उसने इसे घटाकर करीब 20 फीसदी तक लाने की योजना जताई थी। कंपनी वैश्विक एसेट रीऑर्गनाइजेशन के तहत अपना कर्ज कम करना चाहती है और अनुमान था कि हिस्सेदारी बेचकर उसे 550-600 मिलियन डॉलर तक की नकदी मिल सकती है। एडवेंट यदि 31 फीसदी हिस्सेदारी खरीदता, तो भारतीय नियमों के अनुसार उसे अतिरिक्त 26 फीसदी के लिए ओपन ऑफर देना पड़ता। इस तरह डील का कुल मूल्य लगभग 1 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद थी। सूत्रों के मुताबिक डील फेल होने का मुख्य कारण भारतीय बाजार में वर्लपूल के सामने खड़ी अल्पकालिक चुनौतियां रहीं। सख्त प्रोडक्ट स्टैंडर्ड्स और ऊर्जा दक्षता नियमों ने कंपनी पर लागत का दबाव बढ़ाया है। इसी के चलते एडवेंट कम वैल्यू पर सौदा करना चाहता था। दूसरी ओर, वर्लपूल पैरेंट कंपनी केवल पर्याप्त कैश जुटाने के उद्देश्य से ऊंचे वैल्यूएशन पर अड़ी रही।

स्पोर्ट्स कम्यूटर बाइक पल्सर एन 160 का नया वैरिएंट लॉन्च

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल क्षेत्र की स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो ने अपनी लोकप्रिय स्पोर्ट्स कम्यूटर बाइक पल्सर एन 160 का नया वैरिएंट लॉन्च किया है। इस वैरिएंट की एक्स-शोरूम कीमत 1,23,983 रुपये रखी गई है। यह बाइक देशभर में बाजाज के सभी डीलरशिप पर उपलब्ध होगी। नया मॉडल गोल्ड यूएसडी फोर्क्स और सिंगल-सीट सेटअप के साथ पेश किया गया है, जो राइडर्स को बेहतर कम्फर्ट और स्टेबिलिटी देता है। कंपनी ने यह मॉडल उन राइडर्स के लिए तैयार किया है जो रोजमर्रा की राइडिंग में प्रीमियम अनुभव और बेहतर कंट्रोल चाहते हैं। नया सिंगल-सीट सेटअप बाइक की स्पोर्टी पोजिशन बनाए रखता है और इसे देखने में भी अधिक आकर्षक बनाता है। गोल्डन यूएसडी फोर्क्स बाइक को बेहतर स्टेबिलिटी, क्विक हैंडलिंग और दमदार रोड प्रेजेंस प्रदान करते हैं। डिजाइन के मोर्चे पर, नई पल्सर एन 160 चार कलर ऑप्शन - पर्ल मेटालिक व्हाइट, रेसिंग रेड, पोलर स्काय ब्ल्यू और ब्लेक - में उपलब्ध है। बाइक का मस्कुलर टैंक और शार्प पैनल्स इसके प्रीमियम लुक को बढ़ाते हैं। सिंगल-सीट लेआउट इसे साफ-सुथरा और स्पोर्टी स्टांस देता है। इस बाइक को लेकर बजाज ऑटो के प्रेसिडेंट सरंग कनाडे ने कहा, 'नया पल्सर एन160 वैरिएंट राइडर्स की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। हमारा उद्देश्य युवाओं को प्रीमियम राइडिंग अनुभव देना है।

इलेक्ट्रिक कार ई विटारा ने की शानदार शुरुआत

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की पहली यात्री इलेक्ट्रिक कार ई विटारा ने शानदार शुरुआत की है। ई विटारा की सफलता के बाद अब अन्य प्रमुख कंपनियाँ भी अपनी नई कारों के लॉन्च की तैयारी तेज़ कर चुकी हैं, जिनमें टाटा मोटर्स, किआ, एमजी और मिनी प्रमुख हैं। लंबी दूरी, आधुनिक तकनीक और नए डिज़ाइन की वजह से इस कार को खरीदारों की ओर से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है। मजबूत बिक्री संकेतों ने न केवल कंपनी के आत्मविश्वास को बढ़ाया है, बल्कि दिसंबर 2025 को पूरे ऑटो उद्योग के लिए एक सक्रिय और उम्मीदों से भरा महीना बना दिया है। सबसे ज़्यादा चर्चा टाटा मोटर्स की लोकप्रिय एसयूवी हैरियर और सफारी के नए पेट्रोल संस्करणों की हो रही है, जिन्हें महीने के दूसरे सप्ताह तक बाज़ार में उतारे जाने की उम्मीद है। दोनों मॉडलों में नए उच्च क्षमता वाले पेट्रोल इंजन लगाए जा रहे हैं, जो डीज़ल विकल्पों की तुलना में अधिक किफायती साबित हो सकते हैं। माना जा रहा है कि कीमतों में संभावित कमी इन एसयूवी की मांग को और बढ़ा देगी।

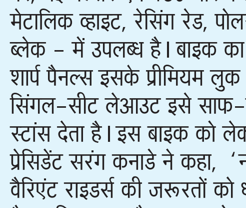

एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कई महत्वपूर्ण उपाय घोषित किए

किराए पर लगाम से लेकर फ्री कैंसलेशन तक की देगी सुविधा

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां) ।

देशभर में उड़ानों के बड़े पैमाने पर रद्द होने और देरी के कारण यात्रियों को हो रही परेशानियों को देखते हुए एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कई महत्वपूर्ण राहत उपायों की घोषणा की है। दोनों एयरलाइनों ने बताया कि इन कदमों का उद्देश्य फंसे हुए यात्रियों को शीघ्र गंतव्य तक पहुंचाना और किराए में अनिश्चित बढ़ोतरी को रोकना है। एयरलाइनों ने 4 दिसंबर से घरेलू नॉन-स्टॉप उड़ानों में इकोनॉमी क्लास किराए सीमित करने का फैसला किया है, ताकि व्यवधान की स्थिति में अचानक बढ़ते किराए से यात्रियों को बचाया जा सके। साथ ही, दोनों कंपनियां नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा 6 दिसंबर को जारी नए किराया निर्देशों का पालन कर रही हैं। यात्रियों को और सुविधा देने के लिए टिकट बदलने व रद्द करने पर एक बार की विशेष छूट दी गई है।

जिन यात्रियों ने 4 दिसंबर तक टिकट बुक की है और जिनकी यात्रा 15 दिसंबर तक प्रस्तावित है, वे 8 दिसंबर तक बिना किसी शुल्क के तारीख बदल सकते हैं या फिर पूरा पैसा वापस पा सकते हैं। हालांकि नई तारीख चुनने पर किराए का अंतर लागू होगा। यात्रियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए दोनों एयरलाइनों ने 24 घंटे कॉल सेंटर में अतिरिक्त स्टाफ तैनात किया है। यात्रियों के लिए वेबसाइट, मोबाइल ऐप और व्हाट्सऐप चैटबोट के माध्यम से भी सहायता उपलब्ध है। उड़ानों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एयरलाइंस अतिरिक्त उड़ानें संचालित कर रही हैं। जहां संभव होगा, यात्रियों को बिना अतिरिक्त शुल्क ऊपरी केबिन में अपग्रेड भी दिया जाएगा। साथ ही छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों और सेना कर्मियों के लिए विशेष रियायतें जारी रहेंगी। इसी बीच डीजीसीए ने लगातार उड़ान रद्द होने के चलते इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को शो-कॉज नोटिस जारी किया है। नियामक ने एयरलाइन से 24 घंटे में जवाब मांगा है कि समय पर भरोसेमंद सेवा देने में विफल रहने पर उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। इंडिगो का कहना है कि नए नियमों के कारण पायलटों के कार्य घंटे सीमित हुए, जिससे योजना प्रभावित हुई और दिसंबर के पीक सीजन में बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

एयर इंडिया ड्रीमलाइनर हादसाः जांच आगे बढ़ाने भारत-अमेरिका टीमों की वॉशिंगटन में अहम बैठक

नई दिल्ली। जून में अहमदाबाद से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर हादसे की जांच अब निर्णायक चरण में प्रवेश करने वाली है। रिपोर्टों के अनुसार, भारत की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की टीम अगले हफ्ते अमेरिका जाएगी, जहां वॉशिंगटन स्थित नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) मुख्यालय में संयुक्त बैठक होगी। इस दौरान दोनों देशों के जांचकर्ता अब तक जुटाए गए सभी तकनीकी और ऑपरेशनल डेटा की विस्तृत समीक्षा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में बोइंग कंपनी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। भारतीय टीम कॉकपिट वॉइस रिकॉर्डर और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर से मिले महत्वपूर्ण सुराग साझा करेगी। हादसे में विमान में सवार 241 यात्रियों और क्रू सदस्यों की जान गई थी, और एएआईबी इसकी जांच का नेतृत्व कर रहा है। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब जांच प्रक्रिया को लेकर भारत और अमेरिका के विशेषज्ञों के बीच तनाव की खबरें सामने आ रही हैं। भारतीय पायलट यूनियनों ने इस आशंका पर नाराज़गी जताई है कि कहीं हादसे की जिम्मेदारी जल्दबाज़ी में पायलटों पर न डाल दी जाए। प्रारंभिक रिपोर्ट में संकेत मिले थे कि टेकऑफ के तुरंत बाद विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच अचानक बंद हो गए, जिससे दोनों इंजनों की शक्ति चली गई। हालांकि लगभग दस सेकंड बाद स्विच फिर सक्रिय हुए, लेकिन तब तक स्थिति नियंत्रण से बाहर हो चुकी थी। कॉकपिट रिकॉर्डर में दर्ज बातचीत में युवा को-पायलट ने कैप्टन से पूछा कि स्विच क्यों बंद हुए, पर कैप्टन ने इससे इनकार किया। एएआईबी ने अंतिम रिपोर्ट आने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से बचने की अपील की है ।

बच्चों के भविष्य की सुरक्षा के लिए एलआईसी ने पेश की अमृत बाल पॉलिसी

नई दिल्ली, 07 दिसंबर (एजेंसियां) ।

बच्चों की उम्रः न्यूनतम 30 दिन से अधिकतम 13 वर्ष

आज के समय में बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करना हर माता-पिता की प्राथमिक चिंता बन गई है। बढ़ती शिक्षा लागत, प्रोफेशनल कोर्स की फीस और शादी जैसे बड़े खर्चों को देखते हुए एलआईसी ने 'अमृत बाल' पॉलिसी लॉन्च की है। यह पॉलिसी बच्चों के लिए दीर्घकालिक बचत और बीमा सुरक्षा दोनों प्रदान करती है।

'अमृत बाल' नॉन-लिंक्ड लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी विशेष रूप से बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए बनाई गई है। इस पॉलिसी को बच्चे के नाम पर लिया जा सकता है, जिसकी उम्र न्यूनतम 30 दिन और अधिकतम 13 वर्ष हो सकती है। पॉलिसी मैच्योरिटी बच्चे की उम्र 18 से 25 वर्ष पर मिलती है, जिससे शिक्षा, करियर या शादी के महत्वपूर्ण अवसरों पर आर्थिक मदद उपलब्ध होती है। इस योजना में न्यूनतम बीमा राशि 2 लाख रुपए है, जबकि अधिकतम राशि की कोई सीमा नहीं है। ग्राहक मासिक, तिमाही, छमाही या वार्षिक प्रीमियम भुगतान कर सकते हैं। इसके अलावा सिंगल प्रीमियम या 5, 6 और 7 साल की सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि का विकल्प भी उपलब्ध है। पॉलिसी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से आसानी से खरीदी जा सकती है। पॉलिसी में वेवर बेनिफिट राइडर भी शामिल है, जो माता-पिता की अचानक मृत्यु या गंभीर स्थिति में बाकी प्रीमियम माफ करता है। इसके अलावा हर साल मिलने वाला गारंटीड बोनस निवेश को और मजबूत बनाता है। जरूरत पड़ने पर पॉलिसीधारक शर्तों के अनुसार लोन भी ले सकते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

गोवा में नाइट...

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दुर्घटना में हुई मौतों पर दुख जताते हुए घायल लोगों के जल्द ठीक होने की भी कामना की। प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने स्थिति के बारे में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत से बात की है। केंद्र सरकार इस त्रासदी से प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दे रही है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा,गोवा के अरपोरा में आग लगने की घटना बहुत दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल जल्द से जल्द ठीक हों। स्थिति के बारे में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत जी से बात की। राज्य सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दे रही है।

प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर लिखा,गोवा के अरपोरा में हुई घटना में प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

गोवा मुख्यमंत्री ने अग्निकांड के लिए सुरक्षा नियमों की अनदेखी को जिम्मेदार ठहराया

पणजी, 07 दिसंबर (एजेंसियां) । गोवा के उत्तरी इलाके आरपोरा में बने 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब में भीषण आग लगने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने इस त्रासदी के लिए शुरुआती तौर पर अग्नि सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन को जिम्मेदार ठहराया है।

आग लगने से पहले के क्षणों का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि कैसे आग की लपटों ने कुछ ही सेकंडों में पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अंदर मौजूद कलाकारों और कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। फुटेज में छत से आग की लपटें निकलते हुए दिखाई दे रही हैं। इसके तुरंत बाद डांसर और अन्य कर्मचारी मौके से भागते नजर आते हैं। थोड़ी ही देर में धुएं से पूरा स्थान भरने लगता है। वीडियो में कोई भी अग्नि-सुरक्षा प्रणाली सक्रिय होती हुई दिखाई नहीं देती है।

पुलिस ने बताया कि यह आग सिलेंडर फटने से लगी। गोवा पुलिस नियंत्रण कक्ष को रात 12:04 बजे आपातकालीन कॉल मिली, जिसके बाद बचाव दल तुरंत मौके पर भेजे गए। पुलिस महानिदेशक ने पुष्टि की कि आग पर काबू पा लिया गया है और सभी शव घटनास्थल से बरामद कर लिए गए हैं।

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने देर रात नाइटक्लब का दौरा किया। उन्होंने बताया कि मरने वालों में अधिकांश लोग रसोई कर्मचारी थे, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं, जबकि तीन से चार पर्यटक भी मारे गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुरुआती जांच में अग्नि सुरक्षा नियमों के अनुपालन में गंभीर खामियां सामने आई हैं। उन्होंने क्लब प्रबंधन और नियमों के उल्लंघन के बावजूद संचालन की अनुमति देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

राजा सिंह के बाद, आर्मूर...

उन्होंने कहा, तेलंगाना में भाजपा का झंडा फहराने के लिए हमें 20-20 प्रारूप खेलना होगा। हम 40 साल से गुहार लगा रहे हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं का खून खौल रहा है। खेले गए मैचों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं है, फाइनल जीतना जरूरी है।

भाजपा ने कांग्रेस सरकार के दो साल पूरे होने पर धरना चौक पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और अन्य नेताओं ने एक आरोप पत्र जारी किया, जिसमें कांग्रेस सरकार की कथित विफलताओं को उजागर किया गया।

पुंछ में नियंत्रण...

गश्त कर रहे किसी सैनिक के बारूदी सुरंग पर पैर पड़ने की दुर्लभ घटनाएं तकनीकी रूप से 'ड्रिफ्ट माइंस' कहलाने वाली चीजों के कारण होती हैं।

जम्मू-कश्मीर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर भी घुसपैठ-रोधी अवरोध प्रणाली लागू है, जो 740 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा की तुलना में 240 किलोमीटर लंबी है। सेना घाटी के बारामूला, कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिलों और जम्मू संभाग के पुंछ, राजौरी और आंशिक रूप से जम्मू जिले में स्थित नियंत्रण रेखा की रक्षा करती है। अंतर्राष्ट्रीय सीमा जम्मू संभाग के जम्मू, सांबा और कठुआ जिलों में स्थित है।

इंडिगो संकटः डीजीसीए ...

जबकि 650 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि देश भर में उड़ान संचालन में तेजी से सुधार किया जा रहा है और इंडिगो सेवाएं सामान्य हो रही हैं। मंत्रालय ने कहा, अधिक किराया वसूलने से बचने के लिए हवाई किराए को नियंत्रित किया गया है, रिफंड तुरंत दिए जा रहे हैं और सामान की डिलीवरी प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है।

सरकार ने कहा कि इंडिगो ने रद्द या अत्यधिक विलंबित उड़ानों के लिए अब तक 610 करोड़ रुपये के रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली है और शनिवार तक 3,000 नग सामान यात्रियों तक पहुंचा दिया गया है।

वंदे मातरम् की ...

इसलिए मैं अपेक्षा करता हूं कि अतीत की गलतियों को पीछे छोड़कर, दलगत भावना से ऊपर उठकर, कट्टरपंथी विचारों या मतों की परवाह किए बिना, सभी दल वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के इस समारोह में सामूहिक रूप से अपने विचार व्यक्त करेंगे और राष्ट्रीय विकास एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को और सुदृढ़ करेंगे...'

लोकसभा में भी चुनाव सुधारों पर बहस होगी, जिसमें मंगलवार और बुधवार को मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विवादास्पद विषय के सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा। राज्यसभा में बुधवार और गुरुवार को चुनाव सुधारों पर बहस होगी।

हैदराबाद में अमेरिकी...

अपना सबसे बड़ा परिसर विकसित कर रहा है। यह गलियारा आगामी सुविधा के लिए एक मुख्य पहुँच मार्ग के रूप में काम करेगा।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पहले दिल्ली में यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) कॉन्क्लेव में घोषणा की थी कि हैदराबाद प्रमुख वैश्विक निगमों को उनके नाम पर प्रमुख शहर की सड़कों का नाम रखकर मान्यता देगा। नवीनतम निर्णय उसी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

राज्य सरकार अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों को समर्पित बुनियादी ढांचे के टैग के साथ सम्मानित करने के प्रस्तावों का भी मूल्यांकन कर रही है। 'विप्रो जंक्शन' और 'माइक्रोसॉफ्ट रोड' विचाराधीन हैं, जो हैदराबाद की पहचान को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते प्रौद्योगिकी केंद्रों में से एक के रूप में मजबूत करेंगे।अधिकारियों ने कहा कि तेलंगाना की विकास गाथा में योगदान देने वाले दूरदर्शी नेताओं, वैश्विक निगमों और संस्थानों का सम्मान करने की एक व्यापक पहल के तहत आने वाले हफ्तों में और नाम तय किए जा सकते हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय जुड़ाव को मजबूत करने और अपने नवाचार-संचालित विकास मॉडल को उजागर करने के लिए इन पहचानों को अपने शहरी परिदृश्य में बुनना है।

असदुद्दीन ओवैसी...

जहां अदालत ने निर्माण कार्य में हस्तक्षेप से इनकार करते हुए राज्य सरकार को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। टीएमसी ने इस विवादित प्रोजेक्ट से खुद को पूरी तरह अलग कर लिया है और सहमति दिवस मनाने का फैसला किया है, ताकि राज्य में सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया जा सके।

कांग्रेस और बीजेपी से जुड़ चुके कबीर अब एआईएमआईएम के साथ गठबंधन कर राजनीति में नया समीकरण बनाने की कोशिश में दिखाई दे रहे हैं। कबीर को इस हफ्ते की शुरुआत में विवादित प्रोजेक्ट को लेकर टीएमसी से सस्पेंड कर दिया गया था।

गौरी योग बनाएगा मेष, मिथुन कर्क सहीत अन्य राशियों को धनवान

आज यानी 8 दिसंबर 2025, सोमवार को कर्क राशि में चंद्रमा के गोचर से गौरी योग बन रहा है। वैदिक ज्योतिष में इसे बहुत ही शुभ माना जाता है। कर्क राशि का स्वामी होने के कारण चंद्रमा यहां अधिक बलवान और शुभ फलदायी होते हैं। इस शुभ योग के प्रभाव में आने से व्यक्ति को शांति और सुकून मिलता है। इसके साथ ही करियर और आर्थिक स्थिति में सुधार होता है और अधूरे कार्यों में सफलता मिलती है।

मेष –मेष राशि वालों को विशेष मान–सम्मान प्राप्त हो सकता है। भौतिक विकास का योग अच्छा बन रहा है। आज सप्तम प्रमुख केंद्र भाव लक्ष्मी भाव में चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है। रात 09 बजे तक कोई खास डील फाइनल हो जाएगी। रात 2 बजकर 30 मिनट पर चंद्रमा के मिथुन राशि में प्रवेश के फलस्वरूप मंगलोत्सव में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा। समाज में शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

वृष –आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सुकून मिलेगा। कानूनी विवाद में सफलता प्राप्त होगी। स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में उलझनों के बावजूद पराक्रम की वृद्धि होगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। कार्यालय में भी आपके अनुकूल वातावरण बनेगा तथा आपके साथी आपका सहयोग करेंगे।

मिथुन –आज का दिन काफी रचनात्मक है। किसी क्रिएटिव और आर्टिस्ट काम को पूरा करने में आप दिन बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे प्रिय है आज वहीं करने को मिलेगा। आज आपको रिलैक्स करने में मदद मिलेगी। नई योजनाएं भी दिमाग में आएंगी। अपने से सीनियर का सहयोग पाने का प्रयास करें।

कर्क –आज का दिन काफी क्रिएटिव रहने वाला है। जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम पूरे होते जाएंगे। घर–परिवार में महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। ऑफिस में अपने विचारों के मुताबिक माहौल बन जाएगा और आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे। रात्रि में विवाह शादी में जाने का अवसर मिल सकता है।

सिंह –आज का दिन सिंह राशि के जातकों का काफी व्यस्त रखने वाला है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में दिन बीत सकता है। इसके साथ ही पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना आपके लिए अच्छा होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रूकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं। रात्रि का समय मंगलमय कार्यों में व्यतीत होगा।

कन्या –आज आपसी वार्ता व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आस पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें। घर–परिवार में किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखें और आत्म विश्वास के साथ कार्य करें। रात्रि के समय स्थिति में और भी सुधार होगा।

तुला –आज का दिन आपके लिए लाभकारी रहने वाला है। कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। जमीन जायदाद के मामले में पारिवारिक और आस–पास के लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक –वृश्चिक राशि वालों की माली हालात आज के दिन काफी मजबूत रहने वाली है। दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अतः कार्यशील रहें। परिवार में सुख शांति और स्थिरता का आनंद उठाएं। नौकरी या व्यापार में कुछ नवीनता ला सकें तो आगे चलकर लाभ होगा। काम में नई जान आएगी।

धनु –आज का दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएंगे तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं। किसी अपने के लिए कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़ सकता है। नया मौका आपके आस–पास है, उसे पहचानना आपके हाथ में है।

मकर –मकर राशि वालों का आज का दिन सामान्य रहने वाला है। भागीदारी में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को पूरा करने का आज सुनहरा मौका है। हो सकता है आज आपको पुत्र–पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े। ईमानदारी और निर्धारित नियमों का ध्यान रखें। कईं प्रकार के काम एक साथ हाथ में आने से व्यग्रता बढ़ सकती है।

कुंभ –आज का दिन स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने का है। मौसम में परिवर्तन से कुछ परेशानियां सामने आ सकती हैं। खानपान में लापरवाही न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं। जल्दबाजी में कोई भूल हो सकती है, इसलिए हर काम सोच समझ कर करें।

मीन –आज का दिन मीन राशि के जातकों के लिए लाभकारी रहने वाला है। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज फायदेमंद साबित होगा। परेशानियों को धैर्य और अपने व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है। अपनी बुद्धि का प्रयोग कर आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक कमी रही है। किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता कर सकें तो शुभ रहेगा।

12 नहीं 13 महीने का होगा नया साल इस वजह से बिगड़ा है पूरा गणित

साल 2026 हिंदू पंचांग के अनुसार बहुत ही महत्वपूर्ण होने जा रहा है। इस साल मलमास लगने के कारण नया साल 13 महीनों का होगा। मलमास को अधिक मास या पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है। यह समय धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से विशेष महत्व रखता है। मलमास में विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, नामकरण जैसे मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं। जबकि, पूजा–पाठ और दान–पुण्य करने बेहद ही शुभ माना जाता है। इससे भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

क्यों लगता है मलमास?

सूर्य कैलेंडर की तुलना में चंद्र कैलेंडर की अवधि कम होती है। चंद्र कैलेंडर 354 दिनों का होता है, जबकि सूर्य कैलेंडर 365 दिनों का होता है। इन दोनों के बीच हर साल 11 दिनों का अंतर बढ़ता जाता है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, अधिक मास 32 महीने और 16 दिन बाद आता है। इस दौरान यह लगभग एक महीने के बराबर का हो जाता है। ऐसे में दोनों के बीच समय के अंतर को बराबर करने के लिए पंचांग में एक अतिरिक्त महीना जोड़ा जाता है। इसे ही अधिक मास या मलमास कहते हैं।

2026 में कब लगेगा मलमास?

पंचांग के अनुसार, साल 2026 में मलमास का पड़ना कई बदलाव लेकर आएगा। इससे हिंदुओं का नया साल 12 की जगह 13 महीनों का हो जाएगा। नए साल में अधिक मास की शुरुआत 17 मई 2026 से होगी और 15 जून 2026 को इसका समापन हो जाएगा। मलमास के पहले दिन व्रत रखना अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन व्रत रखने वालों को उनके पापों से मुक्ति मिलती है।

मलमास में क्या करें और क्या न करें?

मलमास के समय विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण जैसे शुभ कार्य नहीं किए जाते। ऐसा माना जाता है कि इस महीने में शुभ कार्यों को करने से लाभ नहीं मिलता है। मलमास माह में भगवान विष्णु की पूजा करने का विशेष महत्व होता है। इस अवधि में दान, जप, तप, पूजा–पाठ और गऊ–सेवा अत्यंत शुभ मानी जाती है। अधिक मास में रामायण, गीता आदि धार्मिक ग्रंथों का दान करना भी शुभ होता है।

सुबह–सुबह इन चीजों का दिखना है अशुभ, दिन हो सकता है खराब, बाधाओं का देते हैं संकेत

सुबह के समय हम अच्छे विचारों और अपने पूरे दिन के काम को ध्यान में रखते हुए घर से बाहर निकलते हैं। लेकिन कई बार बाहर निकलते वक्त या रास्ते में हमें अचानक से कुछ ऐसी चीजें दिखाई देती हैं जो बहुत अजीब होती हैं या उन्हें देखकर मूड खराब होने लगता है। शास्त्रों के अनुसार, ऐसी घटनाएं यूं ही नहीं होती हैं इनका हमारे दिन या जीवन से संबंध होता है। माना जाता है कि अगर रास्ते में अचानक सुबह–सुबह कुछ चीजें दिख जाएं तो इससे पूरा दिन खराब हो सकता है और कार्यों में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

घर से निकलते वक्त खाली बर्तन, बाल्टी दिखना

शास्त्रों के अनुसार, अगर घर से बाहर निकलते समय आपको बाल्टी, बर्तन आदि सामान खाली नजर आ जाएं तो इसे शुभ नहीं माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपको उस दिन अपने कार्यों में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। जिसके चलते काम या तो देरी से पूरे होंगे या उनके बिगड़ने की संभावना भी बनी रहती है। ऐसा होने पर आप मंदिर में जाकर भगवान के दर्शन कर सकते हैं और मन में अच्छे दिन की कामना करें। इस प्रकार गतिविधियों में आने वाली रुकावटों को कम किया जा सकता है।

सुबह रास्ते में मरे हुए जानवर दिखना

कई बार जब हम सुबह अपने काम या कहीं जा रहे होते हैं तो अचानक से हमारे सामने मरे हुए जानवर नजर आ जाते हैं। शास्त्रों की मानें तो ऐसी चीजों का दिखना शुभ संकेत नहीं होता है। अगर आपको सुबह मृत पशु या पक्षी दिखाई पड़ जाएं, तो इससे आपका पूरा दिन खराब जा सकता है। इसका अर्थ हो सकता है कि आपको उस दिन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है या भगवान आपकी किसी बात से रुष्ट हैं। ऐसे में भगवान के सामने अपनी गलतियों की क्षमा मांगनी चाहिए और फिर, अपने काम के लिए निकलना चाहिए।

घर से निकलते वक्त गधा दिखना

अगर आपको सुबह के समय घर से निकलते वक्त गधा नजर आ जाए तो इसे शुभ संकेत नहीं माना जाता है। इसे नकारात्मकता का प्रतीक माना गया है। ऐसी घटना होने का अर्थ हो सकता है कि आपके कार्यों में देरी हो सकती है या आपको किसी बाधा का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में उस दिन कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेने से बचना चाहिए। अन्यथा आपको पूरे दिन अपने छोटे–छोटे कामों में भी रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है।

बच्चे को रोता हुआ दिखना

शास्त्रों के अनुसार, अगर सुबह के समय रास्ते में आपके सामने से कोई बच्चा रोता हुआ जाए तो इसे अच्छा नहीं माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपको पूरे दिन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको काम में उलझनों का सामना करना पड़ सकता है और मानसिक तनाव होनी भी संभव है। ऐसे में उस दिन पर जातक को भावुक होकर कोई भी फैसला लेने से बचना चाहिए, अन्यथा आपके सामने छोटी–छोटी अड़चनें आ सकती हैं।

सुबह के समय सांप का रास्ता काटना

बिल्ली का रास्ता काटना तो सभी ने सुना है, लेकिन आप जानते हैं कि सांप का रास्ता काटना भी कई प्रकार के संकेत देता है। अगर सुबह के समय आप अपने काम पर जा रहे हों और अचानक सांप आपके सामने का रास्ता काटकर निकल जाए तो इसे अच्छा नहीं माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि ऐसी घटना होने पर जातक को उस दिन अपने हर काम पर विशेष ध्यान रखना चाहिए।

हाथ की रेखाएं और जन्मकुंडली में बैठे ग्रह व्यक्ति के बारे में सब कुछ कह देते हैं

ज्योतिष शास्त्र तथा हस्तरेखा विज्ञान में ऐसे कुछ संकेत विद्यमान होते हैं, जिन्हें आत्मसात कर उनके माध्यम से किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। जन्मकुंडली देखते समय अगर ज्योतिषी जातक के मूल ग्रह को समझ लेता है, तो उस ग्रह की प्रवृत्ति आदि के माध्यम से उस व्यक्ति के व्यक्तित्व को उजागर करते हुए भविष्य कथन में सटीकता प्राप्त होती है।

हर किसी की जन्मपत्री में एक ग्रह प्रधान होता है, जिसे मूल ग्रह भी कहा जाता है। इसी ग्रह के ऊपर व्यक्ति का सारा व्यक्तित्व टिका होता है। उदाहरण स्वरूप, जैसे किसी व्यक्ति की धनु राशि अथवा धनु लग्न है और उसकी जन्मपत्री में बृहस्पति ग्रह उच्च का है, तो देवगुरु बृहस्पति की बलवान स्थिति के कारण उस व्यक्ति के व्यक्तित्व में बृहस्पति से संबंधित अधिकांश गुणों का समावेश होगा।

इसके विपरीत जिसकी जन्मपत्री में बृहस्पति नीच का, पीड़ित अथवा पाप प्रभाव में हो, तो उस व्यक्ति के व्यक्तित्व में बृहस्पति से संबंधित अधिकांश शुभ गुणों का अभाव होगा। इसी प्रकार ज्योतिषी ग्रहों को समझकर व्यक्ति के व्यक्तित्व का आकलन करता है।

इसी प्रकार हस्तरेखा विशेषज्ञ व्यक्ति के हाथों पर उस चिन्ह को

ढूंढ़ते हैं, जिसके माध्यम से उस व्यक्ति का पूरा व्यक्तित्व समझा जा सके। जैसे जन्मपत्री में ग्रहों की उच्च अवस्था का आकलन किया जाता है, उसी प्रकार से हाथ की हथेली पर उस ग्रह से संबंधित पर्वत अगर पूर्ण रूप से विकसित हो, तो वह व्यक्ति उस पर्वत से संबंधित गुणों वाला रहता है।

हथेली का अध्ययन करते समय हथेली पर अंकित सभी चिन्हों को ध्यानपूर्वक देखना चाहिए, क्योंकि भविष्य फल कथन एवं फलादेश करते समय यह चिन्ह बहुत कुछ व्यक्ति के बारे में बताते हैं। हथेली को ध्यान से देखने पर हथेली पर रेखा, आपस में कटी हुई रेखाएं, बिन्दु का निशान, क्रॉस का निशान, नक्षत्र का निशान, वर्ग, वृत्त, त्रिकोण, जाली जैसे चिन्ह दिखाई पड़ते हैं। इन चिन्हों का हाथ पर बनी रेखाओं और पर्वतों के साथ हाथ के आकार–प्रकार को ध्यान में रखकर गणना करने पर भविष्य कथन स्पष्ट होता है।

बंद ताले से करें ये चार उपाय, खुल जाएगी किस्मत जीवन के दुख और आर्थिक संकट होगा दूर

हर मनुष्य अपने बेहतर जीवन, करियर और भविष्य के लिए दिन–रात मेहनत करता है। लेकिन कई बार कड़ी मेहनत और प्रयासों के बाद भी अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते हैं। साथ ही, बनते–बनते कार्यों में भी अड़चनें आने लगती हैं। इसके ज्योतिषशास्त्र में कई कारण बताए गए हैं। ज्योतिष में कुछ ऐसे उपायों का वर्णन भी मिलता है जिन्हें करने से जातक को जीवन के दुखों और आर्थिक संकट से मुक्ति मिल सकती है। मान्यता है कि लोहे के ताले से कुछ उपाय करने से जातक की बंद किस्मत खुल सकती है। साथ ही, नौकरी, व्यवसाय और आर्थिक समस्याओं से भी निजात मिल सकती है।

कार्यों में आ रही बाधाएं दूर करने का उपाय

अगर नौकरी या व्यवसाय के क्षेत्र में आपके काम में बार–बार बाधाएं आ रही हैं तो इसके लोहे के ताले से एक सरल उपाय कर सकते हैं। सबसे पहले दुकान से एक नया ताला ले आएं। उस दौरान इस बात का ध्यान रखें की ताले को चाबी से गलती से भी नहीं खोलना है। साथ ही, दुकानदार से भी ताला बगैर खुलवाए घर ले आएं। अब इसे लाकर अपने मंदिर में रख दें। फिर, पूजा के बाद ताले को उठाकर घर से दूर किसी स्थान पर या मंदिर के सामने ताला दान करें। इस टोटके को करने से जरूरी कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होने लगती हैं। यह उपाय आप शनिवार या मंगलवार के दिन कर सकते हैं।

आर्थिक संकट दूर करने का उपाय

जीवन की समस्याओं और आर्थिक संकट से मुक्ति पाने के लिए एक नया ताला खरीद लाएं। उस ताले को बिना खुलवाए लेकर आएं और खुद भी ताला चाबी से न खोलें। इसके बाद, शाम के वक्त स्नानादि करके साफ वस्त्र धारण करें और ताले को मंदिर में लेजाकर विधि–विधान से पूजा–पाठ करने के पश्चात ताला घर ले आएं। अब इसे रात में अपने तकिए के नीचे रखकर सोएं। लेकिन ध्यान रखें की ताले और चाबी को एक साथ नहीं रखना है। इस उपाय को श्रद्धा पूर्वक करने से जातक के ऊपर माता लक्ष्मी की विशेष आशीर्वाद बना रह सकता है। साथ ही, आर्थिक संकट से छुटकारा मिलता है।

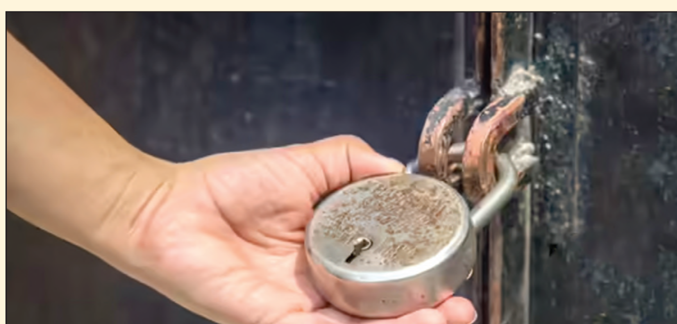

व्यवसाय और नौकरी की समस्याएं दूर करने का उपाय

अगर आप लगातार व्यापार या नौकरी से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं और तरक्की में बाधाएं आ रही हैं तो इसके लिए एक ताले का उपाय किया जा सकता है। इसके लिए एक स्टील या लोहे का नया ताला खरीद लाएं। इस दौरान दुकानदार से ताला न खुलवाएं और न ही उसे खुद खोलने का प्रयास करें। बंद ताले को घर लाकर उस पर थोड़ा सा काजल का तिलक लगाएं। इसके बाद ताले को भगवान हनुमान के सामने रखें और अगले दिन मंदिर के सामने किसी को ताला दान कर दें। इस उपाय को करने से जातक की सफलता और व्यवसाय में आने वाली बाधाएं दूर हो सकती हैं। साथ ही, करियर में उन्नति के नए मार्ग खुलने लगते हैं।

जीवन के दुख दूर करने का उपाय

इसके लिए एक नया ताला शनिवार से पहले ही खरीदकर रख लें और शनिवार को सुबह स्नानादि करके साफ वस्त्र धारण करें। अब ताले को बिना खोले हुए शनि मंदिर में लेजाकर अर्पित कर दें और बिना मुड़े अपने घर वापस आ जाएं। इस उपाय को शनिवार के दिन बिना किसी से बताए चुपचाप करना चाहिए। साथ ही, लोहे से जुड़ी वस्तु शनिवार को खरीदनी वर्जित मानी गई है। ऐसे में ताले को एक दिन पहले ही खरीदकर रख लेना चाहिए। इस उपाय को करने से जातक को जीवन के दुखों से मुक्ति मिल सकती है और घर में सुख–समृद्धि आती है।

'जय महासर धाम' फिल्म अगले साल जनवरी में रिलीज होगी

दीपिका चिखलिया और अखिलेंद्र मिश्रा निभाएँगे अहम भूमिका

सीकर जिले के मूल निवासी अभिनेता-निर्देशक सनी अग्रवाल की नई धार्मिक फिल्म 'जय महासर धाम' अगले वर्ष जनवरी 2026 में थिएटरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म महासर माता पर आधारित है और हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नारनोल के पास अटेली मंडी स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल, गड़ी महासर में मौजूद महासर माता धाम को केंद्र में रखकर बनाई गई है।

फिल्म के निर्देशक सनी अग्रवाल हैं, जिनका जन्म और पालन-पोषण अहमदाबाद में हुआ, जबकि मूल रूप से वे जिला सीकर के श्रीमाधोपुर के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म में रामायण की सीता के रूप में प्रसिद्ध दीपिका चिखलिया, तथा चंद्रकांता सीरियल के क्रूर सिंह फेम अखिलेंद्र मिश्रा की अहम भूमिकाएँ हैं। इसके अलावा रेखा वशिष्ठ, एम.डी. रॉक स्टार, अशोक वर्मा, पुष्कर सैनी सहित स्वयं सनी अग्रवाल भी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभा रहे हैं।

महासर मूवीज के बैनर तले बनी इस फिल्म के निर्माता श्रीधर गुप्ता, जबकि रमण द्विवेदी लेखक और गीतकार हैं। फिल्म का संगीत भीमेश द्विवेदी ने दिया है। फिल्म की शूटिंग नारनोल और गड़ी महासर की वास्तविक लोकेशनों पर की गई है।

जय जीण माता, म्हारो श्याम धनी दातार, गोभक्त धन्ना जाट, जीवती रे बेटी जैसी राजस्थानी और हिंदी फिल्मों सहित करीब 50 फिल्मों में अभिनय कर चुके सनी अग्रवाल ने बताया कि उनकी एक और फिल्म 'महाराजा अग्रेसन' भी अगले वर्ष रिलीज होने की संभावना है, जिसमें संजय दत्त मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

शेखर सुमन: छोटे और बड़े पर्दे के 'कॉमेडी किंग', बने घर-घर के पसंदीदा

शेखर सुमन भारतीय टीवी और फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता हैं। वह न सिर्फ बड़े पर्दे पर बल्कि छोटे पर्दे पर भी दर्शकों का दिल जीतने में सफल रहे हैं। अपने अभिनय और होस्टिंग के अंदाज के कारण उन्हें कई बार कॉमेडी के बादशाह भी कहा गया है। खासकर उनके टीवी शो 'देख भाई देख' और 'मूवर्स एन शेकर्स' ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। उनकी टाइमिंग और एक्सप्रेशन की तारीफ हर उम्र के दर्शक करते हैं। शेखर सुमन ने मेहनत और धैर्य से सफलता हासिल की है। शेखर सुमन का जन्म 7 दिसंबर 1962 को बिहार की राजधानी पटना में हुआ था। बचपन से ही उनमें अभिनय और कला के प्रति रुचि थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने करियर के तौर पर एक्टिंग को चुना और मुंबई आ गए। शुरुआत में उन्हें कई संघर्षों का सामना करना पड़ा। उन्हें कोई काम नहीं मिल रहा था और आर्थिक परेशानियां बढ़ती जा रही थीं, लेकिन अपने सपनों को छोड़ना उनके लिए कभी विकल्प नहीं था।

शेखर सुमन ने बॉलीवुड में डेब्यू फिल्म 'उत्सव' (1984) से किया। इस फिल्म में उन्होंने रेखा के अपोजिट काम किया। यह फिल्म उनके लिए बहुत खास थी क्योंकि इस फिल्म से ही उन्हें इंडस्ट्री में पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, जैसे 'मानव हत्या', 'नाचे मयूरी', 'संसार', 'त्रिदेव', 'पति परमेश्वर', 'रणभूमि', 'चोर मचाए शोर', 'एक से बढ़कर एक', और 'भूमि'। फिल्मों में उनकी एक्टिंग की हमेशा प्रशंसा हुई, लेकिन उन्हें जो लोकप्रियता टीवी से मिली, वह अलग ही थी।

शेखर सुमन का टीवी करियर 1984 में शुरू हुआ, जब वह 'वाह! जनाब' में नजर आए। यह शो दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ और दर्शकों ने इसे बहुत पसंद किया। इसके बाद उन्हें असली पहचान टीवी कॉमेडी शो 'देख भाई देख' से मिली। इस शो में उनके अभिनय की टाइमिंग और चेहरे के हावभाव ने सभी का दिल जीत लिया। इसके बाद उन्होंने 'मूवर्स एन शेकर्स', 'सिंपली शेखर' और 'कैरी ऑन शेखर' जैसे कई हिट शो किए। इन शो में उनकी कॉमेडी और मजेदार अंदाज को लोग हमेशा याद करते हैं। शेखर सुमन ने टीवी शो होस्टिंग में भी अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने 'द ग्रेट इंडियन कॉमेडी शो', 'झलक दिखला जा', 'कॉमेडी सुपरस्टार', और कई रियलिटी शो होस्ट किए। दर्शकों ने उन्हें सिर्फ अच्छे अभिनेता ही नहीं बल्कि शानदार होस्ट भी माना। उनका अंदाज सरल और दर्शकों से जुड़ने वाला रहा।शेखर सुमन का निजी जीवन भी काफी दिलचस्प और संघर्ष भरा रहा। उन्होंने 1983 में फिल्म निर्माता अल्का सुमन से शादी की। उनके दो बेटे अध्ययन सुमन और आयुष हैं। अध्ययन ने भी फिल्मों में कदम रखा, लेकिन बड़े पर्दे पर अपने पिता जैसी पहचान नहीं बना पाए। शेखर और उनकी पत्नी के लिए सबसे बड़ा दुख उनके बेटे आयुष की 11 साल की उम्र में बीमारी के कारण असामयिक निधन था। इस दुख के बावजूद वह कभी करियर में पीछे नहीं हटे और हमेशा मेहनत करते रहे।शेखर सुमन को उनके करियर के दौरान कई पुरस्कार मिले। उन्होंने 'मूवर्स एन शेकर्स' के लिए आईटीए अवार्ड जीता और 'कैरी ऑन शेखर' के लिए इंडियन टेली अवार्ड भी मिला।

फिल्म वा वाथियार की शूटिंग से एक रात पहले मैंने आत्मा देखी : कृति शेट्टी

अभिनेत्री कृति शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली तमिल फिल्म 'वा वाथियार' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में उनका किरदार एक स्पिरिट रीडर का है। इस बीच उन्होंने असल जिंदगी में कुछ ऐसा महसूस किया। कृति ने खुलासा किया कि शूटिंग शुरू होने से ठीक एक रात पहले उनके होटल के कमरे में उन्हें एक आत्मा दिखाई दी। इस घटना ने न सिर्फ उन्हें झकझोर दिया, बल्कि उनके किरदार के प्रति विश्वास भी मजबूत कर दिया ... कहा, मैं निर्देशक नलन कुमार ... की इस फिल्म में एक ऐसी लड़ ... का किरदार निभा रही हूं, जो ... आत्माओं से बात करती है ... और जो दूसरे लोगों की ... तुलना में भावनाओं और ... ऊर्जा को अधिक गहराई से ... महसूस करती है। सिनेमा में ... ऐसे किरदार आमतौर पर कम ... ही देखने को मिलते हैं, खास ... भारतीय फिल्मों में, इसलिए य ... लिए एक नया और एक्साइटिं ... था। जब मैं इस किरदार की तै ... तब मुझे अंदाजा भी नहीं था कि वास्तविक जिंदगी में भी कुछ ऐसा घट सकता है।

कृति ने कहा, ''मैं बचपन से ही मानती हूं कि आत्माएं होती हैं। मैं तुलु समुदाय से आती हूं, जहां पूर्वजों की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि हमारे पूर्वज हमेशा हमारे आसपास होते हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं। मैं आत्माओं की अवधारणा से कुछ हद तक परिचित हूं, लेकिन शूटिंग से पहले का अनुभव मेरे लिए बेहद विचलित कर देने वाला था।''

उन्होंने बताया, ''शूटिंग के लिए मैं और टीम एक होटल में रुके हुए थे, उसी रात मुझे किसी आकृति का एहसास हुआ। मैंने पूरा चेहरा नहीं देखा, लेकिन एक साफ-साफ छाया जैसी आकृति मैंने महसूस की थी। उसी पल जब मैंने लाइट ऑन की, तो अचानक तेज आवाज हुई। उस समय मेरी मां भी साथ थीं। हम दोनों ने महसूस किया कि यह कोई सामान्य घटना नहीं थी। यह अनुभव इतना वास्तविक था कि इसे भ्रम या कल्पना माना ही नहीं जा सकता।''

कृति ने कहा, ''इस फिल्म में स्पिरिट रीडर का किरदार निभाते समय मुझे ... था कि ... दर्शकों ... सी बातें ... अविश्वसनीय लगेंगी। लेकिन जैसे ही ये घटना घटी, मुझे लगा जैसे कोई मेरे इस किरदार में पूरी तरह ढलने के लिए संकेत दे रहा हो।'' फिल्म 'वा वाथियार' में कृति के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं।

केबीसी में पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट टीम, स्नेह राणा ने अमिताभ से की खास अपील

क्रिज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, ऋचा घोष, हरलीन देओल, स्नेह राणा और कोच अमोल पहुंचे। इस दौरान स्नेह राणा ने अमिताभ बच्चन से प्यार भरा निवेदन किया। उन्होंने बिग बी से अनुरोध किया कि वह वर्ल्ड कप मेडल को अपने हाथों से पहनाकर सम्मानित करें। एपिसोड के दौरान स्नेह राणा ने कहा कि अमिताभ बच्चन से मेडल से सम्मानित होना किसी बड़े सपने से कम नहीं है। अमिताभ बच्चन भी इस सम्मान से भावुक दिखाई दिए। उन्होंने टीम की तारीफ करते हुए कहा कि बहुत से लोग केबीसी की हॉट सीट पर आए हैं, लेकिन भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने अद्भुत खेल और दृढ़ निश्चय से इस शो की प्रतिष्ठा को और ऊंचा कर दिया है।

उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम सिर्फ मैच नहीं जीतती, बल्कि भारत की छवि, संस्कृति और साहस को पूरी दुनिया में लेकर जाती है। जब विश्वास और मेहनत एक साथ होते हैं, तब दुनिया उस उपलब्धि को सलाम करने पर मजबूर हो जाती है।''वहीं टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने घोषणा की कि वे केबीसी में जीती गई धनराशि को भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम को दान करेंगी। उनके इस घोषणा पर पूरा सेट तालियों की गड़गड़ाहटों से गूंज उठा। इस पर अमिताभ बच्चन ने कहा कि यह टीम सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि दिल से भी बड़ी चैंपियन है। बातचीत के दौरान हरमनप्रीत कौर ने अपने बचपन के किस्सों को भी याद किया। अमिताभ बच्चन ने जब उनसे उनके शुरुआती जीवन के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया, ''मेरे पापा ने मेरे लिए एक खास टी-शर्ट बनाई थी, जिस पर 'गुड बैटिंग' लिखा हुआ था। यह टी-शर्ट मुझे मेरे जन्म के दिन पहनाई गई थी। उस समय मेरे परिवार ने इस बारे में कोई ध्यान भी नहीं दिया था। बड़े होकर, मैंने भारतीय टीम के लिए कई मैच खेले। एक दिन हम घर शिफ्ट कर रहे थे, तभी मेरी मां को वह कपड़ा मिला। मां ने इसे दिखाते हुए कहा, 'ये वही कपड़े हैं जो तुमने अपने जन्म के दिन पहने थे।' उस टी-शर्ट पर 'गुड बैटिंग' देख मैं इमोशनल हो गई। ऐसा लगा जैसे मेरे पापा का भविष्य के लिए दिया आशीर्वाद था, जो अनजाने में ही सच हो गया।''

बातचीत के दौरान अमिताभ बच्चन ने उनसे पूछा कि आखिर उन्हें क्रिकेट खेलने की प्रेरणा कहां से मिली।

बिग बॉस 19 : फेक गर्ल के टैग से फाइनलिस्ट तक तान्या मित्तल का शानदार रहा सफर

बिग बॉस 19 का फिनाले डे आखिरकार आ गया है और टॉप-5 फाइनलिस्ट्स में से विजेता का नाम कुछ ही समय बाद सामने आने वाला है। इस बार का सीजन दर्शकों के लिए कई मायनों में खास रहा है। घर में आए प्रतियोगियों ने अपनी-अपनी रणनीतियों और व्यवहार से दर्शकों का ध्यान खींचा, लेकिन इसी बीच कुछ नाम ऐसे भी रहे, जो अपने अनोखे अंदाज और व्यक्तित्व की वजह से चर्चा में बने रहे। इन टॉप फाइनलिस्ट्स में एक नाम जो हर मोड़ पर खबरों में रहा, वह है तान्या मित्तल। उनकी कहानी और जर्नी ने शो में नए रंग भर दिए और दर्शकों को खूब रोमांचित किया। तान्या मित्तल मध्य प्रदेश के ग्वालियर की रहने वाली हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर खास लोकप्रियता हासिल की और अब 'बिग बॉस 19' में टॉप 5 में जगह बना ली। इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब पर तेजी से उनकी फॉलोअर्स की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। तान्या मित्तल मॉडलिंग और सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रही हैं। उन्होंने मिस टूरिज्म एशिया 2018 का खिताब जीता और लेबनान में आयोजित प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया। तान्या के परिवार की बात करें तो उनके पिता, रवि मित्तल, नोएडा में रियल एस्टेट के व्यवसाय से जुड़े हैं, उनकी मां, सुनीता मित्तल, एक होममेकर हैं। भाई, अमृतेश मित्तल, पिता के बिजनेस में उनका साथ देते हैं। परिवार के सबसे बुजुर्ग सदस्य उनके 88 वर्षीय दादा, राजेंद्र प्रसाद, हैं।

'बिग बॉस 19' में तान्या मित्तल ने शुरुआत से ही दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्हें अक्सर 'फेक गर्ल' का टैग दिया गया, लेकिन इसने उनके आत्मविश्वास को कम नहीं किया। शो में उनके बोल्ड अंदाज और आत्मविश्वास ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। उन्होंने अपना गेम प्लान बहुत ही समझदारी और स्मार्ट तरीके से तैयार किया।

तान्या ने सोशल मीडिया के अनुभव का इस्तेमाल कर शो में अपना कंटेंट तैयार किया, जो दर्शकों को काफी पसंद आया और उन्हें लगातार चर्चा में बनाए रखा। शो में तान्या मित्तल के कई विवादित और अजीबोगरीब पल भी देखने को मिले। उन्होंने टीवी एक्ट्रेस और को-कंटेस्टेंट अशनूर कौर और अन्य कंटेस्टेंट्स पर कई बार टिप्पणियां कीं, जिससे उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अपनी गलतियों से सीख लेती हुई तानिया ने अपने अंदाज में खेल खेलना जारी रखा।

अमाल मलिक के साथ उनका 'भैया-बहन' वाला पल और शो में किए गए अमीर होने के दावों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। तान्या मित्तल ने घर के अंदर और बाहर दोनों जगह अपनी चर्चाओं को कभी कम नहीं होने दिया। उनके गेम प्लान से बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं और दावा कर रहे हैं कि इस सीजन की विनर वह ही बनेंगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव बना रहेगा , जिससे आप की कार्यक्षमता पर भी असर दिखेगा । आपके लिए विपरीत परिस्थिति निर्मित हो सकती है। चोट लगने की आशंका है। आप आज ऊर्जा से भरपूर हैं, जो आपके काम में भी स्पष्ट दिखाई देगी । अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद अपने साथी के लिए कुछ समय निकालें। आज आप किसी पर संदेह कर सकते है। कुसंगति से दूर रहें। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का ध्यान रखें। प्रसन्नता रहेगी। नौकरीपेशा लोगों का किसी सहयोगी से विवाद हो सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं स्वास्थ्य परेशान कर सकता हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन जबरदस्त रहेगा। आज आप को अनजान व्यक्तियों से मेलझोल बढाना पड सकता हैं। आप को कुसंग से दूर रहना चाहिए । सामाजिक रूप से आपका सम्मान होगा। खर्च मे कमी हो सकती है। आज आप विपरीत परिस्थिति सामना करेंगे । आज आप जीवनसाथी को घूमने लेकर जाए । किसी मुद्दे पर उनकी सलाह लेकर काम करें। आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। प्रसन्न रहें। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। धार्मिक कार्यक्रम का हिस्सा बनें मन प्रफुल्लित रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बडे बुजुर्गो का आशीर्वाद लेकर ही दिन की शुरुआत करें वाणी पर संयम रखें आपका किसी के साथ विवाद हो सकता है। कार्य क्षेत्र में बाधा आ सकती है। युवाओं को सफलता मिलेगी। नया काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आपको धन लाभ होने की संभावना है।जीवनसाथी की जरूरतों का ध्यान रखें। निवेश कर सकते हैं। कामकाजी लोगों को खुशखबरी मिलेगी। पैतृक मामले में प्रगति होगी। समय पर जिम्मेदारी पूरी करने का प्रयास करें। नंदी को दाल का भूसा खिलाए गौ सेवा करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज खर्चा ज्यादा होगा मित्रों से विचार विमर्श करें । आज आपको किस्मत का सहयोग प्राप्त होगा। कुसंगति से दूर रहें। धार्मिक कार्यों में शामिल होंगे। व्यवसाय में लाभ होगा। खानपान को लेकर लापरवाही न करें। प्रसन्न रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । युवाओं को नौकरी मिल सकती है। नए प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू कर सकते हैं। किसी से विवाद होने की आशंका है। लम्बीत कार्य को पहले पूरा करें अनावश्यक तकलीफें दूर रहेंगी ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने मे कामयाब होते हैं तो दिन खुशनुमा बीतेगा अन्यथा दिन मिलाजुला रहेगा। बाहर जाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज अच्छे कार्यो पर आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंता में रहेंगे। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। अनजान लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। कर्ज लेनदेन करते समय विशेष सावधानी रखें। आज यात्रा करनी पड रही हैं तो गुड का सेवन करके प्रस्थान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ भागमदौड ज्यादा ही होगी थकावट का अनुभव होगा । कामकाजी लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ मधुरता रहेगी। कुछ नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति की प्राप्ति होगी। दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। छात्रों का दृढ़ संकल्प और मेहनत रंग लाएगी। अगर आप अविवाहित हैं और विवाह सम्बन्ध के लिए परेशान है तो दुर्गा की उपासना करें कार्यसिद्धि होगी मनोवांछित परिणाम मिलेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप को कर्म का फल मिलेगा भाग्य आप का साथ देगा दिन शानदार रहेगा । धन लाभ होने की संभावना है। नए काम में मन लगेगा। किसी की मदद कर सकते हैं।प्रभु की आराधना से शांति मिलेगी। आपको पदोन्नति मिल सकती है। आपको खुशखबरी मिल सकती है। अनजान लोगों से सतर्क रहें। अपने मित्रों के साथ घूमने जा सकते हैं। स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी हो सकती हैं सतर्क रहें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शिक्षा से जुडे हुए लोगों को लाभ मिलेगा एवं पदोन्नति भी सम्भव हैं प्रसन्न रहेंगे। किसी भी विवाद का हिस्सा न बनें। अपने जीवनसाथी को उपहार जरूर दें । आज घर की जिम्मेदारी के चलते व्यस्त रहेंगें। युवाओं को कैरियर के लिए काफी मेहनत करनी होगी। शासकीय कार्य लंबित रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। क्षमता के अनुसार सफलता प्राप्त होगी। आज आप मे जोश और उर्जा का संचार रहेगा । आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य को लाल चंदन से अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करें आपका दिन ऊर्जावान रहेगा । काफी शांत महसूस करेंगे। आध्यात्मिकता की ओर झुकाव होगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। योजनाएं बनेंगी। आज अच्छी सेहत का आनंद उठाएंगे। आपको परिवार के सदस्य की छोटी–मोटी तकलीफ होने पर देखभाल करनी पड़ सकती है। मित्रों से मुलाकात होगी। किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने दूसरे शहर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें आप को घात पहुंचा सकते हैं आप को सूज–भूज का परिचय देना पडेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शारीरिक तौर आप को परेशानी हो सकती हैं ज्यादा महनत के काम से परहेज करें । जीवनसाथी की किसी बात से तनाव में रहेंगे। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न करें। किसी कार्य में काफी खर्च हो सकता है। आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं, जिसकी आपको जरुरत नही है। बोलचाल के दौरान सावधान रहें। कोई आपकी सरल स्वभाव का लाभ उठा सकता है। रिश्तेदारों के यहां कार्यक्रम मे जाना पड सकता हैं खर्चा भी ज्यादा हो सकता हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यस्तता के कारण आप परिवार को समय नही दे पांएगे । व्यवसाय मे धन सम्बन्धित कमी का सामना करना पडेगा। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। कार्य क्षेत्र में अच्छी सफलता मिल सकती है। अपनी सेहत के प्रति लापरवाही न बरतें। शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। नया काम शुरू करने में जलदबाजी न दिखाएं। तनाव दूर होगा। उधार की रकम वापस मिल सकती है। लोग आप को भ्रमित कर सकते हैं बडे सीनियर्स से वाद विवाद जैसी स्थिति बनेगी आपको हितैषी का साथ मिलेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप द्विज है तो यज्ञ करके ही काम की शुरुआत करें सबसे पहले अपने परिवार की जरूरतों का ध्यान रखें। आपको सेहत संबंधी दिक्कतें हो सकती है। कार्य क्षेत्र में किसी तरह का नुकसान उठाना पड सकता है। बुजुर्गों के अनुभवों का लाभ मिलेगा। किसी बड़ी समस्या से घिर सकते हैं। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। लोन की रकम जमा कर पाएंगे। जमीन और कन्स्ट्रक्शन कारोबार में निवेश करना आप को लाभ देगा । आपकी योजना फलीभूत होगी। किसी से भी बातचीत करते समय शब्दों का चयन बडी समझदारी से करें आप की प्रतिष्ठा बढेगी सामाजिक तौर पर लाभ दिखेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 दिसंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी सायं 04:05 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 02:53 तक
योग : ब्रह्म सायं 05:00 तक
करण : बालव सायं 04:05 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– गण्डमूल रात्रि 02:54 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जवानों को उचित सम्मान देना हर नागरिक का कर्तव्य : भजनलाल

जयपुर, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे वीर जवान अपने परिवार से दूर रहकर, कठिन परिस्थितियों में निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करते हैं। उनके अदम्य साहस और बलिदान के कारण ही हम सभी देशवासी चैन और सुकून से रह पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्व सैनिक केवल सेवानिवृत व्यक्ति नहीं, बल्कि अनुभव और अनुशासन के प्रतीक हैं। उनकी राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा हम सब के लिए प्रेरणादायी है। यह देश के हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह जवानों को उचित मान–सम्मान दें। शर्मा ने रविवार को जयपुर के अल्बर्ट हॉल पर थलसेना की दक्षिण पश्चिमी कमान की ओर से पूर्व सैनिकों की वीरता और बलिदान के सम्मान में आयोजित 'ऑनर रन' मैराथन को फ्लैग ऑफ किया। यह मैराथन सेना दिवस (15 जनवरी) के उपलक्ष्य में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में आयोजित की गई। मैराथन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दौड़ हमारे राष्ट्र के उन अमर सपूतों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इसका उद्देश्य हमारे पूर्व सैनिकों के साहस, बलिदान और अदम्य भावना का सम्मान करना है, जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑनर रन के माध्यम से हम यह सन्देश देना चाहते हैं कि राजस्थान अपने सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि ऑनर रन का आयोजन हमारी सामूहिक चेतना की अभिव्यक्ति है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे हमारे जांबाज सैनिकों के त्याग, बलिदान और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेकर देश के निर्माण में अपना योगदान दें।

अल्बर्ट हॉल पर आयोजित ऑनर रन मैराथन में 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 21 किलोमीटर की 3 श्रेणियों की दौड़ आयोजित की गई। मैराथन में सेना के जवानों, पूर्व सैनिकों एवं आमजन ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। देशभक्ति के तरानों के बीच भारत माता की जयकार से माहौल जोश से भर उठा।

कार्यक्रम में सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान पूर्व नौसेना अध्यक्ष एडमिरल माधवेन्द्र सिंह एवं जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी सहित बड़ी संख्या में सेना के जवान, पूर्व सैनिक एवं आमजन उपस्थित रहे।

सीकर में हनी ट्रैप गैंग की महिला सदस्य गिरफ्तार

6 आरोपी पहले ही हो चुके थे गिरफ्तार

सीकर, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सीकर के नीमकाथाना पाटन पुलिस ने हनी ट्रैप के जरिए लोगों को ब्लैकमेल कर भारी रकम वसूलने वाली गैंग की एक और महिला सदस्य को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने इस गैंग के 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। थानाधिकारी रमेश मीणा ने बताया कि ममता को जयपुर से गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि आरोपी महिला सुनियोजित तरीके से लोगों को अपने प्रेमजाल में फंसाती थी। वह पहले फोन पर संपर्क करके लोगों का भरोसा जीतती, फिर उन्हें दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर लाखों रुपए की मांग करती थी। आरोपी महिला का नाम ममता उर्फ नाथी है, जो खंडेला के नेहरा की ढाणी निवासी है। गिरफ्तार की गई महिला के गैंग के छह अन्य सदस्य पहले ही पुलिस के गिरफ्त में आ चुके हैं। इस गैंग का खुलासा उस समय हुआ, जब ग्राम धांधेला निवासी ई–मित्र संचालक अनुज कुमार सैनी ने 21 नवंबर को पाटन थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

अनुज कुमार सैनी ने पुलिस को बताया था कि एक गैंग ने उन्हें बार–बार फोन कर प्रेमजाल में फंसाया था, उसके बाद जब वे उनसे बात करने लगे तो महिला ने दुष्कर्म का झूठा मामला दर्ज करवाने की धमकी देकर दो लाख रुपए की मांग की। जब हमने पैसा नहीं दिया तो उससे कहा गया, अब तुम पुलिस के पास जाओगे, तब पता चलेगा। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक टीम का गठन कर इस गैंग की छह आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया था।

मुंबई की महिला से 16 लाख की ठगी

दौसा में साइबर क्राइम टीम ने आरोपी को दबोचा

दौसा, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई की महिला से 16 लाख रुपये की ठगी के मामले में साइबर क्राइम ब्रांच की टीम ने मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र से आरोपी जितेंद्र बंजारा को गिरफ्तार किया है। मुंबई से आई साइबर क्राइम ब्रांच के सब इंस्पेक्टर हर्षद हिंगे ने बताया कि स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी की गिरफ्तारी की। मुंबई के मलाड वेस्ट इलाके में रहने वाली विनीता पत्नी नरेश कुमार से 16 लाख 86 हजार रुपये की ठगी हुई थी। इस मामले में ठगी की रकम विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी। मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र के ग्राम उदयपुरा की बंजारा ढाणी निवासी जितेंद्र बंजारा के एयरटेल पेमेंट बैंक खाते में ठगी की रकम में से 1 लाख 69 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए थे। ठगों ने पैसे देकर जितेंद्र का खाता खरीद रखा था। रकम आने के कुछ ही देर बाद इसे अन्य खातों में शिफ्ट कर दिया गया। पुलिस को बैंक ट्रांजेक्शन की जानकारी मिली तो उन्होंने आरोपी की तलाश तेज की और उसे दबोच लिया। उन्होंने बताया कि जितेंद्र से पूछताछ जारी है और इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों को पकड़ने के लिए टीम काम कर रही है।

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल की जैकेट पर लगाया बैज

जयपुर, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस की बधाई दी है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर रविवार को सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड ने लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल की जैकेट पर प्रतीकात्मक रूप में झंडा (बैज) लगाया। राज्यपाल ने इस मौके पर अपनी ओर से सैनिकों के कल्याण हेतु स्थापित फंड में अपनी ओर से आर्थिक राशि का सहयोग भी किया। राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर देश के जांबाज सैनिकों का स्मरण करते हुए उनकी शहादत को नमन किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उन बहादुर सैनिकों के प्रति कृतज्ञ हैं, जो अपने अदम्य साहस के साथ देश की सीमाओं पर तैनात हमारी रक्षा करते हैं। राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सैनिकों के कल्याण के लिए स्थापित फंड में सभी को मुक्त हस्त से सहयोग करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिए अहर्निश समर्पित सैनिकों और उनके परिजनों का कल्याण हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैनिकों के राष्ट्र के प्रति योगदान, उनकी प्रतिबद्धता, कर्तव्यपरायणता से हर भारतीय को प्रेरणा लेने की जरूरत है। इस अवसर पर सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर वीरेन्द्र सिंह राठौड़ भी मौजूद रहे।

भारत सांस्कृतिक पुनर्जागरण के पथ पर अग्रसर : शेखावत

जोधपुर, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सांस्कृतिक पुनर्जागरण के पथ पर अग्रसर है। इस परिवर्तन को बनाए रखने के लिए धार्मिक गुरुओं और समाज का सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

शनिवार को जसोल में श्री राजेश्वर भगवान मंदिर प्राण–प्रतिष्ठा महोत्सव में केंद्रीय मंत्री ने शिकारपुरा राजाराम आश्रम के गादीपति, संत दयारामजी बापजी के श्रीचरणों में प्रणाम करते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की। शेखावत ने कहा कि इस संक्रमण काल में जब धर्म, आस्था और विश्वास लोगों में डगमगा रहे हैं, बापजी का यह प्रयास अद्वितीय है।

समृद्ध आध्यात्मिक परंपराएं भारत को बना रही है विश्व गुरु : राधाकृष्णन

गुरुग्राम, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि भारत के ऋषियों, मुनियों और तपस्वियों की साधना ने विश्व को ध्यान, आत्मबल और सत्य के मार्ग पर अग्रसर किया है। राजयोग, विपस्सना और तपस्या जैसी समृद्ध आध्यात्मिक परंपराएं आज भारत को विश्व गुरु बना रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प में भी यही आध्यात्मिक शक्ति राष्ट्र का मार्गदर्शन कर रही है। उप राष्ट्रपति रविवार को गुरुग्राम जिला के बहोड़ा कलां में स्थित ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ओम शांति रिट्रीट सेंटर के रजत जयंती वर्ष के शुभारंभ अवसर पर शुभारंभ – रश्मियां कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उप राष्ट्रपति ने इस अवसर पर ओम शांति संस्थान के रजत रश्मियां के नाम से मनाए जाने वाले रजत जयंती वर्ष का शुभारंभ किया।

उप राष्ट्रपति के हरियाणा आगमन पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने उनका स्वागत किया। उप राष्ट्रपति ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करने उपरांत अपने संबोधन में कहा कि ध्यान आत्मा, मन और शरीर को गहन शांति प्रदान करता है।

देश के हर नागरिक के अधिकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की देन : सैलजा

नरवाना, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने धमतान साहिब नरवाना जिला जींद में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 649 वें जन्मोत्सव को समर्पित कार्यक्रम में पहुंचकर उन्हें नमन किया और मंच से उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए गुरु रविदास जी द्वारा दिए गए समानता, न्याय और मानवीय मूल्यों के संदेश को साझा किया। साथ ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें नमन करते हुए संविधान की रक्षा और सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया। सांसद कुमारी सैलजा ने गुरु ग्रंथ साहिब स्वरूप माथा टेक कर नमन किया। कुमारी सैलजा ने कहा कि धमतान साहिब गुरु तेग बहादुर जी की पावन तपोभूमि रही है जहां वे तीन बार पधारे और यहां के विभिन्न स्थलों पर अपनी अनंत कृपा दृष्टि बरसाई। उन्होंने कहा कि धमतान साहिब में जो ऐतिहासिक कुआं स्थित है, वह उन्हीं के समय में बनाया गया था। इसी पवित्र भूमि पर गुरु साहिब ने अपनी कर कमलों से गुरु घर की नींव रखी थी। जो आज भी करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है।

विज्ञान केवल करियर नहीं है, राष्ट्र निर्माण का माध्यम : सैनी

चंडीगढ़, 07 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे विज्ञान को प्रयोगशालाओं की दीवारों से बाहर निकालकर उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं। जब उनका ज्ञान एक किसान की फसल बढ़ाता है, जब शोध एक मरीज की बीमारी ठीक करता है, जब नवाचार एक उद्यमी को सशक्त करता है, तभी विज्ञान सही मायने में 'समृद्धि' लाता है। मुख्यमंत्री रविवार को पंचकूला के सेक्टर–5 में आयोजित चार दिवसीय 11वें इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल के दूसरे दिन मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने समारोह में स्टूडेंटस साईंस एंड टैक्नोलॉजी विलेज का उद्घाटन किया। इस विलेज को आधुनिक भारत का 'नया नालंदा' की संज्ञा दी गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों में गहरी रूचि दिखाई।

युवा, छात्र और वैज्ञानिक देश की वह पीढ़ी हैं जो भारत को विकसित बनाएगी

नायब सिंह सैनी ने कहा कि विज्ञान केवल करियर नहीं है, राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। युवा, छात्रों और वैज्ञानिकों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि वे ही भारत की वह पीढ़ी हैं जो भारत को विकसित बनाएगी। उन्होंने सभी वैज्ञानिकों, शोध संस्थानों, उद्योग जगत और स्टार्ट–अप्स से अनुरोध किया कि सब मिलकर विज्ञान आधारित विकास मॉडल बनाएं, जो हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण जीवन दे, भारत को वैश्विक नेतृत्व प्रदान करे और पर्यावरण की सुरक्षा कर इस धरती पर सतत भविष्य सुनिश्चित करे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह का आभार प्रकट करते है कि उन्होंने इतने बड़े साइंस फेस्टिवल के लिए हरियाणा को दूसरी बार मेजबानी का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि इस 4 दिवसीय 'विज्ञान महाकुंभ' में देश–विदेश के 40 हजार से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें खुशी है कि इस कार्यक्रम में विशेष रूप से जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख तथा उत्तर और पश्चिम राज्यों के युवाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि देश का हर क्षेत्र वैज्ञानिक प्रगति के पथ पर साथ चल सके। साइंस फेस्टिवल का उल्लेख करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह पर्व विज्ञान, नवाचार, स्टार्ट अप ऊर्जा, भविष्य की तकनीक और नए भारत के सपनों का संगम है। उन्होंने कहा कि इस साइंस फेस्टिवल का थीम 'आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान से समृद्धि' अत्यंत प्रासंगिक है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने का संकल्प रखा है। उनके नेतृत्व में भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है। भारत अपने बलबूते चांद, सूरज व अंतरिक्ष का अध्ययन करने वाले, क्वांटम तकनीक से लेकर डीप–टेक, ए.आई., ड्रोन और बायोटेक्नोलॉजी तक में संसार के अग्रणी देशों में शामिल हो चुका है। यह साइंस फेस्टिवल भी प्रधानमंत्री के 'विकसित राष्ट्र' के संकल्प को सिद्ध करने की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि आज विज्ञान नीति निर्माण का आधार है और नई तकनीक विकास का इंजन है। इस महोत्सव का एक और उद्देश्य प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में भारत की वैज्ञानिक उत्कृष्टता को विश्व पटल पर दिखाना है।

सीएम ने किया पटना डेयरी प्रोजेक्ट का निरीक्षण

दुग्ध समितियों और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के दिए निर्देश

पटना/एजेंसियां।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना डेयरी प्रोजेक्ट, सुधा फुलवारीशरीफ का निरीक्षण किया।

इस बीच अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रोडक्शन हॉल, आइसक्रीम प्लांट, दही कोल्ड रूम सहित विभिन्न यूनिटों का जायजा लिया व उत्पादों की गुणवत्ता एवं क्षमता से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त की। बाद में कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित समीक्षा बैठक में कॉम्फेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक ने कॉम्फेड की वर्तमान कार्यप्रणाली, आगामी पांच वर्षों की योजना, दुग्ध समितियों, प्रोक्यूरमेंट सिस्टम, इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार और नए उत्पादों के लॉन्च से जुड़े बिंदुओं की प्रस्तुति दी। सीएम ने बताया कि राज्य में 21 हजार से अधिक ग्राम स्तरीय दुग्ध सहकारी

समितियां कार्यरत हैं, जिनसे 7.5 लाख पशुपालक जुड़े हैं, जिनमें लगभग 25 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। ये समितियां प्रतिदिन औसतन 22 लाख किलोग्राम और अधिकतम 30 लाख किलोग्राम दूध का संकलन करती हैं। कॉम्फेड की वर्तमान प्रसंस्करण क्षमता 54 लाख लीटर प्रतिदिन है और इसे और बढ़ाने की योजना है। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2008 से लागू कृषि रोड मैप ने कृषि व इससे जुड़ी गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार किया है। इसकी बदौलत राज्य में दूध उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि डेयरी की उत्पादन इकाइयों, प्रोक्यूरमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर और दुग्ध समितियों का विस्तार तेज किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग जुड़ें, उनकी आमदनी बढ़े और रोजगार के नए अवसर तैयार हों। सीएम ने कहा कि कर्मचारियों के लिए आवास व्यवस्था विकसित करने की भी आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों और पशुपालकों की समृद्धि के लिए सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। सुधा ब्रांड के नए उत्पाद बाजार में उपलब्ध कराए जा रहे हैं और यह ब्रांड पूरे देश में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वर्ष 1983 में ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम के तहत गठित कॉम्फेड वर्तमान में राज्य के 31 जिलों में 8 दुग्ध संघों के माध्यम से कार्यरत है। 37 हजार से अधिक खुदरा विक्रय केंद्रों और 914 होल डे-मिल्क बूथ के माध्यम से सुधा दूध और दुग्ध उत्पाद राज्य के लगभग हर प्रखंड व नगर निकाय तक उपलब्ध हैं। टेट्रा पैक दूध की आपूर्ति उत्तरी पूर्वी राज्यों के साथ भारतीय सेना को भी की जा रही है। साथ ही, दिल्ली और कोलकाता जैसे महानगरों में भी सुधा उत्पादों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। मार्च 2025 में कॉम्फेड ने 5 मीट्रिक टन घी अमेरिका और 8 मीट्रिक टन गुलाबजामुन कनाडा निर्यात कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी उपस्थिति दर्ज की है।

बिहार में होगा 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन: उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

पटना/एजेंसियां।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में 100 फास्ट ट्रैक न्यायालयों (एफटीएस) का गठन किया जाएगा। इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन, न्यायालय का बोझ कम करना और संवेदनशील प्रकृति के मामलों पर उचित ध्यान और समय देना है। उन्होंने कहा राज्य के विभिन्न न्यायालयों में 18 लाख से अधिक लंबित मामलों के मद्देनजर ये फास्ट ट्रैक न्यायालय बड़ी राहत देने वाले साबित होंगे। उन्होंने बताया कि पटना में आठ फास्ट ट्रैक अदालतें प्रस्तावित हैं जबकि गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और भागलपुर में चार-चार अदालतें स्थापित की जाएंगी। नालंदा (बिहारशरीफ), रोहतास (सासाराम), सारण (छपरा), बेगूसराय, वैशाली (हाजीपुर), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), समस्तीपुर और मधुबनी में तीन तीन फास्ट ट्रैक अदालतें बनाई जाएंगी। इसी तरह पश्चिम चंपारण (बेतिया), सहरसा, पूर्णिया, मुंगेर, नवादा, जहानाबाद, अरवल, औरंगाबाद, कैमूर (भभुआ), बक्सर, भोजपुर (आरा), सीतामढ़ी, शिवहर,

सीवान, गोपालगंज, सुपौल, मधेपुरा, अररिया, किशनगंज, कटिहार, बांका, जमुई, शेखपुरा, लखीसराय और खगड़िया में दो दो फास्ट ट्रैक अदालतें संचालित होंगी। इसके अतिरिक्त नवगछिया और बगहा उप-मंडलीय न्यायालय में एक-एक फास्ट ट्रैक अदालत स्थापित करने का प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि जिलापदाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से चिन्हित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जाएगा। राज्य के 38 जिलों और उप-मंडलों में कुल 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जाने के लिए कर्मियों की नियुक्ति भी बड़े पैमाने पर की जाएगी। प्रत्येक अदालत के लिए आठ प्रकार के पदों जैसे, बेंच क्लर्क, कार्यालय लिपिक, स्टेनोग्राफर, डिपोज़िशन राइटर, डेटा एंट्री ऑपरेटर, ड्राइवर, प्रोसेस सर्वर और चपरासी या ऑर्डर्ली के कुल 900 पदों पर नियुक्ति प्रस्तावित है। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा- शस्त्र अधिनियम से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित निपटारे हेतु 79 न्यायालयों को एक्ट कोर्ट के रूप में नामित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि शस्त्र अधिनियम जैसे गम्भीर मामलों का शीघ्र समाधान कानून व्यवस्था को मजबूत करेगा। राज्य सरकार न्यायिक प्रक्रिया को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। यही वजह है कि 100 फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन किया जाएगा।

पटना में रामकृष्ण नगर थानाध्यक्ष की मौत

पटना/एजेंसियां।

पटना के रामकृष्ण नगर थाना प्रभारी संजीव कुमार की शनिवार देर रात हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में मातमी सन्नाटा छा गया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद पटना पुलिस लाइन में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव मुजफ्फरपुर भेज दिया गया। रामकृष्ण नगर के एडिशनल थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार देर रात संजीव कुमार को अचानक सीने में दर्द हुआ। सूचना मिलते ही उन्हें आननफानन में पटना के एक निजी बड़े नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना देर रात उनके परिजनों को दे दी गई। बताया जा रहा है कि संजीव कुमार 2009 बैच के सब इंस्पेक्टर थे और वर्तमान में पटना के रामकृष्ण नगर थाना में थाना प्रभारी के रूप में तैनात थे।

शनिवार देर रात वे खाना खाने के बाद गश्ती गाड़ियों को निकलने का निर्देश देकर कार्यालय कक्ष में बैठे थे। इसी दौरान अचानक उनके सीने में तेज दर्द उठा। उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी अपने अधीनस्थ पदाधिकारी को दी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एडिशनल थाना प्रभारी के अनुसार, संजीव कुमार अपने पीछे दो नाबालिग बच्चों को छोड़ गए हैं। परिजनों का कहना है कि संजीव कुमार को ब्लड प्रेशर की समस्या थी। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों को पहले से हृदय से जुड़ी कोई भी समस्या रही है उन्हें सर्दी के मौसम में सावधान रहना चाहिए। ठंड बढ़ने के साथ शरीर की रक्त नलियां सिकुड़ने लगती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। ठंड के दिनों में हार्ट अटैक के मामलों में 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी देखी जाती है।

एसएससी पेपर लीक कांड में समस्तीपुर के खानपुर से एक आरोपी गिरफ्तार

समस्तीपुर/एजेंसियां।

उड़ीसा एसएससी प्रश्नपत्र लीक मामले में जांच तेज करते हुए उड़ीसा क्राइम ब्रांच की टीम ने समस्तीपुर जिले के खानपुर थाना क्षेत्र से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। स्थानीय पुलिस की मदद से की गई इस कार्रवाई में खानपुर उत्तरी गांव निवासी स्व. इंद्रमोहन प्रसाद के पुत्र राजमोहन प्रसाद को पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद उसे नगर थाना लाया गया, जहां कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उड़ीसा पुलिस देर शाम ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ ले गई। सूत्रों के अनुसार, इस पेपर लीक कांड में उड़ीसा के बालासोर पुलिस अब तक 27 जालसाजों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस पूरे नेटवर्क को समस्तीपुर के

विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के शेरपुर निवासी बिजेंद्र गुप्ता और वैशाली जिले में ग्रामीण कार्य विभाग के डिविजनल अकाउंटेंट विशाल चौरसिया ने मिलकर संचालित किया था। कोलकाता की एक प्रिंटिंग प्रेस में कार्यरत हाजीपुर निवासी बीरेंद्र पासवान ने छपाई के बाद उड़ीसा एसएससी का प्रश्नपत्र बिजेंद्र गुप्ता को उपलब्ध कराया था।

गिरफ्तार राजमोहन प्रसाद, बिजेंद्र गुप्ता का साला है। बिजेंद्र गुप्ता का नाम इससे पहले बीपीएससी शिक्षक बहाली परीक्षा और नीट पेपर लीक मामले में भी मुख्य साजिशकर्ता के रूप में सामने आ चुका है। इसके बाद वह पेपर सेटिंग माफिया के रूप में कुख्यात हो गया। उसने खानपुर की रहने वाली राजमोहन की बहन से प्रेम विवाह किया था। वर्ष 2023 में उड़ीसा एसएससी प्रश्नपत्र लीक मामले में उड़ीसा पुलिस ने बिजेंद्र, विशाल सहित बिहार के कई पेपर माफियाओं को गिरफ्तार किया था। वर्तमान में बिजेंद्र गुप्ता बेल पर बाहर है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, छापेमारी से दो दिन पहले वह अपने ससुराल खानपुर आया हुआ था लेकिन कार्रवाई से पहले ही फरार हो गया, जबकि उसका साला राजमोहन पुलिस के हत्थे चढ़ गया। समस्तीपुर पहुंचे उड़ीसा क्राइम ब्रांच के एएसपी विकास रंजन वेउड़ा ने बताया कि जांच के दौरान कई अहम सुराग मिले हैं। आरोपियों ने टेलीग्राम और व्हाट्सएप के ऑनलाइन स्टडी ग्रुप्स से अभ्यर्थियों का डेटा जुटाया था। इसके साथ ही कुछ जालसाजों ने मैनपावर कंसल्टेंसी सर्विसेस से भी अभ्यर्थियों की जानकारी खरीदी थी। पेपर लीक गिरोह की कार्यप्रणाली का खुलासा करते हुए अधिकारी ने बताया कि माफिया पहले अभ्यर्थियों से संपर्क करता था और डील के बाद परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र और उत्तर रटवा दिए जाते थे। प्रति अभ्यर्थी 20 से 25 लाख रुपये तक की रकम वसूली जाती थी, जिसमें 10 लाख अग्रिम और परीक्षा पास होने के बाद 15 लाख देने की शर्त रहती थी। इतना ही नहीं, गिरोह अभ्यर्थियों से मूल प्रमाणपत्र और ब्लैंक चेक भी गिरवी रखवाता था, ताकि पैसे न देने की स्थिति में उनका करियर रोक दिया जाए। जॉइनिंग से पहले होने वाले दस्तावेज़ सत्यापन में इन प्रमाणपत्रों की जरूरत पड़ती है, जिसके चलते अभ्यर्थी मजबूरी में पूरी रकम चुका देते थे। पुलिस ने मामले की जांच और तेज कर दी है तथा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

पटना एयरपोर्ट से इंडिगो की कई फ्लाइट रद्द

पटना/एजेंसियां।

इंडिगो के यात्रियों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। पटना एयरपोर्ट पर रविवार को भी कई फ्लाइट कैंसिल रहीं। इनमें कोलकाता, रांची, पुणे, मुंबई और हैदराबाद की फ्लाइट शामिल हैं। पटना एयरपोर्ट पर कई यात्री आज भी फंसे रहे। कोलकाता जाने वाले एक यात्री ने कहा कि मैं इंडिगो की फ्लाइट से आज जाने वाला था। सुबह से मुझे फ्लाइट कैंसिल होने की कोई सूचना नहीं दी गई। एयरपोर्ट पहुंचने पर पता चला कि आज की भी फ्लाइट कैंसिल है। मुझे जाना जरूरी था। ट्रेन में टिकट

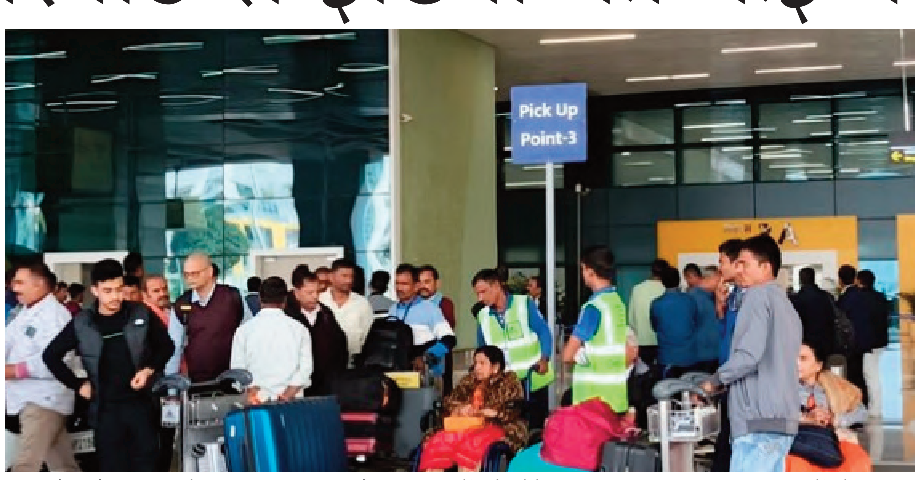

नहीं है। टैक्सी वाले मनमाना किराया वसूल रहे हैं। इधर, पटना एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से कहा गया है कि यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने तथा उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने हेतु एयरलाइन प्रतिनिधियों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है। आज भी पटना एयरपोर्ट पर बैठे कई यात्री परेशान दिखे। उनका कहना है कि यहां पहुंचने पर जानकारी मिलती है कि फ्लाइट कैंसिल कर दी गई है। पहले अगर मैसेज भेज दिया जाता तो इतनी दूर से हमलोग नहीं आते। कोई गोपालगंज, कोई मुजफ्फरपुर तो कोई सीवान से पटना चार पहिया वाहन किराया कर आए लेकिन यहां आने पर पता चला कि फ्लाइट कैंसिल हैं। यात्रियों ने कहा कि गांव से किराया पर गाड़ी करके हमलोग आए हैं। फिर वापस जाना पड़ रहा है। इसका खर्च कौन देगा। हमलोगों के साथ बहुत गलत हो रहा है। सरकार इसे गंभीरता से ले।

जेडीयू प्रखंड अध्यक्ष पर जानलेवा फायरिंग

भोजपुर/एजेंसियां।

जिले में अपराधियों ने एक बार फिर बड़ी वारदात को अंजाम देने की कोशिश की है। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के शिवगंज में बिहिया जदयू प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुशवाहा पर मोटरसाइकिल सवार हथियारबंद अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना उस वक्त हुई जब मनोज कुशवाहा अपने दो सहयोगियों के साथ घर के बाहर बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक एक बाइक पर सवार तीन अज्ञात युवक पहुंचे और बिना कुछ कहे उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। मिली जानकारी के अनुसार अपराधियों ने तीन राउंड

फायरिंग की, जिसमें एक गोली मनोज कुशवाहा के पैर को छूते हुए निकल गई। गनीमत रही कि गोली किसी शरीर के किसी अंदरूनी हिस्से में नहीं लगी, जिसकी वजह से एक बड़ा हादसा टल गया। गोली चलने की आवाज सुनते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। मौके पर कुछ ही देर में लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना मिलते ही जगदीशपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है। वहीं इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है।फिलहाल पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर रही है।

भागलपुर में रॉड से पीट-पीटकर युवक की हत्या

भागलपुर/एजेंसियां।

जिले के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के साहेबगंज चर्च रोड पर शुक्रवार की रात एक दिल दहला देने वाली वारदात हुई। यहां 22 वर्षीय कुंदन यादव उर्फ़ बुच्चो यादव की रॉड से पीट पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक कंपनी यादव का दूसरा बेटा था और पांच भाइयों में दूसरे नंबर पर था। हत्या का आरोप पड़ोसी शंकर महतो पर लगा है। घटना के बाद आरोपी शंकर महतो अपने पूरे परिवार के साथ फरार हो गया, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना पाते ही विश्वविद्यालय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में डीएसपी अजय कुमार चौधरी भी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच की। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य इकट्ठा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पूर्व मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता के निजी सहायक को मारी गोली

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले में अपराधियों ने बीजेपी नेता व पूर्व मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता के निजी सहायक को गोली मारकर घायल कर दिया। घटना मनियारी थाना क्षेत्र की है, जो देर रात हुई। घायल व्यक्ति की पहचान विनोद दास के रूप में हुई है, जो कुढ़नी प्रखंड के अमरख निवासी और भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वह वर्तमान में कुढ़नी विधायक के निजी सहायक के रूप में कार्यरत

हैं। जानकारी के अनुसार, विनोद दास देर रात एक शादी समारोह से लौट रहे थे। इसी दौरान सुनसान सड़क पर दो बाइक सवार अपराधियों ने उन पर फायरिंग कर दी। गोली लगने के बाद घायल विनोद दास खुद किसी तरह शहर के बैरिया स्थित निजी अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही विधायक व पूर्व मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता अस्पताल पहुंचे और घायल का हाल जाना। उन्होंने कहा कि यह नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी का बिहार है, अपराधी किसी भी हाल में बख्शे नहीं जाएंगे। जिसने भी वारदात की है, पुलिस उसे गिरफ्तार कर जेल भेजेगी। उन्होंने बताया कि वे भी उसी शादी समारोह में शामिल थे और लौटने के बाद उन्हें सूचना मिली कि उनके सहायक को गोली मारी गई है। घायल ने बताया कि अपराधियों ने बिना कुछ कहे अचानक गोली चला दी। पुलिस को सूचना दी जा चुकी है और मनियारी थाना की टीम ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

प्रेम-प्रसंग में शिक्षक निकला कातिल, कोचिंग जा रही छात्रा को मार दी थी गोली

समस्तीपुर/एजेंसियां।

जिले के शिवाजीनगर थाने के परसा गांव स्थित बघौनी गाछी में 11 अगस्त को कोचिंग जाने के दौरान छात्रा गुड़िया कुमारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले का पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान के आधार पर खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी निजी स्कूल शिक्षक कुमोद कुमार उर्फ रघु नहारे को असम के गुवाहाटी के ज्योतिनगर से गिरफ्तार किया है। रोसड़ा डीएसपी संजय कुमार सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार आरोपी बिहार शरीफ का निवासी है और घटना के बाद से फरार चल रहा था। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि मृतका की बड़ी बहन से उसका प्रेम-प्रसंग चल रहा था और वह उससे शादी करना चाहता था। लेकिन मृतका और उसकी मां इस रिश्ते का विरोध करती थीं। इसी नाराजगी में उसने छात्रा गुड़िया की हत्या कर दी। डीएसपी ने बताया कि आरोपी बहेरी बाजार स्थित एक निजी स्कूल में शिक्षक था, जहाँ से मृतका की बड़ी बहन से उसके संबंधों की शुरुआत हुई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com